नई दिल्ली
सोमवार 27 अप्रैल 2026
वैशाख मास शुक्ल पक्ष,
एकादशी वर्ष : 30, अंक : 08
पृष्ठ 12 मूल्य 2.00

मौसम
अधि. 42
न्यून. 29

हरिभूमि

दिल्ली, हरियाणा, छत्तीसगढ़ व मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी
haribhoomi.com

सबसे बड़ा सवाल : इतनी कड़ी सुरक्षा के बावजूद हमलावर हथियार लेकर अंदर तक कैसे पहुंच गया, उसका मकसद क्या था?

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के व्हाइट हाउस कॉरेस्पॉन्डेंट्स डिनर के दौरान हिल्टन होटल में हमलावर ने दागी दनादन गोलियां

ट्रंप ने माना- वे ही थे निशाने पर, हमलावर काबू उसके पास मिले शॉटगन, हैंडगन और कई चाकू

- एफबीआई हर एंगल से पड़ताल कर रही है, जिसमें आतंकी एंगल भी शामिल
- जिस होटल में इवेंट हो रहा था, वहीं हमलावर ने बुक किया था रूम
- हमलावर ने इवेंट शुरू होने से पहले होटल में हथियार लेकर प्रवेश किया था
- हमलावर की पहचान 31 वर्षीय कोल टोमस एलन के रूप में हुई है, जो कैलिफ़ोर्निया के टॉरेंस का, वह एक टीचर है
- उसे सोमवार को फ़ेडरल अदालत में पेश किया जाएगा, अभी उसका इलाज जारी
- अधिकारियों ने कैलिफ़ोर्निया में उसके अपार्टमेंट पर पहुंचकर कार्रवाई शुरू कर दी

एजेंसी ▶▶ वॉशिंगटन

अमेरिका की राजधानी वॉशिंगटन डीसी से शनिवार की रात आई एक खबर ने पूरी दुनिया को हिला दिया। हिल्टन होटल व्हाइट हाउस कॉरेस्पॉन्डेंट्स डिनर के दौरान अचानक गोलियों की आवाज गूंज उठा। राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप को कार्यक्रम के बीच से तुरंत सुरक्षित स्थान पर ले जाना पड़ा। उनके साथ फर्स्ट लेडी मेलानिया ट्रंप और उपराष्ट्रपति जेडी वेंस को भी तत्काल बाहर निकाला गया। गोली की आवाज सुनते ही हॉल के अंदर अफरा-तफरी मच गई। लोग अपनी जान बचाने के लिए टेबल के नीचे छिप गए। कुछ लोग जमीन पर लेट गए, तो कई बाहर की ओर भागे। गोलियों की आवाज सुनते ही अमेरिकी सीक्रेट सर्विस हरकत में आ गई। ट्रंप पूरी तरह सुरक्षित ▶▶शेष पेज 5 पर

आरोपी कोल टॉमसन

लड़खड़ा कर गिर गए थे ट्रंप

वायरल वीडियो में दिखाई दे रहा है कि जैसे ही फायरिंग की आवाज आती है, हाल में बैठे लोग टेबल के नीचे छिपने लगे। इसी दौरान एक सुरक्षाकर्मी ट्रंप के पास आता है और उनको तुरंत जानकारी देता है। इसके बाद कुछ और सीक्रेट सर्विस के एजेंट्स आते हैं और ट्रंप के आसपास घेरा बनाते हैं और उन्हें पीछे की तरफ लेकर जाते हैं। जैसे ही ट्रंप कुर्सी से उठकर आगे बढ़ते हैं, वह लड़खड़ा जाते हैं जिसके बाद एजेंट उन्हें पकड़कर सुरक्षित बाहर निकाल लेते हैं।

ट्रंप ने बताया -हमलावर क़रीब 50 गज़ की दूरी से दौड़ता हुआ आया

राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि हमलावर क़रीब 50 गज़ की दूरी से दौड़ता हुआ आया, जिसके बाद सुरक्षा एजेंसियों ने अपने हथियार निकाल लिए। ट्रंप ने कहा कि जिस संदिग्ध को हिरासत में लिया गया है, वह बहुत बीमार इंसान था। वे बताते हैं- यह घटना रात के लगभग 8:35 बजे (अमेरिकी समय) की है। हम स्टेज से क़रीब 40 फ़ीट दूर बैठे थे। मुख्य दरवाज़े हमारे सामने थे, लगभग 100 फ़ीट की दूरी पर। मैन डोर की दिशा से कुछ आवाज़ें सुनाई दीं। साफ़ नहीं था कि वो आवाज़ें क्या थीं, लेकिन वो धीमी धमाकेदार आवाज़ें थीं जो आमतौर पर ऑटोमैटिक फ़ायर जैसी लगती हैं। हमें नहीं पता कि वो सीक्रेट ▶▶शेष पेज 5 पर

पीएम मोदी ने की निंदा, बोले- लोकतंत्र में हिंसा की कोई जगह नहीं

पीएम मोदी ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर राहत जताई कि राष्ट्रपति ट्रंप, फर्स्ट लेडी और उपराष्ट्रपति जेडी वेंस समेत सब सुरक्षित है। उन्होंने आगे लिखा कि लोकतंत्र में हिंसा के लिए कोई जगह नहीं है और इसकी स्पष्ट शब्दों में निंदा की जानी चाहिए।

अगले 30 दिनों में ये कार्यक्रम फिर आयोजित होगा

डोनाल्ड ट्रंप ने बताया कि घटना में शामिल संदिग्ध को पकड़ लिया गया है और हालात अब नियंत्रण में हैं। ट्रंप ने कहा कि वह चाहते हैं कि कार्यक्रम जारी रहे, लेकिन अंतिम फैसला सुरक्षा एजेंसियों और अधिकारियों पर छोड़ा गया है। उन्होंने यह भी माना कि इस घटना के बाद कार्यक्रम का माहौल पूरी तरह बदल गया है और अब यह पहले जैसा नहीं रहेगा। उन्होंने कहा कि अगले 30 दिनों में ये कार्यक्रम फिर आयोजित किया जाएगा।

ट्रंप जल्द कर सकते हैं एफबीआई प्रमुख की छुट्टी

ट्रंप अमेरिकी नौसेना सचिव जॉन फेलन, अमेरिकी सेना प्रमुख जनरल रैंडी जॉर्ज और अटॉर्नी जनरल पाम बोंडी के बाद एफबीआई प्रमुख काश पटेल को हटा सकते हैं। काश पटेल अपने व्यवहार को लेकर विवादों में घिरे हुए हैं। उन पर अत्यधिक शराब सेवन और अमर्यादित आचरण के आरोप लग रहे हैं।

1

कार्यक्रम के दौरान पहले केक काटा गया

2

फायरिंग होते ही मेज के नीचे छिपे अतिथिगण

3

फायरिंग के आरोपी को दबोचा

4

राष्ट्रपति ट्रंप ने पत्रकारों को बताया घटनाक्रम

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

राष्ट्रपति पांच दिवसीय हिमाचल प्रदेश यात्रा पर

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु सोमवार से ग्रीष्मकालीन अवकाश के लिए पांच दिवसीय हिमाचल प्रदेश यात्रा पर रहेंगी। इस यात्रा के दौरान वे शिमला के मशोबरा स्थित राष्ट्रपति निवास में ठहरेंगी। राष्ट्रपति मंगलवार को शिमला के लोक भवन में हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल द्वारा आयोजित भोज में शामिल होंगी। बुधवार को राष्ट्रपति मुर्मू अटल सुरंग का दौरा करेंगी। गुरुवार को वे पालमपुर में चौधरी सरवन कुमार हिमाचल प्रदेश कृषि विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में भी शामिल होंगी। उसी दिन राष्ट्रपति मशोबरा स्थित राष्ट्रपति निवास में एक गृह स्वागत समारोह की मेजबानी करेंगी। अगले महीने की पहली तारीख को अपनी यात्रा के अंतिम दिन राष्ट्रपति शिमला में सेना प्रशिक्षण कमान का भी दौरा करेंगी।

बोंगांव रैली में पीएम मोदी ने सीएम ममता को सुनाई खरी-खरी, बंगाल की पहचान मिटा दी

टीएमसी की निर्ममता से मां रोई, माटी बिकी घुसपैठियों से राज्य के मानुष कर गए 'पलायन'

प्रधानमंत्री कोलकाता में चुनाव प्रचार के पहले बड़ो मां (बीनापाणी देवी) की पूजा की और उनके पैर छूकर आशीर्वाद भी लिया

एजेंसी ▶▶ बोंगांव

पश्चिम बंगाल के बोंगांव में विजय संकल्प सभा में रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने टीएमसी पर जमकर निशाना साधा। पीएम मोदी ने कहा कि टीएमसी की निर्ममता ने बंगाल की पहचान (मां, माटी और मानुष) को गहरा नुकसान पहुंचाया है। 15 साल पहले टीएमसी 'मां-माटी-मानुष' का नारा देकर सत्ता में आई थी, लेकिन आज उनके मुंह से ये शब्द तक नहीं निकलते। अगर वे इसका जिक्र करेंगे, तो उनके पाप सामने आ जाएंगे। टीएमसी की निर्ममता ने मां को रुला दिया, माटी को सिंडिकेट और घुसपैठियों ▶▶शेष पेज 5 पर

जनता ने पहले चरण में टीएमसी के अहंकार को तोड़ दिया

पीएम मोदी ने पहले चरण के मतदान का जिक्र करते हुए कहा कि जनता ने पहले चरण में टीएमसी के अहंकार को तोड़ दिया है और दूसरे चरण में भाजपा की बड़ी जीत तय होगी। महिलाओं की सुरक्षा को लेकर प्रधानमंत्री ने टीएमसी सरकार पर गंभीर आरोप लगाए। टीएमसी के महाजंगलराज की सबसे बड़ी पीड़ित हमारी बहनें और बेटियां हैं। संदेशखाली में बहनों के साथ अन्याय हुआ, लेकिन सरकार ने गुंडों का साथ दिया। बेटियां लापता हो रही हैं और सरकार सोई हुई है।

बड़ो मां के मंदिर में टेका माथा

प्रधानमंत्री और बड़ो मां (बीनापाणी देवी) की 2019 की मुलाकात ने बंगाल की राजनीति में एक नया मोड़ दिया था। उस समय पीएम मोदी ने उनके पैर छूकर आशीर्वाद लिया था जिसकी तस्वीर आज भी मतुआ वोटर्स के बीच काफी लोकप्रिय है।इस मुलाकात और उसके बाद सीएए के वादे ने मतुआ समुदाय को बड़े पैमाने पर भाजपा की ओर मोड़ दिया। 2019 के लोकसभा चुनाव में मतुआ बहुल उत्तर 24 परगना और नदिया जिलों की कई सीटों पर भाजपा ने ऐतिहासिक जीत दर्ज की।

आप हमें वोट दें, हम टीएमसी से आजादी दिलाएंगे

पीएम मोदी ने कहा कि बंगाल के पास सब कुछ है। बंगाल के लोगों के पास सामर्थ्य भरपूर है, इसलिए बंगाल फिर से देश का नंबर वन राज्य बन सकता है। हमें बस नेताजी सुभाष चंद्र बोस के आह्वान को याद रखना है। नेताजी ने कहा था, तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूंगा। नेताजी के इस आह्वान पर देशवासियों ने अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया। आज बंगाल को आपके एक वोट की जरूरत है। आप हमें अपना आशीर्वाद दीजिए, अपना वोट दीजिए, हम आपको टीएमसी से आजादी दिलाएंगे। आजादी, टीएमसी के महाजंगलराज से, आजादी, टीएमसी के भय से, आजादी, टीएमसी के भ्रष्टाचार से, आजादी, बेटियों पर अत्याचार से, आजादी, बेकारी और बेरोजगारी से, आजादी, लुटती भर्ती परीक्षाओं से, आजादी, घुसपैठियों के कब्जे से, आजादी, गुंडों और मस्तानों से।

पीएम आज से दो दिन सिक्किम दौरे पर

पीएम नरेंद्र मोदी 27-28 अप्रैल को सिक्किम के दो दिन के दौरे पर रहेंगे। वे आज दोपहर 3 बजे गंगटोक पहुंचेंगे। मंगलवार को पीएम गंगटोक के ऑर्किडेरियम जाएंगे, जहां राज्य की जैविक और पुष्पीय विरासत को प्रदर्शित करने के लिए विश्वस्तरीय ऑर्किड अनुभव केंद्र बनाया गया है। वे सिक्किम के पालजोर स्टेडियम में आयोजित होने वाले राज य के 50वें स्थापना वर्ष के समापन समारोह में भी शामिल होंगे। पीएम मोदी राज्य में चार हजार करोड़ रुपए से अधिक की कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन, शुभारंभ और शिलान्यास करेंगे। ये परियोजनाएं अवसंरचना, संपर्क, स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा, बिजली, शहरी विकास, पर्यावरण, पर्यटन और कृषि सहित विभिन्न क्षेत्रों से संबंधित हैं। पीएम नामची जिले के यांगंग में 100 बिस्तरों वाले आयुर्वेद अस्पताल और एनआईटी देवराली में 30 बिस्तरों वाले एकीकृत सोवा रिग्पा अस्पताल का शिलान्यास भी करेंगे। वे नामची और गंगटोक जिलों को जोड़ने वाले सिरवानी और लोअर समदोंग में तीस्ता नदी पर बने दो दोहरे लेन वाले स्टील पुलों की आधारशिला भी रखेंगे।

संदेशखाली का भी किया जिक्र

पीएम मोदी ने कहा कि टीएमसी के महाजंगलराज की सबसे बड़ी पीड़ित हमारी बहनें और बेटियां हैं। बहनों के साथ सबसे बड़ा धोखा हुआ है। संदेशखाली में बहनों के साथ गुंडे अन्याय करते रहे। टीएमसी की निर्मम सरकार गुंडों का साथ देती रही। यहां बहनों को ही गाली दी गई। बंगाल के भाइयों और बहनों, इसे कभी भी भूलना नहीं है। सभी शरणार्थी परिवारों को मिलेगी नागरिकता... ये मोदी की गारंटी। मैं मतुआ-नामशूद्र और अन्य सभी शरणार्थी से कहूंगा... आपको नागरिकता भी मिलेगी, आपको पक्का पता, हर कागज मिलेगा, हर हक मिलेगा।

इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर हड़कंप

टेकऑफ करते ही स्विस फ्लाइट के इंजन में आग 232 लोग थे सवार

एयरपोर्ट पर विमान

- *ज्यूरिख जा रही थी स्विस एयर की उड़ान संख्या एलएक्स147*
- *सभी यात्रियों और चालक दल को आपातकालीन दरवाजे से निकाला*

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

रविवार को दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उस वक्त हड़कंप मच गया जिस वक्त ज्यूरिख जाने वाली स्विस एयर के ईंजन में आग लग गई, इस फ्लाइट में 232 लोग सवार थे, इस घटना में 4 यात्री घायल भी हुए हैं। ज्यूरिख जा रही स्विस एयर की उड़ान संख्या एलएक्स147 ने इंजन में आग लगने के बाद रद्द कर दिया। एयरलाइन ने यात्रियों के लिए वैकल्पिक यात्रा की व्यवस्था की है। यह घटना शनिवार रात लगभग 1 बजे के ठीक बाद हुई। टेकऑफ के दौरान इंजन में खराबी आने के कारण विमान के बाईं ओर लैंडिंग गियर के पास से धुआं निकलता देखा गया। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए, फ्लाइट क्रू ने तुरंत टेकऑफ रोक दिया और रनवे पर आपातकालीन निकासी प्रक्रियाओं ▶▶शेष पेज 5 पर

दिल्ली एयरपोर्ट पर आपातकाल घोषित

दिल्ली इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (डायल) ने सूचित किया कि इस घटना के मद्देनजर रविवार तड़के पूर्ण आपातकाल घोषित कर दिया गया था। सभी निर्धारित सुरक्षा प्रोटोकॉल का तुरंत पालन किया गया और यात्रियों को सुरक्षित निकाल लिया गया, जबकि हवाई अड्डे का संचालन अप्रभावित रहा।

दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित होगा कार्यक्रम

आज भारत-न्यूजीलैंड के बीच फ्री ट्रेड एग्रीमेंट होगा

देश में आएंगे 20 अरब डॉलर निर्यातकों को मिलेगी बड़ी राहत

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

दुनिया के एक हिस्से में जहां अमेरिका और ईरान के बीच युद्ध जैसे हालात बने हुए हैं और ग्लोबल टेंशन चरम पर है, वहीं भारत ने अपनी अर्थव्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा 'मास्टरस्ट्रोक' खेल दिया है। भारत और न्यूजीलैंड के बीच लंबे समय से प्रतीक्षित फ्री ट्रेड एग्रीमेंट (एफटीए) पर सोमवार को आधिकारिक मुहर लगने जा रही है। इस समझौते से न केवल दोनों देशों

के बीच व्यापार दोगुना होगा, बल्कि भारतीय निर्यातकों के लिए भी यह बड़ी राहत लेकर आएगा, जो वर्तमान में मिडिल ईस्ट के तनाव के कारण परेशान हैं। दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम में ▶▶शेष पेज 2 पर

आम आदमी और कारोबारियों को क्या मिलेगा?

इस समझौते के तहत भारतीय कंपनियों को न्यूजीलैंड के बाजार में 'ड्यूटी-फ्री' यानी बिना किसी सीमा शुल्क के एंट्री मिलेगी। भारतीय पेशेवरों के लिए न्यूजीलैंड में अस्थायी वर्किंग वीजा पाना आसान होगा। भारत की दवाओं, मेडिकल उपकरणों और चमड़ा उत्पादों के एक्सपोर्ट को बड़ा बूस्ट मिलेगा। आगरा के चमड़ा निर्यातकों के लिए विदेशी बाजार के दरवाजे खुल जाएंगे।

भारत की तस्वीरों के जरिए दुनिया को भारत दिखाने वाला कलाकार चला गया

अलविदा रघु राय... भोपाल त्रासदी, सिख विरोधी दंगे.. कैमरे में कैद किया भारत का इतिहास

रघु जी की खींची गई 'हजारों तस्वीरें' आने वाली पीढ़ियों को भारत की 'दृश्य कहानियां' सुनाती रहेंगी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

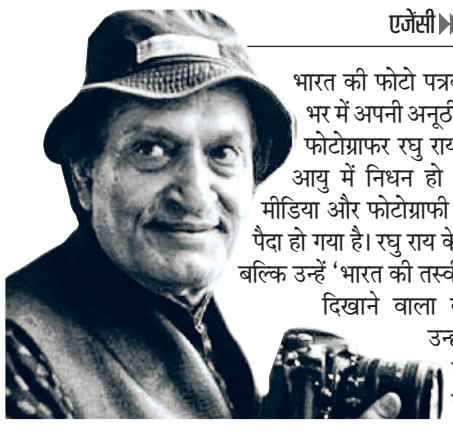

भारत की फोटो पत्रकारिता के पुरोधा और दुनिया भर में अपनी अनूठी दृष्टि के लिए विख्यात दिग्गज फोटोग्राफर रघु राय का रविवार को 83 वर्ष की आयु में निधन हो गया। उनके जाने से कला, मीडिया और फोटोग्राफी जगत में एक अपूरणीय शून्य पैदा हो गया है। रघु राय केवल एक फोटोग्राफर नहीं थे, बल्कि उन्हें 'भारत की तस्वीरों के जरिए दुनिया को भारत दिखाने वाला कलाकार' माना जाता था। उन्होंने दशकों तक अपने लेंस के माध्यम से देश के बदलते सामाजिक ▶▶शेष पेज 5 पर

- *वे पद्मश्री समेत कई राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय सम्मानों से नवाजे गए*

रघुजी द्वारा भोपाल गैस त्रासदी का खींचा गया सबसे हृदय विदारक फोटो

बंटवारे के दर्द से 'मैग्नम फोटोज' तक का सफर

18 दिसंबर 1942 को अविभाजित भारत के अंग (अब पाकिस्तान) में जन्मे रघु राय का परिवार विभाजन के बाद भारत आ गया। उन्होंने 23 साल की उम्र में अपने बड़े भाई एस. पॉल के मार्गदर्शन में कैमरा थामा। उनकी प्रतिभा इतनी प्रखर थी कि महान फ्रांसीसी फोटोग्राफर हेनरी कार्टियर-ब्रेसों ने 1977 में उन्हें दुनिया की प्रतिष्ठित एजेंसी मैग्नम फोटोज ▶▶शेष पेज 5 पर

स्वच्छ और स्वस्थ दिल्ली बनाने में सहयोग का आह्वान

दिल्ली में कहीं कचरा दिखे तो एमसीडी 311 ऐप पर करें शिकायत : महापौर

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

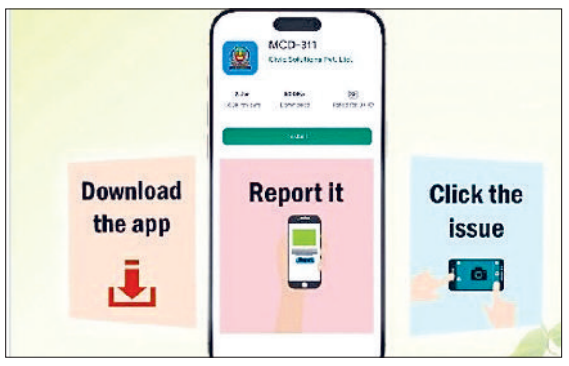

दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के महापौर सरदार राजा इकबाल सिंह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर नागरिकों से स्वच्छता अभियान में सक्रिय भागीदारी की अपील की है। उन्होंने कहा कि अगर कहीं भी कचरा दिखाई दे तो उसे नजरअंदाज न करें, बल्कि तुरंत एमसीडी 311 ऐप के माध्यम से उसकी शिकायत दर्ज कराएं। महापौर ने अपने संदेश में नागरिकों को जागरूक करते हुए बताया कि एमसीडी 311 ऐप का उपयोग बेहद सरल है। लोग अपने मोबाइल फोन से ऐप डाउनलोड कर सकते हैं, कचरे की तस्वीर खींचकर कुछ आसान चरणों में शिकायत दर्ज कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि नागरिकों का यह छोटा सा प्रयास दिल्ली को स्वच्छ और स्वस्थ बनाने में बड़ा योगदान दे सकता है।

महापौर ने कहा कि स्वच्छता केवल नगर निगम की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि यह हर नागरिक का कर्तव्य भी है। जब लोग अपने आसपास की सफाई के प्रति सजग रहेंगे और समस्याओं की जानकारी समय पर देंगे, तभी प्रशासन त्वरित कार्रवाई कर पाएगा। महापौर सिंह ने यह भी स्पष्ट किया कि एमसीडी 311 ऐप के माध्यम से प्राप्त शिकायतों पर संबंधित विभाग द्वारा प्राथमिकता के आधार पर कार्रवाई की जाती है।

महापौर ने कहा कि ऐप पर मिली शिकायत से न केवल कचरा प्रबंधन में सुधार होता है, बल्कि शहर की समग्र स्वच्छता व्यवस्था भी मजबूत होती है। उन्होंने कहा कि दिल्ली नगर निगम का यह प्रयास 'स्वच्छ दिल्ली, स्वस्थ दिल्ली' के लक्ष्य को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। महापौर ने अंत में सभी दिल्लीवासियों से अपील की कि वे जिम्मेदार नागरिक बनें और शहर को साफ-सुथरा रखने में सक्रिय भूमिका निभाएं।

दिल्ली के पार्कों में कार्यक्रमों के आयोजन की अवधि एक माह में 10 दिन से अधिक न हो : एनजीटी

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) ने कहा है कि राष्ट्रीय राजधानी के अधिकारियों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि उच्चतम न्यायालय के आदेश के अनुपालन में, निर्धारित पार्कों का उपयोग महीने में 10 दिनों से अधिक कार्यक्रमों के आयोजन के लिए न किया जाए। एनजीटी एक मामले की सुनवाई कर रहा था, जिसमें रोहिणी स्थित एक जिला पार्क में कथित तौर पर झूले लगाने और व्यावसायिक कुप्रबंधन के आरोप लगाए गए थे। अधिकरण ने इससे पहले दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति (डीपीसीसी) को स्थल निरीक्षण कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा था। हालिया आदेश में एनजीटी के अध्यक्ष न्यायमूर्ति प्रकाश श्रीवास्तव और विशेषज्ञ सदस्य अफरोज अहमद की पीठ ने कहा कि डीपीसीसी ने अपनी रिपोर्ट सौंप दी है, जिसके अनुसार पार्क खाली पाया गया और वहां किसी प्रकार की गतिविधि नहीं देखी गई। एनजीटी की पीठ ने रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा, ₹मैदान के एक हिस्से में ठोस कचरे का ढेर पड़ा था। साथ ही स्थानीय स्तर पर पूछताछ में पता चला कि यह जमीन दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) की है और समय-समय पर इसे मेले और त्योहारों के लिए दिया जाता है। एनजीटी ने दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) को ठोस कचरा हटाने के लिए उचित कार्रवाई करने का निर्देश दिया।

एनजीटी ने कहा कि उच्चतम न्यायालय ने एम.सी. मेहता बनाम भारत संघ एवं अन्य (2009) मामले में स्पष्ट किया है कि किसी निर्धारित पार्क को अन्य प्रयोजनों के लिए एक महीने में 10 दिनों से अधिक आवंटित नहीं किया जा सकता। संबंधित प्राधिकरणों को इस आदेश का कड़ाई से पालन करना होगा।

राहगीरों से झपटता था मोबाइल, पुलिस ने पकड़ा

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

■ कल्याणपुरी थाना पुलिस ने 35 सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाले

कल्याणपुरी थाना पुलिस ने एक शातिर झपटमार को गिरफ्तार किया है। झपटमार की पहचान फैजान के रूप में हुई है। इसके पास से झपटमारी के सात मोबाइल व वारदात में इस्तेमाल स्कूटी बरामद की है। जिला पुलिस उपायुक्त राजीव रावल ने बताया कि सूचना मिली थी कि स्कूटी सवार बदमाश ने एक युवक से मोबाइल झपटा है। पुलिस को मौके पर शिकायतकर्ता गगन मिला।

पीड़ति ने बताया कि वह मार्केट से सामान लेकर घर जा रहा था। रास्ते मे बदमाश ने मोबाइल झपट लिया। पुलिस ने केस दर्ज किया। पुलिस ने इलाके में लगे 35 सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाले। जांच के दौरान एक संदिग्ध की पहचान फैजान उर्फ अप्पे के रूप में हुई। पुलिस को मिली तकनीकी जानकारी और मुखबिर की सूचना के आधार पर उसे गिरफ्तार किया गया। इसके पास से झपटे गए सात लोगों के मोबाइल बरामद हुए।

नर्सरी व वृक्षों को लू से बचाने के लिए करें अवरोधकों का उपयोग : पूसा

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

■ बगीचों में हल्की सिंचाई नियमित अंतराल पर करें

आने वाले दिनों में लू (गर्म हवा) की संभावना को ध्यान में रखते हुए सब्जियों, सब्जियों की नर्सरी, जायद फसलों तथा फलों के बगीचों में हल्की सिंचाई नियमित अंतराल पर करें। नर्सरी व वृक्षों को लू से बचाने हेतू अवरोधकों के उपयोग की सलाह दी जाती है। भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, पूसा में कृषि भौतिकी संभाग की नोड़ल अधिकारी डॉ. अनन्ता वशिष्ठ ने किसानों और नर्सरी संचालकों को यह सलाह दी है।

इसके अलावा उन्होंने बताया कि अनाज को भंडारण में रखने से पहले भंडारघर की सफाई करें तथा अनाज को सुखा लें। दानों में नमी 12 प्रतिशत से ज्यादा नहीं होनी चाहिए। भंडारघर को अच्छे से साफ कर लें। छत या दीवारों पर यदि दरारें है तो इन्हें भरकर ठीक कर लें। बोरियों को 5 प्रतिशत नीम तेल के घोल से उपचारित करें। बोरियों को धूप में सुखाकर रखें। जिससे कीटों के अंडे तथा लार्वा तथा अन्य बीमारियाँ आदि नष्ट हो जावें। किसानो को सलाह है कि कटी हुई फसलों तथा अनाजों को सुरक्षित स्थान पर रखे। वहीं, डॉ. ए. के. सिंह (प्रधान वैज्ञानिक व इंचार्ज, केटेट), डॉ. गोगराज सिंह जाट (वरिष्ठ वैज्ञानिक, सब्जी विज्ञान संभाग), डॉ. बिष्णु माया (वरिष्ठ वैज्ञानिक, पादप रोग संभाग) ने सलाह दी है कि तापमान अधिक रहने की संभावना को देखते हुए, किसान तैयार सब्जियों की तुड़ाई सुबह या शाम को करें तथा इसके बाद इसे छायादार स्थान में रखें। इस मौसम में बेलवाली फसलों व सब्जियों में न्युनतम नमी बनाएं रखें अन्यथा मृदा में कम नमी होने से परागण पर असर हो सकता है जिससे फसल उत्पादन में कमी आ सकती है। इस मौसम में सब्जियों की फसल में हल्की सिंचाई कम अंतराल पर करें।

बुवाई के समय खेत में पर्याप्त नमी का होना जरूरी

पूसा संस्थान के कृषि वैज्ञानिकों का कहना है कि इस तापमान में मक्का चारे के लिए (प्रजाति- अफरीकन टाल) तथा लोबिया की बुवाई की जा सकती है। बेबी कार्न की एच एम-4 की भी बुवाई कर सकते हैं। बुवाई के समय खेत में पर्याप्त नमी का होना आवश्यक है। रबी फसल की कटाई के बाद खाली खेतो की गहरी जुताई कर जमीन को खुला छोड़ दे ताकि सूर्य की तेज धूप से गर्म होने के कारण इसमें छिपे कीडों के अण्डे तथा घास के बीज नष्ट हो जायेंगे।

हेड कांस्टेबल ने गुस्से में मारी मजदूर को गोली, तोड़ा दम

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

■ जाफरपुर कला इलाके की घटना, शोर-शराबे को लेकर हुई थी बहसबाजी

दिल्ली के द्वारका स्थित जाफरपुर कला इलाके में शनिवार देर रात एक सनसनीखेज फायरिंग की घटना सामने आई। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल में तैनात हेड कांस्टेबल नीरज ने कथित तौर पर पार्टी में हुए विवाद के बाद गोली चलाई, जिसमें एक मजदूर की मौत हो गई और दूसरे मजदूर को गंभीर चोटें आईं।

पुलिस सूत्रों के अनुसार, घटना शनिवार रात करीब दो बजे हुई। हेड कांस्टेबल नीरज का घर जाफरपुर कला की मेन रोड पर है। आसपास की कॉलोनी में कुछ मजदूर रहते हैं। मजदूर शराब पीकर पार्टी कर रहे थे और शोर-शराबे को लेकर बहसबाजी शुरू हो गई। इसी दौरान नीरज ने गुस्से में आकर दो लोगों पर फायरिंग कर दी।

गोली लगने से पांडव कुमार नामक मजदूर की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरे मजदूर रूपेश किशन गंभीर रूप से घायल हो गए. घायल को तुरंत राव तुलाराम अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसका इलाज जारी है। मृतक परिवार का मुख्य कमाने वाला सदस्य था। उसकी चाची गगन देवी ने बताया कि परिवार में एक छोटा बच्चा भी है जो अक्सर बीमार रहता है. इस घटना से पूरा घर उदास हो गया है। परिवार न्याय की मांग कर रहा है और आरोपी को सख्त सजा दिए जाने की अपील कर रहा है।

पीतमपुरा गांव में ग्रामीण नेताओं ने नवनियुक्त आईएएस और आईपीएस अधिकारियों को किया सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) और भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) में नवनियुक्त अधिकारियों की कड़ी मेहनत और प्रयासों को सम्मानित करने के लिए दिल्ली के पीतमपुरा गांव में एक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर पालम 360 खाप पंचायत के अध्यक्ष सुरेंद्र सोलंकी ने सभी अधिकारियों को बधाई दी और कहा कि जब ग्रामीण पृष्ठभूमि के युवा विभिन्न क्षेत्रों में आगे बढ़ते हैं और समाज का नाम रोशन करते हैं, तो यह गर्व की बात है। सभी नवनियुक्त अधिकारियों को सम्मानित करते हुए उन्होंने कहा कि शिक्षा के साथ-साथ अच्छे संस्कार भी जरूरी हैं। उन्होंने अधिकारियों को सलाह दी कि वे ग्रामीण क्षेत्रों के विकास के लिए काम करें और गरीब, मजदूर, किसान और कमेरे वर्ग का विशेष ध्यान रखें। ग्रामीणों ने आगे आकर नवनियुक्त अधिकारियों को शॉल और स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। समारोह में उपस्थित अधिकारियों में अभिषेक, दीपक गोदारा, आकाश गर्ग, गुरकांवल सिंह, शिवानी सिंह, निखिल और कई वरिष्ठ पुलिस अधिकारी शामिल रहे। इस अवसर पर गांव में मौजूद बच्चों को संदेश देते हुए सोलंकी ने कहा कि उन्हें बुजुर्गों से मिले अच्छे संस्कारों को आधुनिक शिक्षा के साथ-साथ अपनाना चाहिए। ऐसा करने से वे जीवन में हमेशा सफल रहेंगे। उन्होंने जोर देकर कहा कि समाज और राष्ट्र के कल्याण में योगदान देना जीवन की प्राथमिकताओं में से एक होना चाहिए, क्योंकि इससे जीवन को अर्थ और उद्देश्य मिलता है। ग्रामीण नेता ने कहा कि व्यक्ति चाहे जो भी क्षेत्र चुने, ईमानदारी और मानवता हमेशा सर्वोच्च प्राथमिकता पर होनी चाहिए। साथ ही, किसी पद पर रहते हुए समाज के सबसे वंचित वर्गों के कल्याण को कभी नजरअंदाज नहीं करना चाहिए।

दिल्ली में जलभराव रोकने को एमसीडी का अभियान तेज

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

■ विभिन्न जोनों में हुई नालों की सफाई

दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) ने राजधानी में जलभराव की समस्या से निपटने और स्वच्छता व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए विभिन्न जोनों में नालों की डी-सिल्टिंग (गाद सफाई) का अभियान तेज कर दिया है। एमसीडी से मिली जानकारी के अनुसार, निगम टीमों ने वेस्ट जोन के पंखा रोड नाले और शाहदरा नॉर्थ जोन में वजीराबाद रोड से अशोक नगर रेलवे फाटक (हनुमान पुलिया) तक एसएसबीएल ड्रेन में व्यापक सफाई कार्य किया। इस दौरान नालों से जमा गाद और कचरे को हटाने के साथ-साथ जल चैनलों को चौड़ा करने का कार्य भी किया गया, ताकि पानी का प्रवाह सुचारु हो सके। निगम अधिकारियों के अनुसार, इस पहल का उद्देश्य बारिश के दौरान जलभराव की समस्या को कम करना, प्रदूषण पर नियंत्रण पाना और शहर की समग्र स्वच्छता में सुधार करना है।

एमसीडी का कहना है कि ये सक्रिय और समयबद्ध प्रयास राजधानी के ड्रेनेज सिस्टम को मजबूत करने के साथ-साथ सार्वजनिक स्वास्थ्य और स्वच्छता मानकों को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। निगम ने यह भी आश्वासन दिया है कि आने वाले समय में भी ऐसे अभियान लगातार जारी रहेंगे, ताकि दिल्लीवासियों को जलभराव और गंदगी जैसी समस्याओं से राहत मिल सके।

क्राइम ब्रांच ने बीटेक पास बदमाश को अवैध हथियारों के साथ दबोचा

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

■ कपिल सांगवान गैंग में था शामिल, व्यापारी से मांग रहा था रंगदारी

■ कब्जे से दो पिस्टल, तीन कारतूस और अपराध में इस्तेमाल की जाने वाली स्कूटी बरामद

दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच की टीम ने कपिल सांगवान उर्फ नंदू गिरोह के कुख्यात बदमाश को अवैध हथियार के साथ गिरफ्तार किया है। इसकी पहचान द्वारका नार्थ के आदित्य मिश्रा के रूप में हुई है। आरोपी के कब्जे से दो पिस्टल, तीन कारतूस और अपराध में इस्तेमाल की जाने वाली स्कूटी बरामद हुई है।

उपायुक्त हर्ष इंदौरा के मुताबिक, राजधानी में हाल ही में संगठित अपराध, रंगदारी, हथियारों से लैस हमले और हथियारों के गैर-कानूनी इस्तेमाल की घटनाओं में बढ़ोतरी को देखते हुए क्राइम ब्रांच सक्रिय और कुख्यात अपराधियों की पहचान करने और उन्हें पकड़ने के लिए लगातार कार्रवाई कर रही है।

आरोपित आदित्य मिश्रा इम्फाल से बीटेक कर चुका है। वह कपिल सांगवान द्वारा व्यापारी से रंगदारी मांगे जाने पर पीड़ित व्यापारी को रंगदारी देने के लिए डरा रहा था। पुलिस इससे पूछताछ कर गिरोह में शामिल अन्य आरोपियों की तलाश में जुटी है। गुप्त जानकारी मिलने पर एसीपी भगवती प्रसाद की देखरेख में और इंस्पेक्टर कृष्ण कुमार के नेतृत्व में गठित टीम ने सात अप्रैल को यूईआर-II, पोचनपुर गांव, द्वारका के पास जाल बिछाया और आरोपित आदित्य को स्कूटी चलाते हुए देखा। उसने मौके से भागने की कोशिश की, लेकिन टीम ने पीछा कर उसे दबोच लिया।

पूछताछ में पता चला कि कपिल सांगवान उर्फ नंदू ने कापसहेड़ा के एक व्यापारी से रंगदारी मांगी थी। इस मामले में 11 मार्च को कापसहेड़ा थाने में केस दर्ज हुआ था। आदित्य पीड़ित और गैंग्सटर दोनों के सीधे संपर्क में पाया गया और वह पीड़ित पर गैंग्गस्टर के पक्ष में मामला निपटाने के लिए दबाव डाल रहा था।

जांच के दौरान मिश्रा ने बताया कि वह पढ़े-लिखे परिवार से है। उसके पिता चार्टर्ड अकाउंटेंट हैं। उसने अपनी स्कूल की पढ़ाई द्वारका से पूरी की और बाद में इम्फाल से बीटेक किया। 2021 में दिनेश उर्फ बंटी अहलावत के जरिए अशोक प्रधान गिरोह के शूटर रोहित लांबा से जुड़ गया और आपराधिक गतिविधियों में शामिल हो गया। 2024 में वह विकास गहलोत के संपर्क में आया, जिसने उसे गैंग्सटर कपिल सांगवान उर्फ नंदू से मिलवाया। इसके बाद, उसने नंदू गिरोह के लिए काम करना शुरू कर दिया और सिग्नल ऐप के जरिए संपर्क में रहा। गैंग्सटर कपिल सांगवान के निर्देशों पर काम कर रहा था और रंगदारी की गतिविधियों में शामिल था।

दिल्ली सरकार की यात्री सेवाओं संबंधी दावों की खुल रही पोल

स्टैंड पर दो तीन बसें खड़ी होते ही ओवरटेक कर भाग जाते हैं ड्राइवर

■ लापरवाही करने वाले स्टाफ पर लिया जाता है एक्शन : डीटीसी

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

देश की राजधानी दिल्ली में सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था पर एक बार फिर सवाल खड़े हो रहे हैं। शहर के कई बस स्टैंडों पर यह आम दृश्य बन गया है कि जैसे ही दो या तीन बसें कतार में एक साथ खड़ी हो जाती हैं, ड्राइवरों के बीच 'ओवरटेक' कर आगे निकलने की होड़ शुरू हो जाती है। इस अव्यवस्थित प्रतिस्पर्धा के चलते न केवल यात्रियों को असुविधा होती है, बल्कि उनकी सुरक्षा भी खतरे में पड़ जाती है। दैनिक बस यात्रियों के अनुसार, कई बार बस चालक स्टैंड से निकलते ही तेज़ गति पकड़ लेते हैं और एक-दूसरे को पीछे छोड़ने के लिए अचानक लेन बदलते हैं। इस दौरान बस में चढ़ते-उतरते यात्रियों को झटका लगता है, बुजुर्ग और महिलाएं विशेष रूप से परेशान होती हैं। सवाल यह उठता है कि क्या यह लापरवाही सिर्फ चालकों की है, या इसके पीछे सिस्टम की ढिलाई भी जिम्मेदार है? अब देखना यह होगा कि दिल्ली सरकार, परिवहन विभाग और डीटीसी के अधिकारी इस गंभीर मुद्दे को कितनी गंभीरता से लेते हैं। क्योंकि जब तक सख्त कदम नहीं उठाए जाते, तब तक यात्रियों को इसी तरह की परेशानी और जोखिम का सामना करना पड़ेगा। वहीं, इस संबंध में डीटीसी प्रशासन का कहना है कि शिकायत मिलने पर लापरवाही करने वाले स्टाफ पर नियमानुसार एक्शन लिया जाता है।

स्टैंड प्रबंधन सही ढंग से लागू किया जाए

दिल्ली सरकार और परिवहन विभाग द्वारा बेहतर बस सेवा के दावे किए जाते हैं, लेकिन जमीनी हकीकत कुछ और ही कहानी बयां कर रही है। यदि बसों के बीच समुचित समय अंतराल और स्टैंड प्रबंधन सही ढंग से लागू किया जाए, तो ऐसी अव्यवस्था से बचा जा सकता है।

मॉनिटरिंग, ड्राइवरों की जवाबदेही तय करना जरूरी

जागरूक यात्रियों का मानना है कि इस समस्या के समाधान के लिए जीपीएस आधारित मॉनिटरिंग, ड्राइवरों की जवाबदेही तय करना और सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई जरूरी है। साथ ही, बस स्टैंड पर तैनात अधिकारियों की सक्रियता भी बढ़ानी होगी ताकि नियमों का पालन सुनिश्चित हो सके।

पीएम मोदी के 'मन की बात' कार्यक्रम में होती हैं काफी ज्ञानवर्धन जानकारियां : पांडा

■ प्रदेश अध्यक्ष सहित भाजपा नेताओं ने सुना मन की बात कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

विकास के लिए पवन ऊर्जा और सौर ऊर्जा जरूरी : सचदेवा

दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा ने कहा कि हमेशा से ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'मन की बात' कार्यक्रम सीखने का एक माध्यम रहा है। इस बार भी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बताया कि कैसे भारत के विकास के लिए पवन ऊर्जा और सौर ऊर्जा जरुरी है और पिछले एक साल में 6 गीगावाट पवन ऊर्जा की क्षमता बढ़ी है। उन्होंने भगवान बुद्ध के जीवन संदेश को लेकर चर्चा करते हुए बताया कि कैसे उन्होंने हमें सिखाया कि शांति हमारे भीतर से शुरु होती है और स्वयं पर विजय सबसे बड़ी विजय होती है। इसलिए सीखने के लिए 'मन की बात' से बढ़िया प्लेटफॉर्म कोई नहीं है।

प्रधानमंत्री मोदी हर एपिसोड में ऐसी जानकारियां देते हैं जो हम सबके लिए काफी ज्ञानवर्धन होती है और उससे हम काफी कुछ सीखते हैं। भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बैजयंत जय पांडा ने रविवार को पीएम नरेंद्र मोदी के 'मन की बात' कार्यक्रम सुनने के बाद यह बात कही। उन्होंने कहा कि आज मन की बात सुनने के लिए यहां बहुत सारी मेरी माताएं बहने उपस्थित रही हैं, यह नारी शक्ति का बड़ा उदाहरण है। 'मन की बात' जैसा ऐतिहासिक कार्यक्रम इससे पहले कभी नहीं देखा गया है। रविवार को 133 एपिसोड होने के बाद भी हर महीने लोगों के मन में इसको सुनने के लिए काफी उत्सुकता रहती है। बता दें कि भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बैजयंत जय पांडा ने सांसद बाँसुरी स्वराज एवं एनडीएमसी उपाध्यक्ष कुलजीत सिंह चहल ने तिलक मार्ग में अटल आदर्श स्कूल में दिल्ली की लगभग 400 प्रतिष्ठित महिलाओं साथ प्रधानमंत्री का 'मन की बात' कार्यक्रम को सुना। वहीं, प्रदेश भाजपा कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कार्यक्रम को रविवार को दिल्ली भाजपा कार्यकर्ताओं ने सभी 254 मंडलों में 4562 स्थानों पर स्थानीय प्रतिष्ठित नागरिकों के साथ सुना। सचदेवा ने पूर्व केन्द्रीय मंत्री डॉ. हर्षवर्धन, विधायक डॉ. अनिल गोयल एवं शाहदरा जिलाध्यक्ष दीपक गाबा के साथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम को सुना। भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री दुष्यंत गौतम ने पूर्वी दिल्ली के गांधी नगर की राजगढ़ समिति 90 के कार्यकर्ताओं के साथ मन की बात कार्यक्रम को सुना। वहीं, बंगाल में चुनाव प्रचार से लौट रहे सांसद मनोज तिवारी ने वरिष्ठ सहयोगियों एवं एयरपोर्ट कर्मियों के साथ दिल्ली हवाई अड्डे की लौंज में प्रधानमंत्री के 'मन की बात' कार्यक्रम को सुना। सांसद कमलजीत सहरावत ने स्थानीय नागरिकों के साथ द्वारका के अम्बरहाई गांव में, सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी ने निगम पार्षद राजपाल सिंह एवं स्थानीय नागरिकों के साथ श्रीनिवासपुरी वार्ड में, सांसद प्रवीन खंडेलवाल ने दिल्ली जयपुर हाईवे पर, दिल्ली भाजपा के महामंत्री विष्णु मित्तल ने "वैशयकुल" की बैठक में गणमान्य जनों के साथ और लोक लेखा समिति अध्यक्ष विधायक अजय महावर ने घोंडा में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का मन की बात कार्यक्रम सुना।

वैज्ञानिक डेटा और 'थर्मल हॉटस्पॉट' पर विशेष नजर

दिल्ली सरकार ने हीट वेव एक्शन प्लान को बनाया और प्रभावी : रेखा गुप्ता

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

खास बातें

- मुख्यमंत्री ने दिए वैज्ञानिक रणनीति लागू करने के निर्देश
- आपूर्ति में कटौती बर्दाश्त नहीं की जाएगी

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने राजधानी में बढ़ते तापमान और लू की गंभीर स्थिति को देखते हुए 'हीट वेव एक्शन प्लान 2026' की विस्तृत समीक्षा कर उसे और प्रभावी बनाने के निर्देश जारी किए हैं। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया है कि इस वर्ष सरकार ने अपनी रणनीति को पिछले वर्षों की तुलना में और अधिक वैज्ञानिक और प्रभावी बनाया है और स्कूली बच्चों, निर्माण स्थलों पर कार्य कर रहे श्रमिकों का तो विशेष ध्यान रखा ही गया है, साथ ही पक्षियों व पशुओं तक पानी की उपलब्धता पहुंचाने के लिए विभागों को विशेष निर्देश जारी किए गए हैं। हीट वेव पीड़ितों के लिए विशेष टीमें भी तैनात की जा रही हैं। वहीं, इसे देखते हुए मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बिजली आपूर्ति को लेकर सरकार की दृढ़ प्रतिबद्धता दोहराते हुए कहा कि राजधानी में इस वर्ष गर्मी के दौरान बिजली की मांग एक नया रिकॉर्ड बना सकती है। अनुमान है कि इस सीजन में दिल्ली की पीक पावर डिमांड 9,000 मेगावाट के स्तर को पार कर जाएगी, जो पिछले वर्ष की अधिकतम मांग 8,442 मेगावाट से काफी अधिक है। इस भारी मांग को देखते हुए हमने बिजली कंपनियों को सख्त निर्देश दिए हैं कि आपूर्ति में कटौती बर्दाश्त नहीं की जाएगी। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने दिल्ली के 'थर्मल हॉटस्पॉट' और 'हीट आइलैंड' क्षेत्रों की संवेदनशीलता पर विशेष जोर देते हुए कहा कि दिल्ली में पिछले 2-3 वर्षों से लगातार 40 दिनों तक तापमान 40 डिग्री से ऊपर रहने का गंभीर ट्रेंड देखा जा रहा है। इस बार सरकार ने दिल्ली के चप्पे-चप्पे का वैज्ञानिक विश्लेषण किया है। सैटेलाइट डेटा के आधार पर उन क्षेत्रों को चिन्हित किया है जहां तापमान रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच रहा है। इसमें दक्षिण दिल्ली का आयानगर अत्यंत संवेदनशील है, जहां पूर्व में 45.5 डिग्री तापमान दर्ज किया जा चुका है।

इन इलाकों में किया गया तापमान रिकॉर्ड

इसी तरह पश्चिम दिल्ली के नजफगढ़ में 43.7 डिग्री (2025 का उच्चतम) और सफदरजंग में 46.8 डिग्री (2023 का उच्चतम) तापमान रिकॉर्ड किया गया। इसके अलावा वजीरपुर, जहांगीरपुरी, ख्याला, शास्त्री पार्क, विश्वास नगर, हरकेश नगर, हरि नगर और दिल्ली गेट जैसे इलाके प्रमुख थर्मल हॉटस्पॉट के रूप में उभरे हैं। साथ ही, बाहरी दिल्ली की सीमाओं से सटे और घनी आबादी वाले इलाके जैसे सावदा, मुबारकपुर डबास, मलस्वा, नंद नगरी, गोकुलपुरी, और बक्करवाला में भी 'हीट आइलैंड' का गहरा प्रभाव देखा गया है। इन विशिष्ट क्षेत्रों के लिए सरकार ने विशेष सुरक्षा चक्र तैयार किया है। इन जगहों के स्वास्थ्य केंद्रों में अधिक ओआरएस पैकेट्स, क्विक रेस्पॉन्स टीमों (क्यूआरटी) की तैनाती, पानी के अधिक टैंकरों की व्यवस्था आदि शामिल है।

पशु-पक्षियों और बेजुबानों के लिए विशेष निर्देश

मुख्यमंत्री ने संवेदनशीलता दिखाते हुए सभी विभागों, विशेषकर दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए), शिक्षा विभाग और दिल्ली जल बोर्ड को निर्देश दिए हैं कि केवल मनुष्यों के लिए ही नहीं, बल्कि बेजुबान पशु- पक्षियों के लिए भी पानी और छाया की उचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। सभी प्रमुख पार्कों, बस डिपो और स्कूल परिसरों में पक्षियों के लिए पानी के बर्तन और आवारा पशुओं के लिए विशेष जल संरचनाएं बनाई जा रही हैं।

स्कूली बच्चों और श्रमिकों के लिए सुरक्षा कवच

मुख्यमंत्री का कहना है कि स्कूली बच्चों को गर्मी और लू से बचाने के लिए अगर जरूरत हुई तो उन्हें छुट्टी से पहले स्कूल से ओआरएस का घोल पिलाकर ही घरों के लिए रवाना किया जाएगा ताकि रास्ते में डिहाइड्रेशन का खतरा न रहे। बहुत अधिक हीट वेव की अवस्था में निर्माण स्थलों पर काम करने वाले मजदूरों के लिए दोपहर 12:00 से 03:00 बजे के बीच बाहरी कार्यों पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया जाएगा। इसके अलावा कार्यस्थलों पर मजदूरों को केवल पानी ही नहीं, बल्कि धूप से बचाव के लिए कैप (टोपी) और गमछे भी उपलब्ध कराए जाएंगे। आवश्यकता पड़ने पर श्रमिकों के लिए कार्यस्थल पर ही प्राथमिक चिकित्सा किट और आइस पैक्स की उपलब्धता सुनिश्चित की जाएगी।

'कूल रूफ' और हाई प्रेशर मिस्टिंग सिस्टम

मुख्यमंत्री ने बताया कि दिल्ली अब 'कूल रूफ पॉलिसी 2026' की ओर बढ़ रही है। कश्मीरी गेट अंतरराज्यीय बस अड्डा की छतों पर लगभग 28,674 वर्ग फुट में रिफ्लेक्टिव कोटिंग का काम पूरा कर लिया गया है, जिससे भवन के अंदर का तापमान कम रहेगा। इसके अलावा, बस स्टॉप को ठंडा रखने के लिए 'हाई प्रेशर मिस्टिंग सिस्टम' और कंक्रीट के जंगलों को ठंडा करने के लिए 'एंटी-स्मॉग गन्स' का भी प्रयोग किया जाएगा।

आपातकालीन तैयारी और हेल्पलाइन

मुख्यमंत्री के अनुसार स्वास्थ्य विभाग ने सभी 13 जिलों में 339 से अधिक स्वास्थ्य केंद्रों को अलर्ट पर रखा है और 30 से अधिक अस्पतालों में विशेष '5-बिस्तर वाले कूल रूम' तैयार किए हैं। किसी भी आपात स्थिति में नागरिक दिल्ली सरकार की 24×7 हेल्पलाइन 1077, 1070 या 112 पर संपर्क कर सकते हैं। इसके अलावा 39 क्विक रेस्पॉन्स टीमें व प्रशिक्षित आशा वर्कर्स को भी एलर्ट मोड में रखा गया है। कई स्थलों पर पीने का ठंडा पानी व ओआरएस घोल की व्यवस्था की जाएगी, विशेषकर व्यस्त बस स्टॉपों व बस टर्मिनल पर पानी की रेहड़ी आदि खड़ी करने का निर्णय लिया गया है।

बिजली कंपनियों को पूरी तैयारी रखने के दिए निर्देश

मुख्यमंत्री के अनुसार अस्पतालों, जल उपचार संयंत्रों (डब्ल्यूटीपी) और मोबाइल टावरों जैसे महत्वपूर्ण स्थानों पर 24×7 निर्बाध बिजली सुनिश्चित करने के लिए विशेष प्राथमिकता प्रोटोकॉल लागू किया गया है। बिजली कंपनियों को यह भी निर्देशित किया गया है कि वे ट्रांसफार्मर और तकनीकी खराबी को दूर करने के लिए अतिरिक्त क्विक रिस्पांस टीमें और मोबाइल ट्रांसफार्मर तैनात रखें ताकि किसी भी आपात स्थिति में आपूर्ति को तत्काल बहाल किया जा सके।

हीट वेव एक्शन प्लान को लेकर सरकार कुंभकर्णी नींद से जागी: यादव

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने आरोप लगाए है कि राजधानी में हीट वेव एक्शन प्लान को लेकर दिल्ली सरकार अब जाकर कुंभकर्णी नींद से जागी है, जब जगह जगह आग लग रही है। कांग्रेस द्वारा समय रहते चेतावनी के बावजूद नींद में सोई दिल्ली सरकार अब आनन फानन प्लान को ज़्यादा असरदार बनाने के लिए सख्त कर रही है। यादव ने लक्ष्मी नगर रमेश पार्क में ओवरहेड तारों की वजह से हुए अग्निकांड के पीड़ितों के लिए पर्याप्त आर्थिक मुआवजे की पुरजोर मांग की है। उन्होंने कहा कि लक्ष्मी नगर में ओवरहेड तारों के कारण ट्रांसफार्मर में धमाका हुआ। लक्ष्मी नगर के रमेश पार्क में लापरवाही से लटके ओवरहेड तारों के कारण एक ट्रांसफार्मर में धमाका हो गया था। जिससे एक बहुमंजिला इमारत के 14 फ्लैट जलकर खाक हो गए; इसके लिए भाजपा सरकार पूरी तरह से जिम्मेदार है। यादव ने कहा कि झुलसा देने वाली गर्मी के दौरान बिजली की मांग में कोई कटौती नहीं होनी चाहिए, यह भाजपा सरकार को सुनिश्चित करना होगा। उन्होंने कहा कि पूरी राजधानी में सिर के ऊपर झूलते बिजली, केबल और इंटरनेट के तार, पिछले कई सालों से लोगों की जान और माल के लिए खतरा बने हुए हैं। इसकी वजह आम आदमी पार्टी और अब बीजेपी की सरकार की घोर लापरवाही और निष्क्रियता जिम्मेदार है। यादव ने कहा कि दिल्ली की तमाम कॉलोनियों में रहने वाले लोग लगातार यह शिकायत कर रहे हैं कि लटकते हुए तार वाहन चालकों, पैदल चलने वालों, फ्लैटों में रहने वाले निवासियों और यहाँ तक कि हाउसिंग सोसायटियों के लिए भी जान का खतरा बने हुए हैं। इंटरनेट सेवा प्रदाताओं, केबल ऑपरेटरों और यहाँ तक कि बिजली वितरण कंपनियों द्वारा छोड़े गए अधिकांश तार जिनमें चालू तार भी शामिल हैं, जो खुले में खतरनाक ढंग से लटकते रहते हैं।

तिलक मार्ग स्थित पार्क को 'नारी शक्ति वंदन' के नाम से किया जाएगा विकसित : चहल

नई दिल्ली। तिलक मार्ग स्थित पार्क को 'नारी शक्ति वंदन' के नाम से विकसित किया जाएगा। नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) के उपाध्यक्ष कुलजीत सिंह चहल ने प्रत्येक रविवार संचालित 'एक पेड़ माँ के नाम ऑन संडे' अभियान के अंतर्गत 21वें रविवार को 'नारी शक्ति वंदन' थीम पर एक भव्य एवं विशेष वृक्षारोपण कार्यक्रम के दौरान यह बात कही। उन्होंने बताया कि इसमौके पर भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं पाँच बार के सांसद बैजयंत 'जय' पांडा तथा नई दिल्ली की सांसद बांसुरी स्वराज की गरिमामयी उपस्थिति रही। चहल ने बताया कि "नारी शक्ति वंदन अधिनियम" महिलाओं के सशक्तिकरण की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है, जो समाज और शासन में उनकी भागीदारी को सुदृढ़ करता है। इसी भावना को आगे बढ़ाते हुए इस अभियान को 'नारी शक्ति वंदन' से जोड़ा गया है, जिससे महिलाओं की भागीदारी और नेतृत्व को और अधिक प्रोत्साहन मिल सके। उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम में आज 500 से अधिक प्रोफेशनल महिलाओं ने सक्रिय रूप से भाग लिया, जिससे यह आयोजन अत्यंत प्रेरणादायक एवं प्रभावशाली बन गया। उन्होंने कहा कि सभी ने मिलकर यह सिद्ध कर दिया कि जब नारी शक्ति संकल्प लेती है, तो बदलाव अवश्य आता है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री के मन की बात कार्यक्रम को सभी के साथ देखा और सुना गया और यह एक प्रेरणादायक शुरुआत है। इस कार्यक्रम में परिषद के शिक्षा विभाग की निदेशक कृतिका चौधरी, जनसंपर्क विभाग के निदेशक राधा कृष्ण, उद्यान विभाग के निदेशक जितेंद्र डबास, परिषद के मुख्य सुरक्षा अधिकारी राजीव ढाका तथा स्वास्थ्य, सिविल एवं विद्युत विभाग के अन्य अधिकारियों एवं कर्मियों ने बड़ी संख्या में भाग लिया और इस पहल को सफल बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

दिल्ली मेट्रो इंटरनेशनल लिमिटेड के पहले सीईओ नियुक्त हुए संजय जमुआर

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (डीएमआरसी) ने दिल्ली मेट्रो इंटरनेशनल लिमिटेड (डीएमआईएल) के पहले मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) के रूप में संजय जमुआर की नियुक्ती की है। जानकारी अनुसार इस कंपनी को डीएमआरसी ने सरकार के सहयोग से स्थापित किया है। जिससे की दिल्ली, दिल्ली के बाहर और विदेशों में मेट्रो परियोजनाओं के साथ-साथ संचालन और रखरखाव (ओएंडएम) के कार्यों को पूरा किया जा सके। डीएमआरसी के अनुसार डीएमआईएल को अन्य प्राधिकरणों और ऋणदाताओं को सलाहकार सेवाएं प्रदान करने का दायित्व सौंपा गया है। ताकि वह मेट्रो और पारगमन प्रणालियों के विकास, सुधार और उनके लिए दीर्घकालिक योजनाएं तैयार करने में सहायता प्राप्त कर सकें। डीएमआईएल, डीएमआरसी के अनुभव और विशेषज्ञता का लाभ उठाएगी, जिसने प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से भारत के कई शहरों को अपनी स्वयं की मेट्रो प्रणालियां बनाने में मदद की है। डीएमआरसी का कहना है कि जमुआर एक पूर्व आईआरटीएस अधिकारी हैं, जिन्हें भारतीय रेलवे, डीएमआरसी के और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर यूके, यूएसए, फ्रांस, मध्य पूर्व और यूरोप में कार्य करने का व्यापक अनुभव प्राप्त है। उन्होंने यूके के वारविक बिजनेस स्कूल से स्ट्रेटेजिक लीडरशिप में पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा किया है, और लीड्स विश्वविद्यालय में परिवहन अर्थशास्त्र पर शोध कार्य भी किया है। संयोगवश, जब उन्होंने 1998 में डीएमआरसी में कार्यभार संभाला था, तब वे ओएंडएम विभाग के पहले कर्मचारी थे। इसलिए डीएमआरसी में उनकी यह वापसी उनके लिए घर वापसी के समान है। डीएमआरसी पहले से ही बांग्लादेश में चल रही ढाका मेट्रो परियोजना में एक सलाहकार के रूप में जुड़ी हुई है। यह चेन्नई, मुंबई और पटना मेट्रो परियोजनाओं के लिए महत्वपूर्ण ओएम अनुबंधों का प्रबंधन भी कर रही है, और इसने भारत की लगभग सभी प्रमुख मेट्रो परियोजनाओं में सलाहकार की भूमिका निभाई है। डीएमआरसी ने मुंबई, जयपुर और पटना में मेट्रो परियोजनाओं के लिए निर्माण कार्य भी संपन्न किए हैं। इसलिए, अब यह अपेक्षा की जाती है कि डीएमआईएल, डीएमआरसी की वैश्विक उपस्थिति का और अधिक विस्तार करेगी।

अगले कुछ ही महीनों में दिल्ली की कायाकल्प हो जाएगी : बिधूड़ी

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली में विकास के कार्यों पर ज्यादा जोर दिया जा रहा है और एक भी ऐसा विधानसभा क्षेत्र नहीं है जिसके लिए 150 करोड़ रुपए से कम की व्यवस्था की गई हो। इसलिए सभी क्षेत्रों में तेजी से विकास कार्य किए जा रहे हैं। अगले कुछ ही महीनों में दिल्ली की कायाकल्प हो जाएगी। दक्षिण दिल्ली से भाजपा सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी ने रविवार को दक्षिणपुरी पुनर्वास कॉलोनी में 1 करोड़ 75 लाख रुपए से अधिक राशि के विकास कार्यों का शुभारंभ करने के दौरान यह बात कही। उन्होंने कहा कि दिल्ली की भाजपा सरकार ने पुनर्वास कॉलोनियों में लंबे समय से रुके विकास कार्यों की शुरुआत कर दी है। ये कार्य मुख्यमंत्री विकास निधि से कराए जा रहे हैं। बिधूड़ी ने तथा क्षेत्र की जनता ने इसके लिए मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के प्रति आभार भी जताया है। उन्होंने दक्षिणपुरी में ब्लॉक 1 से 7 तथा 11 और 19 में ड्रेनेज व्यवस्था में सुधार और गलियों के निर्माण कार्य का शिलान्यास किया।

सांसद बिधूड़ी ने कहा कि इस साल मॉनसून से पहले ही सारी तैयारियां की जा रही हैं ताकि बारिश होने पर लोगों को जलभराव जैसी समस्या का सामना न करना पड़े। इसके अलावा गलियों की हालत बहुत खराब है क्योंकि पुनर्वास कॉलोनियों में लंबे समय से विकास कार्य नहीं किए गए। इस अवसर पर दक्षिण जिला भाजपा की अध्यक्ष माया बिष्ट, निगम पार्षद अनिता सिंघल और दक्षिणपुरी नगर निगम चुनाव में भाजपा प्रत्याशी रोहिनी राज भी उपस्थित थीं।

बिधूड़ी ने कहा कि दिल्ली में भाजपा सरकार के सत्ता में आने के बाद गरीबों और वंचित वर्ग के लोगों को सबसे ज्यादा लाभ पहुंचा है। राजधानी में अटल कैंटीन से लोगों को केवल पांच रुपए में भरपेट भोजन उपलब्ध कराया जा रहा है। आयुष्मान आरोग्य मंदिरों से मुफ्त की सुविधा है तथा ओल्ड एज पेंशन फिर से आरंभ कर दी गई है। होली-दीवाली पर मुफ्त रसोई गैस सिलेंडर का वादा भी पूरा कर दिया गया है। इसके अलावा महिलाओं के खाते में जल्दी ही 2500 रुपए मासिक आना शुरू हो जाएंगे क्योंकि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने इसके लिए बजट में पर्याप्त राशि की व्यवस्था पहले ही कर दी है।

दिल्ली विधानसभा का एक दिवसीय विशेष सत्र कल

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली विधानसभा का एक दिवसीय विशेष सत्र कल, मंगलवार, 28 अप्रैल 2026 को प्रातः 11 बजे पुराना सचिवालय में आरंभ होगा। यह जानकारी दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने रविवार को दी। इस संबंध में उपराज्यपाल की स्वीकृति प्राप्त होने के बाद, आठवीं विधानसभा के पांचवें सत्र को प्रारंभ करने के लिए अधिसूचना जारी कर दी गई है। दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने यह भी अवगत कराया कि उपराज्यपाल ने आठवीं विधानसभा के चतुर्थ सत्र का तत्काल प्रभाव से सत्रावसान कर दिया है। इस औपचारिक आदेश के साथ ही पूर्व में चल रहे विस्तारित सत्रों का समापन हो गया है, जिससे नए सत्र के लिए सुव्यवस्थित रूप से मार्ग प्रशस्त हुआ है। एक दिवसीय विशेष सत्र के लिए दिल्ली विधानसभा सचिवालय द्वारा सभी आवश्यक व्यवस्थाएं पूरी कर ली गई हैं। हाल ही में प्राप्त बम धमकी की घटनाओं को ध्यान में रखते हुए, विधानसभा परिसर में सुरक्षा व्यवस्थाओं को और सुदृढ़ किया गया है। सदस्यों एवं कर्मियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए दिल्ली विधानसभा परिसर में कड़े सुरक्षा प्रबंध किए गए है।

मशहूर फोटोग्राफर रघु राय के निधन पर उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू ने किया दुख प्रकट

नई दिल्ली। मशहूर फोटोग्राफर रघु राय के निधन पर उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू ने दुख प्रकट किया है। एलजी संधू ने अपने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा कि मशहूर फोटोग्राफर रघु राय के निधन से फ़ोटोग्राफ़ी की दुनिया ने एक महान हस्ती को खो दिया है। उन्होंने लिखा कि कैमरे के पीछे एक उस्ताद के तौर पर, उनके काम में तकनीकी कुशलता और गहरी मानवीय संवेदना का अद्भुत मेल देखने को मिलता था। उन्होंने भारत की आत्मा को एक दुर्लभ गहराई और संवेदनशीलता के साथ अपने चित्रों में उतारा। एलजी संधू ने लिखा कि उनकी यादगार तस्वीरें आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करती रहेंगी और फ़ोटोग्राफ़ी के माध्यम से कहानी कहने की कला का एक बेहतरीन उदाहरण बनी रहेंगी। संधू ने लिखा कि उनकी पत्नी गुरमीत संघा राय, उनके परिवार और पूरे फ़ोटोग्राफ़ी जगत के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएँ। ॐ शांति।

गांव मुबारकपुर डबास में ठप पड़ी सफाई व्यवस्था

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के अंतर्गत आने वाले रोहिणी जोन के वार्ड संख्या 39 स्थित गांव मुबारकपुर डबास में पिछले कई महीनों से सफाई व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। स्थानीय निवासी विजेंद्र सिंह डबास ने बताया कि इलाके में ऑटो टिपर (कूड़ा उठाने वाली गाड़ी) लंबे समय से नहीं आ रही है, जिससे लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि क्षेत्र में नियुक्त सफाई कर्मचारी भी अपनी जिम्मेदारी ठीक से नहीं निभा रहे हैं। नालियों से निकाला गया कचरा कई-कई दिनों तक वहीं पड़ा रहता है, जिससे गंदगी और दुर्गंध फैल रही है। कूड़ा गाड़ी न आने के कारण कुछ लोग कचरा नालियों और आसपास के खुले स्थानों में फेंकने को मजबूर हो रहे हैं, जिससे स्थिति और खराब हो गई है। स्थानीय निवासियों के अनुसार, इस गंभीर समस्या की शिकायत रोहिणी जोन की उपायुक्त, दिल्ली नगर निगम आयुक्त, मुख्यमंत्री दिल्ली सरकार और उपराज्यपाल तक की जा चुकी है, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। इससे लोगों में नाराजगी बढ़ती जा रही है। विजेंद्र सिंह डबास ने उपराज्यपाल से अपील की है कि इस मामले में कड़ी कार्रवाई करते हुए सफाई व्यवस्था को तत्काल सुधारने के निर्देश दिए जाएं, ताकि क्षेत्र के निवासियों को राहत मिल सके।

दिल्ली में बरस रही है आग, रिज में 44 डिग्री पार पहुंचा पारा, सबसे ज्यादा गर्म रही रविवार की सुबह

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली में इन दिनों मानो आग बरस रही हो। भारतीय मौसम विभाग दिल्ली (आईएमडी) के अनुसार गर्मी की हालात यह है कि रिज एरिया में अधिकतम पारा 44 डिग्री सेल्सियस के आंकड़ों पार कर गया है। जबकि वीकेंड यानी रविवार की सुबह न्यूनतम तापमान 26.2 डिग्री सेल्सियस के साथ गर्मियों के इस सीजन में अब तक की सबसे गर्म सुबह के रूप में दर्ज हुई। वहीं दिल्ली का औसत अधिकतम तापमान 42.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ जो सामान्य से 5.1 डिग्री सेल्सियस ज्यादा है। आंकड़ों के अनुसार इस सीजन की सबसे गर्म सुबह के रूप में न्यूनतम तापमान 26.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ जो सामान्य से 2.4 डिग्री सेल्सियस ज्यादा है। आईएमडी के अनुसार सफदरजंग में 42.8 डिग्री सेल्सियस, पालम में 42.5 डिग्री, लोधी रोड 42.6 डिग्री, आया नगर 43.2 डिग्री, राजघाट 40.8 डिग्री, पूसा 41.1 डिग्री, नजफगढ़ 40.9 डिग्री, मुंगेशपुर 43.4 डिग्री और मयूर विहार में 40.2 डिग्री सेल्सियस अधिकतम तापमान दर्ज हुआ। आईएमडी ने ताजा अनुमान व्यक्त करते हुए बताया कि सोमवार को भी दिल्ली वालों को ऐसे ही आग उगलते मौसम की मार सहनी पड़ सकती है। आसमान में आंशिक रूप से बादल छा रह सकते है। कहीं कहीं पर हीट वेव लोगों के लिए परेशानी खड़ी करेगी। लेकिन दोपहर बाद आसमान पर बादलों के आने व मेघ गर्जना के साथ कहीं कहीं हल्की बारिश होने से इंकार नहीं किया जा सकता। इस दौरान 40-50 किमी प्रति घंटे की तेज गति से हवाएं चलने की प्रबल संभावना बन रही है। आईएमडी का अनुमान है कि जबकि अगले दिन यानी मंगलवार से मौसम के तेवरों में कुछ नर्मी आने लगेगी जो अगले दो दिन बने रहने से अधिकतम पारे में तीन से पांच डिग्री तक की गिरावट राहत हो सकती है। यह सिस्टम प्री मानसून बारिश से प्रेरित कहा जा सकता है।

पश्चिमी विक्षोभ दिल्ली के लिए ला सकता है राहत

पश्चिमी विक्षोभ इस समय दिल्ली में भीषण गर्मी व लू में कुछ कमी लाने में मदद कर सकता है। बता दें कि पश्चिमी विक्षोभ एक महत्वपूर्ण मौसमी प्रणाली है, जो मुख्य रूप से भूमध्य सागर के आसपास के क्षेत्र में बनती है और पश्चिम से पूर्व की ओर बढ़ते हुए पाकिस्तान के रास्ते भारत के उत्तर-पश्चिमी हिस्सों तक पहुंचती है। यह प्रणाली ऊपरी वायुमंडल में नमी और ठंडी हवाएं लेकर आती है, जिससे उत्तर भारत में बारिश और सर्दियों में बर्फबारी तथा आंधी-तूफान जैसी गतिविधियां होती हैं। गर्मियों के दौरान यह सिस्टम हीटवेव को कम करने में अहम भूमिका निभाता है, क्योंकि इससे तापमान में अस्थायी गिरावट आती है।

खबर संक्षेप

केंद्रीय मंत्री ने किया पुस्तक का विमोचन

गुरुग्राम। केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), व प्रधानमंत्री कार्यालय, कार्मिक, लोक शिकायत, पेंशन, परमाणु ऊर्जा एवं अंतरिक्ष राज्य मंत्री डॉ जितेन्द्र सिंह ने डॉ अनूप मिश्रा, चेयरमैन, फोर्टिस-सी-डॉक सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर डायबिटीज, मेटाबोलिक डिजीजेस एंड एंडोक्राइनोलॉजी द्वारा लिखित पुस्तक स्मार्ट कैलोरीज एंड कॉमन सेंसः एन एविडेंस-बेस्ड गाइड टू इंडियन डायट्स का विमोचन किया। डॉ जितेन्द्र सिंह ने कहा कि विज्ञान अभी आदर्श आहार को लेकर किसी निश्चित निष्कर्ष पर नहीं पहुंचा है। आहार संबंधी विकल्पों को मेटाबोलिजम तथा लाइफस्टाइल के अनुसार व्यक्तिगत रूप से तय किया जाना चाहिए।

ठगी के मामले में 3 आरोपी गिरफ्तार

फरीदाबाद। ट्रांसपोर्ट बुकिंग के नाम पर 57600 रुपए की ठगी के एक मामले में साइबर थाना एनआईटी की टीम ने 25 अप्रैल को

राजकुमार, विजय पांडे निवासी जिला गाजियाबाद व विकास चौधरी निवासी जिला बागपत को गाजियाबाद से गिरफ्तार कर 3 दिन पुलिस रिमांड पर लिया है। पुलिस के अनुसार गांव खंदावली फरीदाबाद निवासी एक व्यक्ति ने साइबर थाना एनआईटी में दी अपनी शिकायत में बताया कि उसका ट्रांसपोर्ट का काम है। 1 मार्च को उसके फोन पर एक व्यक्ति ने फोन कर कहा कि वह ट्रांसपोर्ट ऑफिस से बोल रहा है और उसने शिकायतकर्ता के लिए गाड़ी बुक की है और गाडी बुकिंग के लिये शिकायतकर्ता से 57600 रुपये एडवांस में मांगे, जिस पर शिकायतकर्ता ने उसके पास फोन-पे कर दिये।

सातवां सिक्स सिग्मा लीडरशिप समिट एव एक्सीलेंस अवॉर्डस 2026 का भव्य आयोजन

भव्य आयोजन में विभिन्न श्रेणियों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले संस्थानों और व्यक्तियों को सम्मानित किया गया

हरिभूमि न्यूज ⏭ गुरुग्राम

सातवां सिक्स सिग्मा लीडरशिप समिट एवं एक्सीलेंस अवॉर्डस 2026 का भव्य आयोजन हुआ। जिसमें विभिन्न श्रेणियों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले संस्थानों और व्यक्तियों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री प्रतापराव गणपतराव जाधव, चिराग पासवान, पूर्व केंद्रीय मंत्री रमेश पोखरियाल, भारतीय सेना, नौसेना वायुसेना, आईटीबीपी, बीएसएफ, सीआईएसएफ सशस्त्र बलों के सम्मानित अधिकारी, चिकित्सा जगत व फिल्म जगत की हेमामालिनी, जयाप्रदा, राजपाल यादव, राणा दग्गूबटी, रंजीत सहित हस्तियों ने भाग लिया। मुख्य अतिथि दिनेश के त्रिपाठी (चीफ ऑफ नेवल स्टाफ, भारत) ने सिक्स सिग्मा हेल्थकेयर एवं माउंटेन मेडिसिन सोसाइटी ऑफ इंडिया द्वारा की जा रही स्वास्थ्य सेवाओं के कार्यों की सराहना की। उन्होंने विशेष रूप से कैलाश मानसरोवर

यात्रा के दौरान लगभग 19,000 फीट की ऊंचाई तक चिकित्सा सेवाएं प्रदान करने के प्रयास को अत्यंत सराहनीय और प्रेरणादायक बताया। उन्होंने डॉ. प्रदीप भारद्वाज (संस्थापक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी, सिक्स सिग्मा हेल्थकेयर) एवं उनकी टीम' को भारत के अनसुने योद्धा बताते हुए उनके निस्वार्थ सेवा कार्यों की सराहना की।

कार्यक्रम के आयोजक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी डा. प्रदीप भारद्वाज ने कहा कि यह समिट देश के शहीदों और ऑपरेशन सिंदूर की गौरवशाली विजय को समर्पित है। उन्होंने कहा कि सिक्स सिग्मा हेत्थकयर का उद्देश्य स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में उत्कृष्टता को बढ़ावा देना और समाज में सेवा और समर्पण की भावना को मजबूत करना है। कार्यक्रम में डॉ. राजीव येरावडेकर, प्रोवोस्ट, सिम्बायोसिस इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी, पुणे, डॉ डी. एस. राणा, चेयरमैन सर गंगाराम अस्पताल, नई दिल्ली, डॉ. अजय स्वरूप, चेयरमेन, बोर्ड ऑफ मेनेजमेंट सर गंगाराम अस्पताल, डॉ. शक्ति गुप्ता, मेडिकल सुपरिटेंडेंट एम्स जम्मू, डॉ. अनुपम सिबल, ग्रुरप मेडिकल डायरेक्टर अपोलो हॉस्पिटल्स एस. पी. एस बख्शी, चेयरमेन एवं मैनेजिंग डायरेक्टर बेक्सन ग्रुप ने स्वास्थ्य सेवा में सुधार, रोगी सुरक्षा, चिकित्सा प्रबंधन, डिजिटल हेल्थ केयर मे सुधार व भविष्य के विषयों पर अपने विचार सांझा किए।

कार्यक्रम में अन्य प्रमुख हस्तियों में डॉ विवेक बिंद्रा प्रख्यात मोटिवेशनल स्पीकर), डॉ. योगेश लखनी (सीएमडी ब्राइट मीडिया मुंबई), मंगेश नायक (मुंबई पुलिस अधिकारी), योगेन्द्र सिंह विजेता, भारतीय सेना) तथा प्रो. मीनू बाजपेयी शामिल रहे।

यूपी इन्वेस्ट की टीम पहुंची फरीदाबाद, हरियाणा के टेक्सटाइल उद्योग को आकर्षित करने की कवायद

उद्यमी बोले- सरकार सुविधाएं दे, हम उत्तरप्रदेश में उद्योग लगाने को तैयार

हरिभूमि न्यूज ⏭ फरीदाबाद

हरियाणा के टेक्सटाइल एंड गारमेंट उद्योग को उत्तर प्रदेश में निवेश के लिए आकर्षित करने की कवायद के तहत इन्वेस्ट यूपी की टीम ने फरीदाबाद में टेक्सटाइल एंड अपैरल एसोसिएशन ऑफ हरियाणा के साथ संवाद किया। पार्क प्लाजा होटल सेक्टर 21 सी में हुई बैठक में जेवर एयरपोर्ट और टप्पल-अलीगढ़ क्षेत्र में भूमि आवंटन, औद्योगिक विकास और टेक्सटाइल निवेश के अवसरों पर मंथन हुआ। निवेश की प्रक्रिया को आगे बढ़ाने के लिए एमओयू पर भी सहमति बनी।

उत्तर प्रदेश राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण के प्रिंसिपल

जनरल मैनेजर राजीव त्यागी ने बताया कि यूपी टेक्सटाइल एंड गारमेंट पॉलिसी-2022 के तहत भूमि लागत सब्सिडी, स्टांप ड्यूटी छूट, कैपिटल सब्सिडी, बिजली रियायत, इंफ्रास्ट्रक्चर सहायता और निजी टेक्सटाइल पार्कों के लिए वित्तीय सहयोग जैसे प्रोत्साहन उपलब्ध हैं। उन्होंने 10000 एकड़ से अधिक लैंड बैंक, निवेश मित्र और निवेश सारथी जैसे डिजिटल प्लेटफॉर्म के जरिए निवेश सुगमता की जानकारी भी दी। इन्वेस्ट यूपी के जनरल मैनेजर अनुरुद्ध, एजीएम समीर मेहदी, इन्वेस्ट यूपी (टेक्सटाइल) की हेड अपराजिता, केपीएमजी के प्रतिनिधियों ने उद्योगपतियों के साथ निवेश संभावनाओं पर विस्तार से चर्चा की। बैठक में एसोसिएशन के अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह ने बताया कि यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण क्षेत्र में 150-200 एकड़ टेक्सटाइल हब की योजना पहले तैयार की गई थी, जिसमें करीब 2,000 करोड़ रुपये निवेश प्रस्तावित था, लेकिन जमीन न मिलने से योजना अटक गई। अब टप्पल-अलीगढ़ क्षेत्र को नया विकल्प मानते हुए उद्यमियों ने कहा कि सरकार यदि जमीन और उद्योगों के अनुकूल बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराए तो तय समयसीमा में उत्पादन शुरू किया जा सकता है। एसोसिएशन के उपाध्यक्ष राजेश गुप्ता, उपाध्यक्ष एसपी अग्निहोत्री, उपाध्यक्ष सुभाष लूथरा, महासचिव प्रताप अरोड़ा ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार टेक्सटाइल क्लस्टर बनाकर बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराए तो हम बिना देरी किए उद्योग लगाने के लिए तैयार हैं। इस प्रस्ताव को लेकर बैठक में सकारात्मक चर्चा हुई।

बैठक में निवेश प्रस्तावों को आगे बढ़ाने तथा भूमि आवंटन प्रक्रिया में तेजी लाने पर सहमति जताई बैठक में यह भी बताया गया कि जेवर में इंटरनेशनल एयरपोर्ट और एक्सप्रेसवे कनेक्टिविटी के कारण टप्पल क्षेत्र टेक्सटाइल क्लस्टर के रूप में उभर सकता है। उद्योगपतियों और अधिकारियों ने निवेश प्रस्तावों को आगे बढ़ाने तथा भूमि आवंटन प्रक्रिया में तेजी लाने पर सहमति जताई।

सीएम नायब सिंह सैनी ने स्व. चौ. गोपीचंद गहलोत जी को दी भावभीनी श्रद्धांजलि

गुरुग्राम। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने रविवार को गुरुग्राम स्थित डीपीजी आईटीएम इंजीनियरिंग कॉलेज परिसर में पहुंचकर पूर्व डिप्टी स्पीकर एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता स्व. चौ. गोपीचंद गहलोत जी को भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री ने स्वर्गीय गहलोत जी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया और शोक संतप्त परिवार से मिलकर सांत्वना व्यक्त की। इस दौरान गुरुग्राम के विधायक मुकेश शर्मा भी उनके साथ मौजूद रहे।

जन्म उत्सव धूमधाम से मनाया गया

भगवान परशुराम जन्म उत्सव पर शोभायात्रा निकाली गई

हरिभूमि न्यूज ⏭ फरीदाबाद

अखिल भारतीय ब्राह्मण महासंघ के तत्वाधान में भगवान परशुराम जी का जन्म उत्सव कार्यक्रम बड़ी ही धूमधाम से मनाया गया।

इस अवसर पर सराय ख्वाजा टोल पर सैंकड़ों गाड़ियों में ब्राह्मण समाज के युवा एवं बुजुर्गों ने बड़े ही जोश के साथ हुंकार भरते हुए भव्य शोभा यात्रा का शुभारंभ किया और सराय ख्वाजा के बाजार से होते हुए तिलपत स्थित बाबा सूरदास के मंदिर में पहुंचे जहां पर एक विशाल सम्मेलन में आए हुए अतिथियों का स्वागत एवं सम्मान करते हुए भगवान परशुराम के जीवन से प्रेरणा लेने को कहा।

पुलिस बोली, रिपोर्ट के बाद पता चलेगा

प्रतिबंधित मांस की सूचना पर बजरंग दल का हंगामा, दुकान से भारी मात्रा में मांस बरामद

हरिभूमि न्यूज ⏭ फरीदाबाद

सेक्टर-19 ओल्ड मार्केट के पास उस समय हंगामे की स्थिति बन गई जब बजरंग दल के कार्यकर्ताओं को रविवार सुबह गुप्त सूचना मिली कि एक दुकान के अंदर गोवंश काटा जा रहा है। सूचना मिलने के बाद संगठन के कार्यकर्ताओं ने एक युवक का पीछा किया और उसके पीछे-पीछे दुकान तक पहुंच गए, जहां कथित रूप से मांस काटा जा रहा था।

राष्ट्रीय बजरंग दल के वार्ड अध्यक्ष दीपक शाक्य ने बताया कि उन्हें सूचना मिली थी कि सुबह फतेहपुर तगा से कुछ लोग बाइक पर गोवंश काटकर ला रहे हैं और उसे सेक्टर-19 ओल्ड मार्केट के पास एक दुकान में रखा गया है। इस सूचना के बाद कार्यकर्ताओं ने बाइक सवार युवक का पीछा किया। मौके पर पहुंचने पर उन्होंने देखा कि युवक कपड़े में लिपटा हुआ मांस दुकान के अंदर ले जा रहा था। इसके बाद तुरंत पुलिस को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही सेक्टर-19 पुलिस चौकी की टीम मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने दुकान के अंदर जांच की तो वहां से काफी मात्रा में मांस बरामद हुआ। पुलिस ने मांस को कब्जे में लेकर जांच के लिए भेज दिया और दुकान पर मौजूद दो से तीन लोगों को पूछताछ के लिए चौकी ले गई। राष्ट्रीय बजरंग दल के दीपक शाक्य ने बताया कि उन्हें गुप्त सूचना मिली थी कि ओल्ड रेड लाइट से सेक्टर.19 मार्केट के पास एक दुकान में गोवंश काटकर लाया गया है। उन्होंने कहा कि मौके से काफी मात्रा में मांस बरामद हुआ है और उन्हें शक है कि यह गोवंश का मांस हो सकता है। उन्होंने मांग की कि इस मामले में सख्त कार्रवाई की जाए और जिस दुकान में मांस रखा गया था उसके सभी कानूनी दस्तावेजों की भी जांच की जाए। सेक्टर-19 पुलिस चौकी इंचार्ज अजय कुमार अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे और दुकान के अंदर मौजूद सभी मांस को जब्त कर लिया। चौकी इंचार्ज अजय कुमार ने बताया कि सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची थीए जहां एक दुकान के अंदर काफी मात्रा में मांस बरामद हुआ है।

घटना के समय घर में कोई मौजूद नहीं था

शार्ट सर्किट से लगी मकान में आग, कमरे में रखा सामान जला

हरिभूमि न्यूज ⏭ फरीदाबाद

डबुआ कालोनी स्थित ई ब्लॉक में बीती रात शॉर्ट सर्किट होने के कारण एक मकान में आग लग गई, जिससे कमरे में रखा काफी सामान जल गया। हालांकि गनीमत यह रही कि घटना के समय घर में कोई मौजूद नहीं था, जिससे किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। जानकारी के अनुसार डबुआ कॉलोनी के ई ब्लॉक स्थित हाउस नंबर 1719 निवासी जगदीश भंडारी के घर में शनिवार रात करीब 9.30 बजे अचानक आग लग गई। आग लगने की सूचना मिलते ही एनआईटी फायर स्टेशन को इसकी जानकारी दी गई। सूचना मिलते ही फायर स्टेशन से अधिकारी सुखबीर सिंह यादव के नेतृत्व में फायर ब्रिगेड की टीम तुरंत मौके के लिए रवाना हुई और

आग बुझाने का काम शुरू किया। बताया गया कि जिस समय आग लगी उस समय परिवार के सभी सदस्य बाजार गए हुए थे।

बैठक में विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने पर मंथन

राष्ट्रीय लोकदल की मासिक बैठक में संगठन को मजबूत करने पर बल

हरिभूमि न्यूज ⏭ गाजियाबाद

राष्ट्रीय लोक दल कार्यालय पर रविवार को मासिक बैठक का आयोजन हुआ । कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष रामपाल चौधरी ने की व संचालन क्षेत्रीय महासचिव अरुण चौधरी भुल्लन ने किया । बैठक में राष्ट्रीय अध्यक्ष जयंत चौधरी के द्वारा किए जा रहे कार्य एवं पार्टी की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचने पर विचार विमर्श किया गया ।

जिला अध्यक्ष रामपाल चौधरी ने सभी कार्यकर्ताओं को ब्लॉक लेबल पर सम्मेलन व बूथ लेवल तक कमेटी गठित करने के निर्देश दिए। चेयरमैन अमरजीत सिंह बिड्डी ने कहा की सभी पदाधिकारी एवं

कार्यकर्ताओं को एकजुट होकर राष्ट्रीय लोक दल की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाना पड़ेगा। तभी हमारी 2027 विधानसभा के चुनाव में रालोद की बड़ी सहभागिता मिलेगी । बैठक में चौधरी तेजपाल सिंह , कुँवर अय्यूब अली , अजयवीर , अजय पाल प्रमुख , अमरीश त्यागी , हिमांशु नागर, अरुण धैया, सत्येंद्र तोमर , सुमन चौधरी,राखी संधू, राशि उपाध्यक्ष ,देविंद्र चौधरी ,हिमांशु तेवतिया , आलोक चौधरी,मनोज त्यागी , मनोज राठी , बिट्टू खंजरपुर , संजीत नेहरा, योगेश फेफराना, रणजीत सिंह तेवतिया , मुनींद्र बिल्ला , शांतनु त्यागी, हिमांशु तेवतिया, मोहम्मद जुनेद , फहीम कुरैशी , मनीष जांगरा , इंद्रपाल कसाना , विपिन तोमर , इमरान इलाही आदि।

प्रशिक्षु आरक्षियों के दीक्षांत परेड का आयोजन

समाज के रक्षक और न्याय के प्रहरी के रूप में जिम्मेदारी निभाएंगे आरक्षीःगौड़

हरिभूमि न्यूज ⏭ गाजियाबाद

रिजर्व पुलिस लाइन्स के परेड ग्राउण्ड में रविवार को प्रशिक्षु आरक्षियों के दीक्षांत परेड का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कुल 582 प्रशिक्षु आरक्षियों ने अपने 09 माह के आधारभूत प्रशिक्षण को सफलतापूर्वक पूर्ण कर पुलिस सेवा में प्रवेश किया।

पुलिस आयुक्त जे रविन्द्र गौड़ मुख्य अतिथि थे। उन्होंने परेड का निरीक्षण किया। अपने सम्बोधन में पुलिस आयुक्त ने कहा कि दीक्षांत परेड केवल प्रशिक्षण की समाप्ति नहीं, बल्कि एक नई यात्रा की शुरुआत है। उन्होंने प्रशिक्षुओं के अनुशासन, परिश्रम और समर्पण की सराहना करते हुए कहा कि अब वे समाज के रक्षक और न्याय के प्रहरी के रूप में अपनी जिम्मेदारी निभाएँगे। पुलिस आयुक्त ने प्रशिक्षुओं

को ईमानदारी, निष्पक्षता और संवेदनशीलता को अपने कार्य का आधार बनाने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि जनता के साथ संवाद और सहयोग को प्राथमिकता देते हुए अपराध नियंत्रण में आधुनिक तकनीक और ज्ञान का उपयोग करना समय की आवश्यकता है। उन्होंने यह भी कहा कि आज ली गई शपथ केवल शब्द नहीं, बल्कि जीवनभर निभाने का संकल्प है। गाजियाबाद पुलिस कमिश्नरेट को विश्वास है कि प्रशिक्षु इस संकल्प को पूरी निष्ठा से निभाएंगे और समाज में शांति, सुरक्षा और न्याय की स्थापना करेंगे। इस प्रशिक्षण का उद्देश्य आरक्षियों को न केवल शारीरिक रूप से सक्षम बनाना था, बल्कि उन्हें मानसिक रूप से भी सशक्त करना था ताकि वे समाज की बदलती चुनौतियों का सामना कर सकें। कमिश्नरेट गाजियाबाद ने प्रशिक्षु आरक्षियों को शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि यह दीक्षान्त परेड उनके जीवन का नया अध्याय है। अब वे समाज की सुरक्षा, कानून व्यवस्था बनाए रखने और जनता की सेवा के लिए पूर्ण रूप से तैयार हैं।

प्रथम कमाण्डर - रिक्रूट आरक्षी अर्जुन सिंह तोमर

द्वितीय कमाण्डर - रिक्रूट आरक्षी कुशल चौधरी

तृतीय कमाण्डर - रिक्रूट आरक्षी उमंग प्रताप

दीक्षांत परेड में कुल 10 प्लाटून ने भाग लिया।

दीक्षान्त परेड का आयोजन पुलिस लाइन्स स्थित परेड ग्राउण्ड में गरिमामय वातावरण में किया गया । प्रशिक्षु आरक्षियों ने अनुशासन, परेड कौशल एवं प्रशिक्षण के दौरान अर्जित दक्षताओं का प्रदर्शन किया मुख्यमंत्री , उत्तर प्रदेश शासन एवं पुलिस महानिदेशक महोदय द्वारा वर्चुअल माध्यम से दीक्षान्त परेड को संबोधित किया गया।

---

6 बेटियों में सबसे छोटी थी

मां ने डेढ़ साल की बेटी नाले में फेंकी छात्र ने शव देखकर पुलिस बुलाई

हरिभूमि न्यूज ⏭ फरीदाबाद

महिला ने चुपचाप अपनी डेढ़ साल की मासूम बेटी को नाले में फेंक दिया और वहां से चली आई। नाले में डूबने से बच्ची की मौत हो गई। स्कूल जा रहे दो बच्चों ने उसका शव नाले में पड़ा देखकर पुलिस को सूचना दी। इसके बाद पुलिस ने शव को बाहर निकाला और पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया।

क्राइम ब्रांच की टीम ने जांच शुरू की तो सीसीटीवी फुटेज में बच्ची की मां ही उसे गोद में उठाकर लेकर जाती हुई दिखाई दी। इसके बाद वह अकेली आई। पुलिस ने महिला को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो उसने बच्ची को नाले में फेंकने की बात कबूल ली। पूछताछ में महिला ने बताया कि 6 बेटियों में यह सबसे छोटी थी। गरीबी के कारण उसे ऐसा किया। अब पुलिस जानकारी जुटाई रही है कि मामले में उसके पति का तो कोई रोल नहीं है। पुलिस के मुताबिकए तीन दिन पहले 23 अप्रैल को पल्ला थाना क्षेत्र में नाले में एक बच्ची का शव बरामद हुआ था। धीरज नगर और टीटू कॉलोनी पार्ट-2 के बीच से गंदे पानी का एक बड़ा नाला गुजरता है, जिसे स्थानीय लोग बुढिया नाला कहते हैं। नाले के ऊपर से आने-जाने के लिए स्थानीय लोगों ने एक कच्ची पगडंडी बना रखी है। दो स्कूली बच्चे वहां से गुजर रहे थे। उन्होंने ही पगडंडी के नीचे नाले के किनारे बच्ची का शव लोहे के जाल में फंसा देखा। इसके बाद दोनों बच्चों ने घर जाकर परिवार को इसकी जानकारी दी। लोग मौके पर पहुंचे और करीब जाकर देखा तो पता चला कि बच्ची मृत अवस्था में नाले के किनारे फंसी हुई थी। इसके बाद तुरंत पल्ला थाना पुलिस को सूचना दी गई। सूचना मिलने के बाद पल्ला थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से बच्ची के शव को नाले से बाहर निकाला और पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा। पोस्टमॉर्टम के बाद पता चला कि बच्ची की उम्र करीब डेढ़ साल है।

खबर संक्षेप

बचपन के मंदिर में सम्राट चौधरी ने की पूजा

पटना। सीएम सम्राट चौधरी पर्यटक स्थल प्रसिद्ध तिलडीहा दुर्गा मंदिर पहुंचे। मंदिर परिसर में

प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर की सलामी दी गई। मंदिर के गर्भगृह में प्रधान पुजारी श्याम आचार्य ने वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ विधिवत पूजा-अर्चना कराई। सीएम ने 101 किलो लड्डू का मंदिर में भोग लगाया।

हाथियों ने मां-बेटी को कुचलकर मार डाला

जमशेदपुर। ईचागढ़ की हाड़ात गांव में हाथी की चपेट में आने से मां-बेटी की मौत हो गई। ग्रामीणों में

वन विभाग के प्रति रोष है। लोगों ने घटना के बाद मौके पर पहुंचे अधिकारियों से हाथियो से सुरक्षा की गुहार लगाई है। चांडिल अनुमंडल क्षेत्र में जंगली हाथी ने इस साल तीन लोगों को मौत के घाट उतारा है।

खुली जिप्सी में किया निरीक्षणसिपाही पासिंग आउट परेड में बोले सीएम योगी

पुलिस की गौरवशाली परंपरा को आगे बढ़ाएंगे खत्म हुआ माफियाराज, अब यहां नहीं होते दंगे

एजेंसी ▶▶ लखनऊ

सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आरक्षी प्रशिक्षण के दौरान बेटियों ने जिस मजबूती, तत्परता, समर्पण व अनुशासन का परिचय दिया है, वह सराहनीय है। अनुशासन व टीमवर्क का उत्कृष्ट भाव सबसे बड़ी ताकत है। इन सबको समाहित करते हुए देश के लिए सर्वोत्कृष्ट योगदान देने की भावना वर्दीधारी बल का सबसे महत्वपूर्ण अंग होती है। प्रशिक्षण में जितना पसीना बहेगा, बाद के जीवन में उतना ही कम खून बहाने की नौबत आती है।

सीएम योगी 60,244 आरक्षी नागरिक पुलिस सीधी भर्ती के अंतर्गत वर्ष 2025 बैच के पुलिस आरक्षियों के दीक्षांत परेड समारोह को संबोधित कर रहे थे।

नागरिकों के लिए संवेदनशील होना चाहिए

सीएम ने महिला आरक्षियों को बधाई दी। कहा कि सभी ने लगन व अनुशासन के साथ प्रशिक्षण प्राप्त किया है। याद रखिए, कानून अपराधी के लिए जितना कठोर हो, नागरिकों के प्रति उतना ही संवेदनशील होना चाहिए। उन्होंने उम्मीद जताई कि प्रशिक्षण से प्राप्त ज्ञान, कौशल व मूल्यों का उपयोग करते हुए निष्ठा, ईमानदारी व कर्तव्य परायणता से यूपी पुलिस की गौरवशाली परंपरा को आगे बढ़ाएंगे।

अब बेहतर प्रशिक्षण व सुविधाएं

सीएम योगी ने कहा कि प्रदेश के 10 पुलिस प्रशिक्षण संस्थानों, 73 जनपदों की पुलिस लाइंस, 29 पीएसी बटालियनों, 112 रिक्रूट ट्रेनिंग सेंटरों में एक साथ आरक्षी दीक्षांत परेड आयोजित की जा रही है। 15 जून 2025 को लखनऊ के डिफेंस एक्सपो ग्राउंड में केंद्रीय गृह व सहकारिता मंत्री अमित शाह ने 60,244 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए थे। 21 जुलाई से इनका प्रशिक्षण प्रारंभ हुआ। मैं भी विभिन्न प्रशिक्षण केंद्रों में गया और देखा।

हमने यूपी को देश के बेहतरीन पुलिस बल के रूप में स्थापित किया

सीएम योगी ने कहा कि हमने इसे देश के बेहतरीन पुलिस बल के रूप में स्थापित किया। हमने 2.18 लाख से अधिक पुलिस कार्मिकों की भर्ती और 1 लाख से अधिक पुलिसकर्मियों का प्रमोशन किया। हमने 60244 पुलिस आरक्षियों का प्रशिक्षण यूपी के केंद्रों में ही एक साथ संपन्न किया है, जो 9 वर्ष में अर्जित की गई प्रगति को दर्शाता है।

2017 में टूटे-फूटे थे बैरक, अब जनपदों में हाईराइज भवन

सीएम योगी ने कहा कि 2017 के पहले पुलिस के बैरक टूटे-फूटे, खपड़ैल व टीनशेड के होते थे, लेकिन अब 55 जनपदों में पुलिस कार्मिकों के बैरक व आवासीय सुविधा के हाईराइज भवन दिखाई देते हैं। प्रशिक्षण केंद्र उत्कृष्ट हो रहे हैं। हर प्रशिक्षु को आधारभूत प्रशिक्षण देने के साथ ही व्यावसायिक प्रशिक्षण भी दिया गया। यूपी पुलिस ट्रेनिंग पोर्टल भी लांच किया गया। शारीरिक प्रशिक्षण को वैज्ञानिक व आधुनिक बनाने के लिए स्मार्ट पीटी प्रोग्राम लागू किया गया। आउटडोर प्रशिक्षण में पुरानी 303 नॉट राइफल के स्थान पर आधुनिक इंसास व एसएलआर राइफल द्वारा प्रशिक्षण दिया गया। चयनित महिला आरक्षियों ने खुशी जाहिर करते हुए उन्हें धन्यवाद दिया।

तारापुर में बोले सीएम सम्राट चौधरी

फाइल दबा कर बैठे तो अफसर पर ऐक्शन, हर पंचायत में 2 दिन कैंप

एजेंसी ▶▶ मुंगेर

बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी रविवार को मुंगेर जिले के दौरे पर रहे। सम्राट चौधरी ने इस दौरान तारापुर और असरगंज प्रखंड के लोगों को इको-टूरिज्म की सौगात दी है। तारापुर में अपने संबोधन के दौरान सीएम सम्राट चौधरी ने कई बातें कहीं और उन अफसरों को भी चेताया है जो अक्सर फाइल दबा कर बैठ जाते हैं। अपने भाषण में सम्राट चौधरी ने कहा, 'इस इलाके का मुझे काफी प्यार मिला है। पहली बार मैं आपका विधायक बना हूं और पहली बार में ही बिहार का मुख्यमंत्री बन गया यह सबसे महत्वपूर्ण है।

पीएम मोदी का सपना पूरा करना लक्ष्य

सीएम ने कहा कि बिहार को विकसित बनाने का जो सपना पीएम मोदी ने देखा है। उसे पूरा करना है। जिस तरह दुनिया को शांति देने का काम भगवान बुद्ध ने किया था। लंबे समय तक नीतीश कुमार ने बिहार को सजाया है। सड़क-बिजली, पानी पहुंचाने का काम किया है। बच्चियों को स्कूल तक पहुंचाने का काम किया है और हमारी जो महिला बहने हैं उनको उद्योग-धंधे से जोड़ने का काम किया है। लेकिन इसको और तेज गति से बढ़ाना है। सीएम ने कहा कि पंचायत में हर महीने में दो दिन कैंप लगाए जाएंगे। सहयोग कार्यक्रम के तौर पर ये पूरे प्रदेश में हम अभियान चलाएंगे। अगर कोई भी अधिकारी एक महीने से अधिक अपने पास फाइल रखेगा तो उसपर भी कार्रवाई करने का हम काम करेंगे।

जहां जन्म लिया, वहां पहली बार सेवा करने का मौका

विधान परिषद का सदस्य भी रहा हूं। लेकिन जिस इलाके में जन्म लिया था तो वहां पहली बार सेवा करने का मौका मिला है। देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और नीतीश कुमार ने बिहार की गद्दी पर मुझे सीएम बनाने का काम किया है। मुझे भी एहसास है कि बिहार को बदलना है। बिहार को समृद्धि की ओर ले जाना है।'

टुकड़े-टुकड़े में कट गए थे सभी के शव, 3 मासूम बच्चों समेत 6 की मौत

हजारीबाग। जिले के चौपारण स्थित दनुआ घाटी में भीषण सड़क हादसे में एक ही परिवार से जुड़े छह लोगों की मौत हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, मृतक शिव कुमार के परिवार के साथ जो हादसा हुआ, उसने कॉलोनी के लोगों को झकझोर कर रख दिया है। इस दौरान जिसने भी ये मंजर देखा वो रोने से खुद को नहीं रोक पाया। शवों को देखने के बाद जो मंजर सामने आया, वह बयां करने लायक नहीं है। पत्थर दिल इंसान की आंखें भी नम हो जाएंगी। सभी के शव टुकड़े-टुकड़े में कट चुके थे। जिस जगह हादसा हुआ वहां घुप अंधेरे की वजह से मंजर और भी खौफनाक हो गया था।

पेज एक का शेष

ट्रंप ने माना- ...

हैं और उन्हें किसी तरह की चोट नहीं आई। घटना के बाद उन्होंने सुरक्षा एजेंसियों की तारीफ करते हुए कहा कि उन्होंने बहुत तेजी और बहादुरी से काम किया। घटना के बाद की गई शुरुआती जांच में सामने आया है कि, हमलावर अकेला था और उसके पास कई हथियार थे। जिसमें शॉटगन, हैंडगन और चाकू शामिल थे। बताया जा रहा है कि वह सुरक्षा घेरा तोड़कर अंदर घुसने की कोशिश कर रहा था और इसी दौरान उसने फायरिंग की। इसके कारण एक सीक्रेट सर्विस अधिकारी को गोली लग गई, लेकिन बुलेटप्रूफ जैकेट की वजह से उसकी जान बच गई। हालांकि, सुरक्षा बलों ने कुछ ही मिनटों में हमलावर को काबू कर लिया और हिरासत में ले लिया। फिलहाल उससे पूछताछ की जा रही है। सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या यह हमला सीधे राष्ट्रपति ट्रंप को निशाना बनाकर किया गया था? इस सवाल पर ट्रंप ने खुद कहा- शायद वह ही इसका निशाना थे। हालांकि, जांच एजेंसियों ने अभी तक इस बात की पुष्टि नहीं की है। एफबीआई इस पूरे मामले की जांच कर रही है और हर एंगल से पड़ताल की जा रही है, जिसमें आतंकी एंगल भी शामिल है। सबसे बड़ा सवाल यही है कि इतनी कड़ी सुरक्षा के बावजूद हमलावर हथियार लेकर अंदर तक कैसे पहुंच गया। विशेषज्ञ मान रहे हैं कि यह सिर्फ एक हमला नहीं, बल्कि सुरक्षा व्यवस्था के लिए बड़ा अलर्ट है।

ट्रंप ने बताया -...

सर्विस से आ रही थीं या नहीं, लेकिन अब व्हाइट हाउस पूल से बताया जा रहा है कि हथियारबंद आदमी ने एंट्री गेट पर लगे मैग्नेटोमीटर से गुज़रने की कोशिश की और उसे सीक्रेट सर्विस और सुरक्षा टीम ने पकड़ लिया।

टीएमसी की निर्ममता...

के हवाले कर दिया और मानुष को पलायन के लिए मजबूर कर दिया।बंगाल के पास अपार संभावनाएं हैं और यह राज्य फिर से देश का नंबर वन राज्य बन सकता है। इस दौरान पीएम मोदी के निशाने पर टीएमसी और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी रहीं। पीएम मोदी ने दावा किया कि पहले चरण में वोटिंग के बाद साफ हो चुका है कि बंगाल में भाजपा प्रचंड जीत दर्ज करने जा रही है।

टेकऑफ करते ही...

को सक्रिय किया। एयरलाइन के प्रवक्ता ने बताया कि भारतीय समयानुसार रात 1 बजे के ठीक बाद, टेकऑफ करते ही विमान के एक इंजन में खराबी आ गई। चालक दल ने टेकऑफ रद्द कर दिया और सभी यात्रियों और चालक दल को आपातकालीन दरवाजे के माध्यम से विमान से सुरक्षित बाहर निकाला गया। 4 यात्री जिन्हें चोट आई है, उनका इलाज किया जा रहा है। विमान कंपनी ने कहा कि वह यात्रियों के लिए वैकल्पिक प्रबंध कर रही है, और स्विस तकनीकी विशेषज्ञ विमान की जांच के लिए जल्द ही दिल्ली पहुंचेंगे।

देश में आएंगे ...

केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल और न्यूजीलैंड के व्यापार मंत्री टॉड मैक्ले इस ऐतिहासिक डील पर साइन करेंगे। इस समझौते के जरिए अगले 15 सालों में भारत में 20 अरब डॉलर (करीब 1.6 लाख करोड़ रु.) का भारी-भरकम विदेशी निवेश आने की उम्मीद है। गौर हो कि दोनों देशों ने अगले 5 वर्षों में आपसी व्यापार को 5 अरब डॉलर तक ले जाने का लक्ष्य रखा है।

रघु जी की ...

और राजनीतिक परिदृश्य को बेहद संजीदगी से कैद किया। रविवार शाम 4 बजे दिल्ली के लोधी रोड श्मशान घाट में उनको अंतिम विदाई दी गई। उनके पीछे उनकी पत्नी गुरमीत राय और बच्चे नितिन, लगन, अवनी और पुरवै हैं। रघु राय की सबसे बड़ी खूबी उनकी कैमरा नजर थी। वह आम जिंदगी के उन छोटे-छोटे पलों को भी इस तरह कैद करते थे कि वे एक कालजयी कहानी बन जाते थे। उनकी तस्वीरों में बनारस के घाटः जहां आध्यात्मिकता और जीवन का संगम दिखता था। भारतीय गलियां और भीड़ः जिनमें भारत की असली धड़कन सुनाई देती थी। ग्रामीण जीवनः जिसमें सादगी और संघर्ष के रंग घुले होते थे। उनके काम ने भारत की आत्मा को जीवंत किया। यही कारण है कि उनकी तस्वीरों को आज भी भारतीय संस्कृति का एक महत्वपूर्ण दस्तावेज़ माना जाता है।

बंटवारे के दर्द ...

से जुड़ने के लिए नामित किया, जो किसी भी भारतीय के लिए एक ऐतिहासिक उपलब्धि थी।

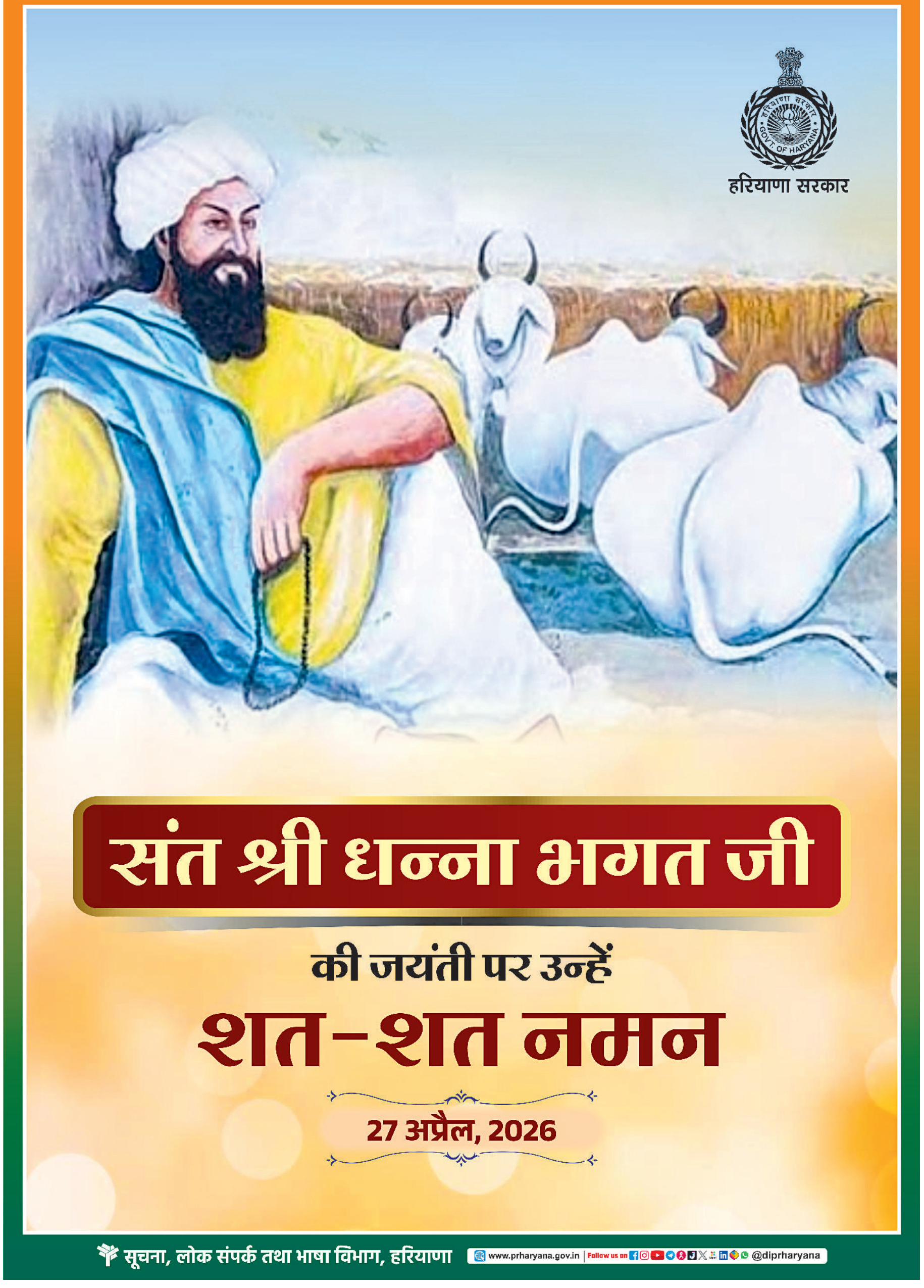

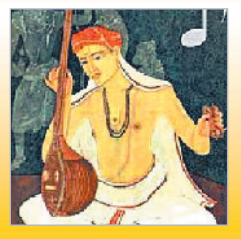

गांवों के नाम रागों पर आधारित

हरियाणा में राग परंपरा, जिसे लोकगीतों के रूप में भी जाना जाता है, का एक समृद्ध इतिहास है। यहां तक कि कस्बों के नाम भी पारंपरिक रागों से लिए गए हैं। दादरी तहसील में कई बस्तियों के नाम प्रसिद्ध रागों से जुड़े हैं। इनमें नंदयम, सारंगपुर, बिलावाला, बृंदाबाना, टोडी, असावेरी, जयश्री, मलकोष्णा, हिंडोला, भैरवी और गोपी कल्याण आदि शामिल हैं। वहीं, जींद जिले में जय जय वंती, मालवी और अन्य संस्थाएं पाई जा सकती हैं।

हरियाणवी लोकगीतों में सात्विक प्रेम और विरह

हरियाणवी लोक-साहित्य का एक दूसरा पहलू भी है जो बहुत कोमल, संवेदनशील और सात्विक है। यह वह प्रेम है जिसे हम 'सात्विक' कह सकते हैं, क्योंकि इसमें कोई वासना नहीं है, कोई दिखावा नहीं है। यह प्रेम पति-पत्नी के उस अटूट रिश्ते पर आधारित है, जहां समर्पण ही सबसे बड़ा सुख है।

संस्कृति

दिनेश शर्मा 'दिनेश'

लोकगीत किसी भी समाज की आत्मा होते हैं। जब हम हरियाणा की बात करते हैं, तो अकसर लोगों का ध्यान यहां की वीरता, कुश्ती के मैदानों की तरफ जाता है। लेकिन, हरियाणवी लोक-साहित्य का एक दूसरा पहलू भी है जो बहुत कोमल, संवेदनशील और सात्विक है। यह वह प्रेम है जिसे हम 'सात्विक' कह सकते हैं, क्योंकि इसमें कोई वासना नहीं है, कोई दिखावा नहीं है। यह प्रेम पति-पत्नी के उस अटूट रिश्ते पर आधारित है, जहां समर्पण ही सबसे बड़ा सुख है। आज हम हरियाणवी लोकगीतों के आईने में उस प्रेम और विरह को देखने की कोशिश करेंगे, जो हमारी माटी की असल पहचान है।

हरियाणवी लोकगीतों में विरह केवल एक शब्द नहीं, बल्कि एक अनुभव है। यहां का लोक-मानस प्रकृति के साथ इतना जुड़ा हुआ है कि मौसम बदलते ही मन की अवस्था भी बदल जाती है। जब पिया परदेश में हो, तो सावन की फुहारें या कोयल की कूक किसी कांटे की तरह चुभने लगती है। एक स्त्री जब अपने पिया के वियोग में होती है, तो वह प्रकृति को ही अपना साथी मान लेती है। हरियाणवी लोक-साहित्य में मौजूद 'बारामासा' गीत में एक स्त्री का अपने प्रिय के प्रति सात्विक मोह और समाज की ओर से पूछे जाने वाले सवालों का जवाब देखिए:

आम्बों की ठंडी सी छांह, निंबों नीचे क्यूं खड़ी?
के तेरे पिया परदेस, के तेरी सास बुरी?
उड़ जा रे काले से काग, तन्नै मेरी के पड़ी?
ना मेरे पिया परदेस, ना है मेरी सास बुरी।
आया है साढ़ज मास, आवैं घन घोर कै,
जो घर होत्ते म्हारे लाल, बंगला छुवावते।

इस गीत में स्त्री की जो मर्यादा है, वह काबिले तारीफ है। वह स्त्री अपनी निजी पीड़ा को सार्वजनिक नहीं करती। वह अपनी गरिमा बनाए रखती है। जब मन में विरह की आग जल रही हो, तो बाहर की हर सुरीली चीज़ भी शोर लगने लगती है। कोयल की आवाज़ जो वसंत में लोगों को मोह लेती है, एक विरहिणी के लिए बेचैनी का कारण बन जाती है। यहां लोकगीत की वह गहराई देखिए, जहां वह कोयल से ही संवाद करने लगती है:

मेरे पिया गए परदेस, कोयलिया क्यूं बोल्लै सै।
यो सै मेरे पिया जी का नां, कोयलिया क्यूं बोल्लै सै।
तूं तै काली बणी भगवान, काम्मण उनकी गोरी सै।
मेरे मन म्हं उठैं सै हिलोर, तूं काल क्यूं हो री सै।
तूं तै काले बादल की गैल, उड़ जा री अम्बर म्हं।
बेबे! हम विरहण की रात कटै सै पीहर म्हं।

यहां नायिका को लगता है कि कोयल उसे उसके प्रिय की याद दिलाकर सता रही है। वह कोयल से ही शिकायत करती है कि तू क्यों बोल रही है? क्या तुझे पता है कि मेरे पिया परदेश में हैं? यह लोक-साहित्य का वह जादू है, जहां निर्जीव और सजीव को एक ही धागे में पिरो दिया गया है। पीहर (मायके) में बैठी वह नायिका, अपने पति से दूर है, और उसकी टीस इन शब्दों में साफ़ झलकती है।

पुराने समय में चिट्ठी का आना किसी बड़े आयोजन से कम नहीं था। चिट्ठी में लिखे शब्द प्रियतम की उपस्थिति का अहसास कराते थे। लेकिन उन शब्दों को पढ़ना और फिर रो पड़ना, यह एक विरहिणी की सहज प्रतिक्रिया है। जब सहेलियां घेरा डाल कर पूछती हैं कि जीजा जी ने क्या लिखा है, तो उस बेचारी का हाल देखिए:

बांचत बांचत हुई हाल बेहाल,
आंख्यां तैं आंसू ढारती
हाय री, अभागण नार,
पिया बिन दिन एकली काटती।

हरियाणवी लोकगीतों की सबसे बड़ी खूबी यह है कि वे महलों की कहानियां नहीं सुनाते, बल्कि खेतों में पसीना बहाने वाली आम औरत की कहानी सुनाते हैं। यहां का प्रेम भी मेहनत से जुड़ा है। काम के बीच पिया की याद आना, यह दिखाता है कि प्रेम कोई अलग से किया जाने वाला काम नहीं, बल्कि जीने का एक हिस्सा है। देखिए, खेत में काम करती एक स्त्री जब अपने पति से मिलती है:

मेरे पिया की चिट्ठी आई बेबे ए छुट्टी मिलदी ना मूल
सिर पर घड़वा कांधै पै कसौल्ला बेबे हे
ईख नुलावण जांसीसम निच्चै घड़वा तार्या बेबे ए
बीघे का धर लिया घेर सारे सरीर पै तै आया
पसिन्ना बेबे ए मुट्ठी हो गई लाल''

इस गीत में प्रेम का एक व्यावहारिक पक्ष दृष्टिगोचर होता है। पति का आना, काम छोड़ कर उसे लेने जाना, और फिर घर की बातें करना, यह जीवन का सबसे सुंदर दृश्य है। यहां यह दर्शाया गया है कि पति-पत्नी का रिश्ता केवल दो लोगों का नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ी का आधार भी है। यह सात्विक प्रेम है, जहां पसीने की गंध में भी प्यार की खुशबू है। बुढ़ापे में या तन्हाई में इंसान अपने अतीत की उन छोटी-छोटी बातों को याद करता है जो कभी सामान्य लगती थीं, लेकिन अब बहुत कीमती हो गई हैं। पति-पत्नी का साथ नहाना, साथ खाना, और वो 'मस्त' हो जाना, ये बातें आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में गायब होती जा रही हैं। लोकगीत हमें उसी सादगी की याद दिलाते हैं:

ये जुल्मी नैण बुरे कोए दिन याद करो
एक न्हाणा न्हाण आले दो जणैन्हा
न्हा मस्त हुए कोए दिन याद करो
एक खाणा खाण आले दो जणै

कितनी गहरी बात कही गई है! 'जुल्मी नैण' जो उन पुराने दिनों को याद करके दुखी हो रहे हैं। वह समय जब दो लोग साथ खाते-पीते थे और खुश रहते थे। यह प्रेम का वह शुद्ध रूप है, जहां किसी बड़े उपहार की आवश्यकता नहीं थी, बस साथ होना ही काफी था। सुख कहीं बाहर नहीं, बल्कि अपने ही घर में, अपने साथी के साथ बिताए गए पलों में है। हरियाणवी लोकगीतों में नायक और नायिका का संवाद बहुत चतुर होता है। वे सीधे-सीधे बात नहीं कहते, बल्कि गीतों के माध्यम से अपनी बात रखते हैं। यहां देखिए एक नायक जब अपनी नायिका से मिलने का बहाना ढूंढता है, तो वह कैसे अपनी चतुराई और मर्यादा का परिचय देती है:

हो रास्ते में पड़ गयो झील, छैल तेरे आने जाने में
हो तेरा बाप घर पर नहीं, छैल तेरी मय्या बुला रही सै
हो मेरी अम्मां गंगा नीर, नीर के दोष लगावो मत ना
हो तेरा भय्या घर पर नहीं, छैल तेरी भाभी बुला रही सै

यह गीत भारतीय संस्कृति का एक बेहतरीन उदाहरण है। नायक उसे बुलाने के लिए घर के हर सदस्य का नाम लेता है, लेकिन नायिका हर सदस्य को एक पवित्र चीज़ (गंगा नीर, जमुना नीर, कच्चा दूध) से जोड़कर उसे गलत साबित कर देती है। यह प्रेम में भी एक नैतिक मर्यादा का पालन है। यहां कोई वासना नहीं है, बल्कि एक-दूसरे को परखने और मर्यादा में रहने का एक अनूठा खेल है। हरियाणवी स्त्री का यह 'सतीत्व' और 'मर्यादा' लोक गीतों में ही सुरक्षित है।

हमारे यहां अतिथि को भगवान माना गया है, और जब वह अतिथि स्वयं 'प्रियतम' हो, तो सेवा का भाव और भी बढ़ जाता है। पत्नी अपने पति के लिए किस प्रकार का भाव रखती है, इसे देखिए:

म्हारे बाग का मिसरी मेवा चाख कै नै जाइये
तेरे हाथ की रै माली की रोटी ना भावै
कच्चे पाक्के फल तोड़ै मनै आच्छे ना लागैं
सेठ की सिठाणी पै तेरी रोटी पुआ द्यूंगी

यह केवल भोजन कराने का गीत नहीं है। यह प्रेम की वह पराकाष्ठा है, जहां एक पत्नी अपने पति को रोकना चाहती है। वह उसे अपने बगीचे का मेवा खिलाना चाहती है, उसे आराम देना चाहती है। असल में हरियाणा का लोक-साहित्य प्रेम और विरह को कभी भी रुग्ण या नकारात्मक नहीं मानता। यहां प्रेम केवल एक आकर्षण नहीं है, यह जीवन की एक बड़ी जिम्मेदारी है। पति-पत्नी का रिश्ता, जो इन गीतों का केंद्र है, वह त्याग और समझौते पर टिका है। चाहे वह परदेश जाने का दुःख हो या साथ बिताए पलों की याद, हरियाणवी लोक-गीतों ने इन भावनाओं को शब्दों की ऐसी माला में पिरोया है कि वे सदियों बाद भी ताजी लगती हैं। इन गीतों में वर्णित नायिका अबला नहीं है, वह एक सबल स्त्री है जो अपने परिवार के प्रति संवेदनशील है, अपनी मर्यादा के प्रति सजग है और अपने प्रियतम के प्रति समर्पित है।

अंत में, यही कह सकते हैं कि हरियाणवी लोक गीतों में जो सात्विक प्रेम और विरह का वर्णन है, वह आने वाली पीढ़ियों के लिए एक अमूल्य धरोहर है। यह धरोहर हमें बताती है कि कैसे जीवन को सादगी से जीना है और कैसे रिश्तों को बिना किसी दिखावे के, केवल प्रेम और विश्वास से सींचना है। ये लोकगीत हमारे इतिहास के वो पन्ने हैं जिन्हें अगर हम मिटने देंगे, तो हम अपनी पहचान खो देंगे। इसलिए, इन गीतों का गायन और इनका चिंतन, हमारे लिए एक सांस्कृतिक कर्तव्य भी है। हरियाणवी लोक-साहित्य का यह 'सात्विक प्रेम' सदा जीवंत रहे, यही कामना है।

हरियाणवी लोक गीतों में जो सात्विक प्रेम और विरह का वर्णन है, वह आने वाली पीढ़ियों के लिए एक अमूल्य धरोहर है। यह धरोहर हमें बताती है कि कैसे जीवन को सादगी से जीना है और कैसे रिश्तों को बिना किसी दिखावे के, केवल प्रेम और विश्वास से सींचना है। ये लोकगीत हमारे इतिहास के वो पन्ने हैं जिन्हें अगर हम मिटने देंगे, तो हम अपनी पहचान खो देंगे। इसलिए, इन गीतों का गायन और इनका चिंतन, हमारे लिए एक सांस्कृतिक कर्तव्य भी है। हरियाणवी लोक-साहित्य का यह 'सात्विक प्रेम' सदा जीवंत रहे, यही कामना है।

गजल

रामफल गौड़

हिम्मत करकै छोड़ उदास्सी

हिम्मत करकै छोड़ उदास्सी।
हांस हांस कै ले स्याबास्सी ।

इब इतिहास नवा लिखणा सै,
कथा पुराणी होल्यी बास्सी ।

अरधसरीरी नार सदा की,
मूरख कहण लगे थे दास्सी ।

करदे आच्छा काम कदे बी,
के मावस सै के पणवास्सी ।

भांड्डा फुट्टै च्योड़ै काल्लर,
कै दिन चाल्लैगी बद[redacted]स्सी ।

बण्या कैरियर जी की [redacted]ज्जी ,
करोंत पड़ै सै लेणा कांस्सी ।

आवैं बाळक ईब मिलण न्यूं,
पंछी हों ज्युक्कर परवास्सी।

सदा चालिए चाल आपणी,
नकल करण तै होसै हांस्सी।

कड़ै छणैं सैं दूध अर नीर,
हंस जड़ै आवैं फरमास्सी।

देख कुढंग गाम के रामफळ ,
लोग बणे इब सैह्र निवास्सी ।

रागिनी

भूपसिंह 'भारती'

मतना काटो पेड़ां नै

मतना काटो पेड़ां नै, न्यू कहरी बेटी थारी।
शुद्ध हवा हमनै दे कै, रखवाली करते म्हारी।।

लालच के चक्कर म्हा थम, कती नहीं शर्माए,
पाच्छै पड़ रहे पेड़ा कै, ये जंगल काट भगाये,
जै ये पेड़ नहीं बचाये, ना बचै ये दुनियादारी।

धरती का सिंगार करै, करकै ये हरियाली,
बरखा नै ये ले कै आवै, [redacted]यावै सै खुशहाली,
जंगल करो नहीं खा[redacted]ड़ा पै धरकै आरी।

धरती मां के घने लाडले, जन्म जन्म के साथी,
पर्यावरण शुद्ध करकै, ये बणते सदा हिमाती,
लूएं रोकै ताती ताती, दे सीली छाया प्यारी।

मीठे मीठे फल देवै, ये देवै भोजन पाणी,
पेड़ लगाओ पेड़ बचाओ, कहै बात या बेटी याणी,
समझ 'भारती' बात या स्याणी, फेर खिलै फुलवारी।
मतना काटो पेड़ा नै, न्यू कहरी बेटी थारी।।

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

परिवेश

आज के दौर में गांव को 'स्मार्ट' बनाने के साथ-साथ उसे फिर से 'संवेदनशील' बनाने की आवश्यकता

चौपाल की गूंज से डिजिटल मौन तक

बदलाव

सरिता

हरियाणा की माटी की खुशबू केवल खेतों की सौंधी सुगंध में नहीं, बल्कि उन अनकहे रिश्तों और सांस्कृतिक ताने-बाने में रची-बसी थी, जो कभी गांवों की पहचान हुआ करते थे। आज जब हम हरियाणा के ग्रामीण परिवेश को देखते हैं तो पाते हैं कि यह बदलाव एक संपूर्ण 'जीवन-दर्शन' का रूपांतरण है।

कभी जो चौपालें गांव का हृदय हुआ करती थीं, आज वहां सन्नाटा पसरा है और भौतिक विकास की चकाचौंध के बीच मानवीय संवेदनाओं का अर्थ बदल गया है। कुछ दशकों पहले तक, हरियाणा के गांवों में 'भाईचारा' केवल एक शब्द नहीं, बल्कि जीवन जीने का एक ढंग था। गांव की चौपाल महज ईंट-पत्थर का एक ढांचा न होकर गांव का 'सुप्रीम कोर्ट' और 'सांस्कृतिक केंद्र' थी। शाम ढलते ही चौपाल पर जो चर्चाएं होती थीं, उनमें राजनीति से लेकर सारे गाँव का सुख-दुःख, लोक-कला और रागनियों की समीक्षा तक शामिल होती थी। उस दौर में गांव की हर खुशी और हर गम साझा होता था। फसल की कटाई हो या किसी के घर विवाह, पूरा गांव एक परिवार की तरह खड़ा होता था। कुंओं की जगत पर महिलाओं का मिलना और लोकगीतों के माध्यम से सुख-दुख साझा करना, एक ऐसा 'सोशल नेटवर्क' था जो आज के डिजिटल युग से कहीं अधिक मजबूत था। आपको याद है ना .... 'मेरे सिर पै बंटा टोकणी' और 'पाणी लेण मैं तो कुंए पै गयी थी' ये लोकगीत शाम को कानों में पड़ते थे तो दिनभर की थकान दूर हो जाती थी। उस समय की भाषा में मिठास थी और व्यवहार में 'मान-मर्यादा' का भाव था। व्यक्ति अपनी पहचान से अधिक अपने गोत्र और गांव की प्रतिष्ठा के प्रति समर्पित रहता था। वहां तर्क के साथ-साथ 'लोक-विवेक' को अधिक महत्व दिया जाता था। समय का पहिया घूमा, तो ग्रामीण हरियाणा का भौतिक स्वरूप तेजी से बदलने लगा। कच्चे घरों की जगह कंक्रीट के बहुमंजिला मकानों ने ले ली। इस निर्माण के साथ ही 'आंगन' सिमट गए। संयुक्त परिवार, जो सुरक्षा और संस्कारों के संवाहक थे, एकल परिवारों में टूट गए। ग्रामीण अर्थव्यवस्था में भी बड़ा बदलाव आया। खेती के साथ पशुपालन और पारंपरिक हस्तशिल्प की महत्ता कम होती गई। युवा पीढ़ी का झुकाव शहरों की ओर बढ़ा, जिससे गांवों में 'बुजुर्गों का अकेलापन' एक नई चुनौती बनकर उभरा।

जो चौपाल कभी विचारों के आदान-प्रदान का केंद्र थी, वहां अब केवल बुजुर्गों की यादें शेष बची हैं या फिर वह केवल चुनाव के समय राजनीतिक अखाड़ा बन गई हैं। आज का ग्रामीण परिवेश एक अजीब से द्वंद्व में जी रहा है। एक तरफ भौतिक सुख-सुविधाएं हैं तो दूसरी तरफ मानसिक तनाव। मोबाइल और सोशल मीडिया ने गांव को वैश्विक दुनिया से तो जोड़ दिया है, लेकिन पड़ोसियों से दूरी भी बढ़ा दी है। अब लोग एक ही गांव में रहते हुए भी एक-दूसरे से डिजिटल तरीके से जुड़े हैं, लेकिन आमने-सामने बैठकर 'दिल की बात' करने का वक्त कम हो गया है। सबसे बड़ा बदलाव भाषा और संस्कारों में आया है। हरियाणवी बोली, जो अपनी ओजस्विता के लिए जानी जाती थी, वह आज अपनी शुद्धता खो रही है।

नई पीढ़ी के लिए लोक-साहित्य और रागनियों का स्थान अभद्र गीतों और फूहड़ता परोसती वेब सीरीज ने ले लिया है। सोशल मीडिया पर अश्लील और द्विअर्थी संवादों को लेकर सामग्री परोसकर लाइक और व्यूज बटोरते बुजुर्ग, महिलाएं तथा बच्चे बहुसंख्या में देखे जा सकते हैं। संस्कारों का वह ढांचा, जो नैतिकता और बड़ों के प्रति सम्मान पर टिका था, वह अब व्यक्तिगत स्वतंत्रता की भेंट चढ़ता दिखाई दे रहा है। जब हम इन दो युगों की तुलना करते हैं, तो यह कहना कठिन है कि परिवर्तन पूरी तरह नकारात्मक है। आज का ग्रामीण हरियाणा अधिक शिक्षित है, जागरूक है और आर्थिक रूप से सशक्त भी। प्रश्न यह है कि क्या हमने विकास की दौड़ में अपनी जड़ों को सुरक्षित रखा है? प्राचीन हरियाणा में जो 'सामूहिकता' थी, वह आज की 'वैयक्तिकता' में कहीं खो गई है। पहले जहां व्यक्ति 'गांव का हिस्सा' था, वहीं आज वह 'दुनिया का नागरिक' बनने की होड़ में है। इस दौड़ में सबसे बड़ी क्षति 'लोक-स्मृतियों' की हुई है। दादा-दादी की कहानियों से मिलने वाले संस्कार और चौपालों पर मिलने वाले व्यावहारिक ज्ञान का स्थान अब गूगल और एआई ने ले लिया है।

हरियाणा के बदलते परिवेश को नकारना असंभव है, क्योंकि परिवर्तन ही प्रकृति का नियम है। लेकिन सांस्कृतिक विस्थापन को रोकना हमारे हाथ में है। अगर हम उस सोच को, उस भाईचारे को, और उस लोक-चेतना को अपने जीवन में फिर से स्थान दे सकें, तो हम आधुनिकता के साथ-साथ अपनी जड़ों को भी जीवित रख पाएंगे। दरअसल आज के बदलते दौर में गांव को 'स्मार्ट' बनाने के साथ-साथ हमें उसे फिर से 'संवेदनशील' बनाने की आवश्यकता है। क्योंकि अंततः, एक समाज की असली पहचान उसके कंक्रीट के जंगलों से नहीं, बल्कि उस भाईचारे से होती है जो मुश्किल घड़ी में एक-दूसरे के काम आता है।

सांस्कृतिक विरासत के सजग प्रहरी हैं मुकेश काले

कलाकार

अंकुर शर्मा

हरियाणा की माटी और यहां की आबोहवा में रची-बसी रागनियों ने न केवल इस प्रदेश को वैश्विक स्तर पर पहचान दी है, बल्कि सामाजिक सरोकारों और सांस्कृतिक विरासत को भी जीवंत रखा है। जब हम हरियाणा के लोक रंग की चर्चा करते हैं, तो अक्सर हमारा ध्यान पुराने दौर के गायकों पर जाता है, लेकिन वर्तमान समय में रेवाड़ी जिले के एक युवा कलाकार ने आधुनिकता और परंपरा के बीच एक ऐसा सेतु बनाया है जिसने सबको अचंभित कर दिया है। यह नाम है-मुकेश काले। मुकेश काले, जिनका मूल नाम मुकेश जांगड़ा है, का जन्म 29 नवंबर, 1999 को हरियाणा के रेवाड़ी जिले के एक छोटे से गांव देहलावास गुलाबपुरा में हुआ।

इनके पिता श्री हरिप्रकाश और माता आशा देवी ने बचपन से ही उन्हें संस्कारों की घुट्टी पिलाई। ग्रामीण परिवेश में पले-बढ़े काले का मन बचपन से ही चौपालों में होने वाली भजन मंडलियों और रागनियों में रमता था, जहां वे गांव की मंडलियों और जागरणों का हिस्सा बनते थे।अक्सर यह माना जाता है कि उच्च शिक्षा और तकनीकी क्षेत्र में जाने के बाद युवा अपनी जड़ों से कट जाते हैं, लेकिन काले ने इस धारणा को गलत साबित किया। उन्होंने देश के प्रतिष्ठित संस्थान एनआईटी, कुरुक्षेत्र से बी.टेक. की डिग्री हासिल की और वर्तमान में भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड में एक इंजीनियर के रूप में कार्यरत हैं। कार्यक्षेत्र की व्यस्तताओं के बावजूद, उनके भीतर का कलाकार निरंतर सक्रिय रहा है। काले की गायकी की जड़ें उन दिग्गजों के सान्निध्य में गहरी हुई हैं, जिन्होंने रेडियो और सांग के माध्यम से हरियाणा की लोक कला को जीवित रखा। वे प्रेम सिंह देहाती, रेडियो कलाकार गुलाब सिंह खांडेवाल, निरंजन सांगी और गढ़वा लाइन के मास्टर सतबीर पालेराम दहिया को अपना आदर्श मानते हैं और लंबे समय तक उन्हें ही सुन-सुनकर सीखा है।

उनकी लोकगीतों की ओर रुचि तब जगी, जब उन्होंने अनुभव किया कि पंडित लखमीचंद ने अपनी प्रसिद्ध रागनियों की धुनें लोकगीतों से ही प्रेरित होकर बनाई थीं। आज 'कइयो री खाती के लड़के ने', 'राम-लक्ष्मण दशरथ के बेटे' और 'दादा इस जांदे परदेस जाइये' उनके सबसे प्रिय लोकगीत हैं। मुकेश काले की सबसे बड़ी पहचान उनकी 'मोमेंटरी' गायकी है, जो किसी वाद्य यंत्र की मोहताज नहीं है। वे अक्सर एक साधारण मेज, स्कूल की बेंच या केवल अपने हाथ की थाप से ही वह लय पैदा कर देते हैं, जिसे सुनने के लिए लाखों लोग उनके सोशल मीडिया हैंडल पर उमड़ पड़ते हैं। उनका मानना है कि लोक संगीत लोगों के द्वारा, लोगों के लिए और लोगों के बीच ही जन्म लेता है। वे तर्क देते हैं कि जैसे कुम्हार बर्तन बनाते हुए या माताएं स्वेटर बुनते हुए गाती हैं, उन्हें किसी साज़ की ज़रूरत नहीं होती। संगीत अगर आपके भीतर है, तो वह कंप्यूटर पर काम करते हुए टेबल की थाप से भी प्रकट हो सकता है। उनकी इसी मौलिकता के कारण आज इंस्टाग्राम पर 62,000 और फेसबुक पर 36,000 से अधिक अनुयायी उनसे जुड़े हैं। काले केवल एक गायक ही नहीं, बल्कि एक गंभीर शोधार्थी भी हैं। वे उन 50-60 कवियों की रचनाओं को मुख्यधारा में लाना चाहते हैं जो समय के साथ दादा लखमीचंद और मांगेराम जैसे दिग्गजों के प्रभामंडल में कहीं ओझल हो गए। मुकेश काले इन विस्मृत रचनाओं पर निजी तौर पर शोध कर रहे हैं ताकि उन्हें पुनर्जीवित किया जा सके। उनका मुख्य ध्येय हरियाणा के 'लोक संगीत' को वैश्विक पहचान दिलाना है। वे भविष्य में एक 'हरियाणवी लोक बैंड' बनाने की दिशा में भी अग्रसर हैं, जो पारंपरिक रागनियों को अंतरराष्ट्रीय मंचों तक ले जा सके।'

मुकेश का सबसे बड़ा ध्येय पूर्णतः 'हरियाणवी' बनना है। वे सोशल मीडिया के माध्यम से हरियाणवी बोली को उसी मूल ध्वनि और उच्चारण में लिखना सीख रहे हैं, जैसा हम बोलते हैं, ताकि 'जेन-जी' पीढ़ी अपनी मातृभाषा की विशिष्टता को समझ सके।

मुकेश का सबसे बड़ा ध्येय पूर्णतः 'हरियाणवी' बनना है। वे सोशल मीडिया के माध्यम से हरियाणवी भाषा को उसी मूल ध्वनि और उच्चारण में लिखना सीख रहे हैं जैसा हम बोलते हैं, ताकि 'जेन-जी' पीढ़ी अपनी मातृभाषा की विशिष्टता को समझ सके। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के समक्ष हरियाणा का 'स्वर्ण जयंती गीत' प्रस्तुत कर चुके काले सिद्ध कर रहे हैं कि आधुनिकता का अर्थ अपनी जड़ों को छोड़ना नहीं है। एक इंजीनियर की तार्किक बुद्धि और एक लोक कलाकार का संवेदनशील हृदय जब साथ मिलते हैं, तो मुकेश काले जैसी प्रतिभा का जन्म होता है। आज के 'अपसंस्कृति' के दौर में वे हरियाणा की सांस्कृतिक चेतना के एक मजबूत स्तंभ हैं। उनकी यह यात्रा उन तमाम युवाओं के लिए प्रेरणा है जो अपनी संस्कृति को 'पिछड़ा' मानकर उससे दूर भागते हैं।

आदिवासी अंचलों में 8 युवा आईएएस अफसरों की तैनाती सहायक कलेक्टर बनकर संभालेंगे जिम्मेदारी

आयुषी को झाबुआ, आशी को धार, माधव को बड़वानी, सौम्या को सिंगरौली मिला...श्लोक कटनी, शिखा खंडवा, चेतन बैतूल पदस्थ

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

मप्र कैडर के वर्ष 2025 बैच के आठ युवा आईएएस अधिकारियों की पहली पोस्टिंग प्रदेश के आदिवासी और पिछड़े जिलों में सहायक कलेक्टर के रूप में की गई है। इसे प्रशासनिक दक्षता के साथ-साथ सामाजिक न्याय की दिशा में एक अहम कदम माना जा रहा है। यह निर्णय भी मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रशासनिक व्यवस्था को अधिक संवेदनशील और जन-केंद्रित बनाने के लिए लिया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव का मानना है कि जो अधिकारी अपने करियर की शुरुआत कठिन भौगोलिक परिस्थितियों और वंचित वर्गों के बीच काम करते हैं, वे आगे चलकर अधिक संवेदनशील, अनुभवी और जनहितैषी प्रशासक बनते हैं।

आदिवासी जिलों में कार्य करते हुए उन्हें न केवल प्रशासनिक चुनौतियों का सामना करना होगा, बल्कि स्थानीय संस्कृति, समस्याओं और जरूरतों को समझने का भी अवसर मिलेगा। प्रदेश के बालाघाट, मंडला, डिंडोरी, झाबुआ, अलीराजपुर, बड़वानी, अनूपपुर और श्योपुर जैसे आदिवासी बहुल जिलों को प्रशासनिक दृष्टि से चुनौतीपूर्ण माना जाता है। यहां की भौगोलिक परिस्थितियां, सीमित संसाधन और विकास की आवश्यकताएं अधिकारियों के लिए एक व्यावहारिक प्रशिक्षण का काम करेंगी।

आम लोगों की समस्याओं को समझें और उनके समाधान करें

प्रतीकात्मक फोटो।

मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया है कि अधिकारी केवल फाइलों तक सीमित न रहें, बल्कि जन-अधिकारी बनकर आम लोगों की समस्याओं को समझें और उनके समाधान के लिए सक्रिय रूप से कार्य करें। यह पहल आदिवासी समाज के लिए एक सकारात्मक संदेश भी है कि सरकार उनके विकास और अधिकारों को लेकर प्रतिबद्ध है। यह सभी अधिकारी अभी एक दिन पहले ही लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी, मसूरी में प्रशिक्षण पूर्ण करने के बाद मप्र लौटे हैं। इसके बाद सामान्य प्रशासन विभाग कार्मिक ने इन अधिकारियों को फील्ड में तैनात किया है। इनमें आयुषी बंसल को झाबुआ, आशी शर्मा को धार, माधव अग्रवाल को बड़वानी, सौम्या मिश्रा को सिंगरौली, श्लोक वायकर को कटनी, शिखा चौहान को खंडवा, चेतन उपाध्याय को बैतूल और शैलेन्द्र चौधरी को मंडला में पदस्थ किया गया है। मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव नीरज मंडलाई ने बताया कि यह निर्णय न केवल प्रशासनिक व्यवस्था को मजबूत करेगा, बल्कि प्रदेश के दूरस्थ और वंचित क्षेत्रों में विकास को भी नई गति देने में सहायक साबित होगा।

कलेक्ट्रेट के सभी मुख्य काम देखेंगे आईएएस एडीएम

सुमित पांडे, मेश्राम, नायक और शाक्या का कद घटा

भोपाल। नवागत कलेक्टर प्रियंक मिश्रा ने भोपाल में ज्वॉइनिंग के दस दिन बाद कलेक्टोरेट के चार अपर कलेक्टरों के बीच काम का बंटवारा कर दिया है। जिसमें आईएएस अपर कलेक्टर सुमित पांडे को कलेक्टोरेट की सबसे महत्तवपूर्ण जिम्मेदारियां सौपी गई हैं। इस कार्य विभाजन में अपर कलेक्टर प्रकाश नायक, अंकुर मेश्राम और पीसी शाक्या का कद घट गया है। पांडे को नजूल, आरआरसी, भू अर्जन, मेट्रो, भूमि आवंटन, आर्म्स शाखा, अन्य लाइसेंस, फूड, फूड सेफ्टी और ईसी एक्ट जैसे अहम काम दिए गए हैं। जबकि अंकुर मेश्राम को निर्वाचन की जिम्मेदारी दी गई है।

शाक्य देखेंगे कोर्ट केस, स्टेशनरी

पीसी शाक्य लिटिगेशन सुप्रीम कोर्ट हाईकोर्ट केस, सिविल कोर्ट, वक्फ बोर्ड, एनजीटी, नजारत, मंडार, स्टेशनरी, पुस्तकालय, रिकॉर्ड रूम, सूचना का अधिकार, भाड़ा नियंत्रण, जाति जांच, रेडक्रॉस सहित अन्य विभाग दिए हैं। मेश्राम को प्रोटोकाल, कार्ड वितरण कलेक्टर ने जारी आदेश में अपर कलेक्टर अंकुर मेश्राम को सबसे कम जिम्मेदारियां दी हैं। जिसके तहत उन्हें स्थापना, वित्त, विभागीय जांच, मुख्यमंत्री स्वेच्छानुदान, प्रोटोकाल, जिला स्तरीय कार्यक्रमों का समन्वय, कार्ड वितरण, निर्वाचन समेत अन्य काम सौंपे गए हैं।

चारों एडीएम के बीच किया गया काम का बंटवारा

कलेक्टर ने यह आदेश 21 अप्रैल को जारी है। जिसमें चारों एडीएम के बीच काम का बंटवारा किया गया है। जिसमें आईएएस और अपर कलेक्टर सुमित पांडे को भू संसाधन प्रबंधन, राहत एवं आपदा प्रबंधन, नजूल, आरआरसी, भू अर्जन, मेट्रो, भूमि आवंटन, आर्म शाखा, अन्य लाइसेंस, अनापत्ति प्रमाण पत्र, समस्त प्रकार की अनुमतियां, पंचसाक्षी उपलब्ध कराना, स्पेशल मैरिज एक्ट, हिंदू विवाह, फूड, फूड सेफ्टी, ईसी एक्ट, सिविल डिफेंस, खनिज सहित अन्य जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं।

खबर संक्षेप

केपी यादव मप्र सिविल सप्लाई कॉरपोरेशन के अध्यक्ष नियुक्त

भोपाल। मध्य प्रदेश में निगम-मंडलों में नई नियुक्तियों का सिलसिला जारी है। खाद्य, आपूर्ति, नागरिक एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग द्वारा जारी आदेश के अनुसार प्रमुख पदों पर नई जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। जारी आदेश में केपी यादव को मध्य प्रदेश सिविल सप्लाई कॉरपोरेशन का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। उनका कार्यकाल 2 वर्षों का रहेगा। वहीं संजय नगाईज को मध्य प्रदेश वेयरहाउसिंग कॉरपोरेशन एवं लॉजिस्टिक्स सर्विसेज का अध्यक्ष बनाया गया है, जिनका कार्यकाल 3 वर्षों का रहेगा। इसके अलावा संजीव कांकर को मध्य प्रदेश सिविल सप्लाई कॉरपोरेशन का उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। उल्लेखनीय है कि निगम-मंडलों के अध्यक्षों की भूमिका केवल औपचारिक नहीं होती, बल्कि वे संबंधित संस्थाओं की नीतिगत दिशा तय करने में अहम भूमिका निभाते हैं। मध्य प्रदेश सिविल सप्लाई कॉरपोरेशन के अध्यक्ष का मुख्य काम सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) के संचालन की निगरानी, खाद्यान्न के भंडारण एवं वितरण व्यवस्था को बेहतर बनाना और पारदर्शिता सुनिश्चित करना होता है। वहीं मध्य प्रदेश वेयरहाउसिंग कॉरपोरेशन के अध्यक्ष गोदामों के प्रबंधन, भंडारण क्षमता बढ़ाने, लॉजिस्टिक्स सिस्टम को मजबूत करने, किसानों एवं व्यापारियों के लिए सुविधाएं बेहतर बनाने की दिशा में काम करते हैं।

चना और मसूर की खरीदी मंडी शेड में करें, ताकि असमय बारिश से नुकसान न हो

सीएम ने कलेक्टरों से कहा, गेहूं उपार्जन में किसानों को न हो किसी प्रकार की परेशानी

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

प्रदेश में पर्याप्त बन्दोबस्त है आवश्यक बारदानों का, डॉ. मोहन ने की गेहूं उपार्जन की समीक्षा

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि किसानों के हित में गेहूं उपार्जन का लक्ष्य 78 लाख मीट्रिक टन से बढ़ाकर 100 लाख मीट्रिक टन कर दिया है। लघु एवं सीमांत कृषकों के साथ-साथ मध्यम एवं बढ़े किसानों के लिये भी स्लॉट बुकिंग प्रारम्भ कर दी गई है। उपार्जन केंद्रों की क्षमता 1000 क्विंटल प्रतिदिन से बढ़ाकर 2250 क्विंटल प्रतिदिन कर दी गई है। स्लॉट बुकिंग की तारीख 30 अप्रैल से बढ़ाकर 9 मई कर दी गई है। इन निर्णयों के बाद किसानों की आवक केंद्रों पर अब तेजी से बढ़ेगी। कलेक्टर्स अपने-अपने जिलों में तद्नुसार प्रबन्ध सुनिश्चित करें।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मुख्यमंत्री निवास स्थित समत्व भवन में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से प्रदेश में गेहूं उपार्जन की समीक्षा के दौरान यह निर्देश जिला कलेक्टर्स दिए। मुख्यमंत्री ने गेहूं उपार्जन का लक्ष्य 100 लाख मीट्रिक टन करने के लिए प्रधानमंत्री मोदी का आभार माना। मुख्यमंत्री ने कहा कि मंडियों में अपनी उपज बेचने आ रहे किसानों को समस्त प्रकार की सुविधायें उपलब्ध हों और किसी भी प्रकार से तकलीफ न हो। उपार्जन केन्द्रों पर तौल कांटें, हम्माल, छाया, पानी आदि की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। सभी कलेक्टर्स प्रतिदिन गेहूं खरीदी, परिवहन व्यवस्था, भंडारण तथा कृषकों के भुगतान की आवश्यक रूप से समीक्षा करें।

खास बातें

- किसान हितैषी निर्णयों से उपार्जन केन्द्रों पर बढ़ेगी आवक, कलेक्टर्स करें व्यवस्था सुनिश्चित
- प्रतिदिन गेहूं खरीदी, परिवहन व्यवस्था, भंडारण तथा कृषकों के भुगतान की करें समीक्षा

सीएम ने समत्व भवन में बैठक लेकर की गेहूं उपार्जन की समीक्षा।

चमक विहीन गेहूं की सीमा में 50 प्रतिशत तक शिथिलता

भारत सरकार के चमक विहीन गेहूं की सीमा में 50 प्रतिशत तक शिथिलता प्रदान की गई है। इसी प्रकार कम पानी के कारण अल्प विकसित दाने की सीमा 6 प्रतिशत से बढ़ाकर 10 प्रतिशत और क्षतिग्रस्त दानों की सीमा 6 प्रतिशत बढ़ाई गई है। बैठक में कृषि मंत्री एदल सिंह कंषाना, सहकारिता मंत्री विश्वास सारंग, मुख्य सचिव अनुराग जैन, अपर मुख्य सचिव नीरज मंडलोई, कृषि उत्पादन आयुक्त अशोक बर्णवाल तथा संबंधित विभागों के प्रमुख सचिव व अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

प्रदेश में 3516 उपार्जन केंद्रों से खरीदा 16.60 लाख मीट्रिक टन गेहूं

बैठक में बताया गया कि प्रदेश में 3 हजार 516 उपार्जन केन्द्र संचालित हैं। कुल 8 लाख 55 हजार कृषकों की ओर से स्लॉट बुकिंग कराई गई है, जिनमें से 3 लाख 96 हजार कृषकों से 16 लाख 60 हजार मीट्रिक टन गेहूं उपार्जित कर 2 हजार 527 करोड़ रुपए राशि का भुगतान किया जा चुका है। मध्यम एवं बड़े श्रेणी के 40 हजार 457 कृषकों की ओर से 5 लाख 88 हजार मीट्रिक टन मात्रा के स्लॉट बुक किए गए हैं। किसानों को तहसील के स्थान पर जिले के किसी भी उपार्जन केन्द्र पर उपज विक्रय की सुविधा दी गई है।

उपार्जन केन्द्र पर इलेक्ट्रॉनिक तौल कांटों की व्यवस्था हो

मुख्यमंत्री ने कहा कि चना और मसूर की खरीदी मण्डी में शेड के अंदर की जाए, ताकि असमय बारिश से नुकसान न हो। उन्होंने कहा कि चना-मसूर उपार्जन की व्यवस्था के संबंध में जिला स्तर पर व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित किया जाए। प्रदेश में आवश्यक बारदानों की व्यवस्था की जा चुकी है। प्रत्येक उपार्जन केन्द्र पर 7 दिवस की खरीदी के लिए बारदान की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। प्रत्येक उपार्जन केन्द्र पर न्यूनतम 6 इलेक्ट्रॉनिक तौल कांटों की व्यवस्था हों और निर्धारित मापदंडों के अनुसार ही गेहूं का उपार्जन किया जाए। उपार्जन केन्द्रों के अतिरिक्त कृषकों की ओर से मंडी में किए जा रहे उपज विक्रय की भी सतत निगरानी की जाए, जिससे कृषकों को कोई समस्या न हो। मुख्यमंत्री ने गुना, रायसेन, दतिया, सीधी, विदिशा के कलेक्टर्स से वर्चुअली संवाद कर जिलों की व्यवस्थाओं के संबंध में जानकारी प्राप्त की।

महिला पदयात्रा को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

जन-आक्रोश महिला पदयात्रा।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम का विरोध देश की आधी आबादी का अपमानः प्रदेशाध्यक्ष खंडेलवाल

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

कांग्रेस पार्टी ने हमेशा से महिलाओं को मिलने वाले अधिकारों का विरोध किया है। जिस समाज व राष्ट्र ने महिलाओं को अधिकारों से वंचित किया वह समाप्त हो गए। कांग्रेस महिला विरोधी मानसिकता के चलते लोकसभा में 'नारी शक्ति वंदन' अधिनियम का विरोध किया। कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों ने लोकसभा में सिर्फ एक अधिनियम का विरोध कर देश की आधी आबादी का अपमान किया है। मध्यप्रदेश और देश की नारी शक्ति कांग्रेस और विपक्षी दलों द्वारा किए गए अपमान का सबक जरूर सिखाएगी। यह बात यह बात भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल ने कही। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेशाध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल ने बैतूल जिला कार्यालय में जन आक्रोश महिला सम्मेलन को संबोधित किया।

बहनों का यह आक्रोश समाज में लाएगा जागृति

खण्डेलवाल ने कहा कि बहनें हमारे समाज की शक्ति हैं। जिस समाज और राष्ट्र में महिलाओं को अधिकारों से वंचित किया वे समाज और राष्ट्र समाप्त हो गए। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा सरकारें महिला सशक्तिकरण के लिए कार्य कर रही है। लोकसभा में जिस तरह विपक्ष ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम की खिलाफत की है उसके खिलाफ आज महिलाएं आक्रोशित हैं। महिलाओं का यह आक्रोश हर गली और गांव सहित देश में जागृति का काम करेगा। पार्टी का हर कार्यकर्ता अपने बूथ को और मजबूत करने में जुटे खण्डेलवाल ने जन आक्रोश महिला सम्मेलन से पहले बैतूल बाजार मंडल की बैठक को संबोधित किया।

माशिमं की कक्षा बारहवीं में खुशी राय और चांदनी विश्वकर्मा ने किया टॉप

12वीं टॉपर छात्राओं को दी जाएगी एक-एक लाख रुपए की राशि : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बारहवीं बोर्ड की प्रावीण्य सूची में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली छात्राओं खुशी राय और चांदनी विश्वकर्मा को एक-एक लाख रूपए की प्रोत्साहन प्रदान करने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दोनों छात्राओं को पुष्पगुच्छ और अंगवस्त्रम भेंट कर सम्मानित कर बधाई और शुभकामनाएं दी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दोनों छात्राओं को पुस्तकें भी भेंट कीं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव से भेंट करने तथा आशीर्वाद प्राप्त करने दोनों छात्राएं समत्व भवन (मुख्यमंत्री निवास) आईं थीं। उल्लेखनीय है कि खुशी राय शासकीय सुभाष उत्कृष्ट विद्यालय भोपाल और चांदनी विश्वकर्मा गुरूदेव शिक्षा केन्द्र नीलबड़ भोपाल की छात्राएं हैं। दोनों छात्राओं ने माध्यमिक शिक्षा मंडल की बारहवीं बोर्ड की परीक्षा में 500 में से 494 अंक प्राप्त कर संयुक्त रूप से प्रथम स्थान प्राप्त किया है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दी दोनों को बधाई

दोनों ही मामलों में पुलिस कर रही जांच

दो अलग-अलग हत्याओं की घटना से इलाके में सनसनी

हरिभूमि न्यूज ⏭ दुर्ग

जिले में एक ही दिन दो अलग-अलग थाना क्षेत्रों में हुई हत्या की वारदातों से सनसनी फैल गई है। पुलिस ने दोनों मामलों में पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और जांच शुरू कर दी है। पहली घटना भिलाई के खुर्सीपार थाना क्षेत्र की है जहां पुरानी रंजिश के चलते देर रात एक युवक की टंगिया से वार कर हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान विक्रम सोना (30 वर्ष) निवासी बापू नगर उड़िया बस्ती के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि मृतक विक्रम

आरोपी मुरली खेस के घर पुरानी बातों को लेकर विवाद करने पहुंचा था। इसी दौरान विवाद इतना बढ़ गया कि आरोपी मुरली ने टंगिया से उसके सिर पर ताबड़तोड़ वार कर दिया और मौके से फरार हो गया। परिजन घायल विक्रम को अस्पताल ले गए जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी है।

लेन-देन का वीडियो वायरल, आरक्षक निलंबित

राजनांदगांव। जिले में डायल 112 वाहन में कथित लेनदेन के वायरल वीडियो को लेकर वीडियो आने के बाद पुलिस अधीक्षक अंकिता शर्मा ने मामले में आरक्षक को निलंबित किया गया हैं। आरक्षक को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर रक्षित केंद्र अटैक किया गया है और पूरे मामले की जांच के निर्देश भी दिए गए हैं। आरक्षक का घुमका थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत चारभाटा के पास वीडियो वायरल हुआ था, जहां गाड़ी में बैठे एक पुलिसकर्मी को कथित रूप से पैसे लेते हुए वीडियो सामने आया था, जिसके बाद पुलिस अधीक्षक ने यह पूरी कार्रवाई की हैं। मामले में घुमका थाने में पदस्थ आरक्षक दिनेश पटेल पर आरोप लगा।

बाइक के उड़े परखच्चे, ट्रक को कब्जे में लिया

ट्रक की टक्कर से दो बाइक सवारों की दर्दनाक मौत

हरिभूमि न्यूज ⏭ बालोद

जिले के डौंडीलोहारा मार्ग पर स्थित परसूली-अछोली मोड़ के पास रविवार को एक सड़क हादसे में दो बाइक सवार युवकों की मौत हो गई। हादसा इतना भीषण था कि बाइक के परखच्चे उड़ गए और दोनों युवक सड़क किनारे जा गिरे।

सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। मिली जानकारी के अनुसार, दोनों युवक बाइक पर सवार होकर लोहारा की ओर से आ रहे थे। इसी दौरान परसूली-अछोली मोड़ के पास एक ट्रेलर की वजह से बाइक अनियंत्रित होकर राजनांदगांव की ओर से आ रहे धान से लदे ट्रक से जा टकराई। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि टक्कर इतनी जोरदार थी कि युवकों को संभलने का मौका भी नहीं मिला और उनकी मौके पर ही सांसें थम गईं। घटनास्थल पर मौजूद पुलिस ने

बताया कि प्राथमिक जांच और स्थानीय लोगों से मिली जानकारी के आधार पर मृतक ग्राम भुरकाभाट के निवासी बताए जा रहे हैं। मृतकों की आधिकारिक शिनाख्त नहीं हो सकी है। पुलिस ने उनके परिजनों को सूचना भेज दी है, जिनके पहुंचने के बाद ही शिनाख्त की कार्रवाई पूरी की जाएगी। हादसे के बाद सड़क पर लोगों की भीड़ जमा हो गई, जिससे कुछ देर के लिए आवागमन बाधित रहा। पुलिस ने ट्रक को कब्जे में ले लिया है और मामले की विस्तृत विवेचना की जा रही है। पुलिस का कहना है कि शिनाख्त होने के बाद शवों का पोस्टमार्टम कराकर उन्हें परिजनों को सौंप दिया जाएगा।

रायपुर से गिरफ्तार कर कवर्धा लाया गया, 10 मई को होना थी आरोपी की शादी

10 साल तक युवती से शारीरिक शोषण के आरोपी कांग्रेस नेता को शादी से पहले पुलिस ने किया गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭ कवर्धा

जिले से एक कांग्रेस नेता को लेकर बड़ी खबर सामने आ रही है। इस बड़े प्रकरण

में रायपुर पुलिस को बड़ी कामयाबी मिली है। बताया जाता है कि कांग्रेस नेता को शादी से ठीक पहले पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। एक युवती की ओर से गंभीर यौन शोषण के आरोपों के बाद यह गिरफ्तारी हुई है। इससे रायपुर समेत कबीरधाम में चर्चा का विषय बना हुआ है। आरोपी को रायपुर से गिरफ्तार किया गया। इसके बाद उसे कवर्धा लाया गया। सूत्रों के अनुसार, पुलिस को आरोपी की जानकारी मिलने पर टीम ने उसे हिरासत में लिया। कवर्धा के जिला किसान कांग्रेस के जिलाध्यक्ष रवि चंद्रवंशी पर एक युवती ने शादी का झांसा देकर यौन शोषण करने का आरोप लगाया है। युवती की शिकायत पर महिला थाना में एफआईआर दर्ज की गई थी। मामले की प्रारंभिक जांच के बाद आरोपों को गंभीर मानते हुए कार्रवाई की गई है।

पीड़िता को दिया था शादी का आश्वासन

खास और बड़ी बात यह है कि रवि चंद्रवंशी की शादी सात मई को तय थी। शादी की तैयारियां जोरों पर चल रही थीं। इस घटना को लेकर सियासी गलियारे में तरह-तरह की चर्चा हो रही है। युवती का आरोप है कि आरोपी ने उसे शादी का आश्वासन दिया था। इसके बाद कई बार शारीरिक संबंध बनाए और बाद में शादी करने से पीछे हट गया। फिलहाल, पुलिस मामले की गहन-जांच पड़ताल कर रही है। इस केस में दोनों पक्षों के बयान, सबूत और अन्य पहलुओं को शामिल कर जांच की जा रही है।

वर्ष 2016 से कर रहा था शारीरिक शोषण

इतना ही नहीं युवती का आरोप है कि कांग्रेस नेता ने उसे शादी का भरोसा देकर करीब 10 वर्षों तक उसका शारीरिक शोषण किया। शिकायत मिलते ही पुलिस हरकत में आई और मामला दर्ज कर जांच शुरू की। कवर्धा के डीएसपी आशीष शुक्ला ने बताया कि युवती ने लिखित आवेदन में कहा है कि साल 2016 से आरोपी ने शादी का वादा कर शारीरिक संबंध बनाए। शिकायत के आधार पर विभिन्न धाराओं में अपराध दर्ज किया गया है। पुलिस ने आरोपी कांग्रेस नेता रवि चंद्रवंशी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश करने की कार्रवाई शुरू कर दी है।

कांग्रेस के सीनियर नेताओं का करीबी

मामले में एफआईआर दर्ज होने के बाद पुलिस ने विशेष टीम का गठन किया था। टीम को पता चला कि आरोपी अपने घर पर नहीं है। रायपुर में जानकारी मिलने के बाद कबीरधाम पुलिस की टीम वहां गई थी। शनिवार देर रात आरोपी को गिरफ्तार कर कवर्धा महिला थाना लाया गया। जैसा कि सोशल मीडिया पर नजर आ रहा है कि आरोपी कांग्रेस के कई सीनियर नेताओं का करीबी रहा है। उसके कई नेताओं के साथ फोटो हैं। अपनी इसी पहुंच की वजह से उसे किसान नेता की कमान मिली थी। वह पूर्व में जोगी कांग्रेस में रहा है। बीते विधानसभा चुनाव में पंडरिया विधानसभा क्षेत्र से जोगी कांग्रेस की टिकट से चुनाव लड़ चुका है। हालांकि उसे हार का सामना करना पड़ा। दो साल पहले ही कांग्रेस में वापसी की है। वर्तमान में वह किसान कांग्रेस का जिला अध्यक्ष है। पार्टी आरोपी के ऊपर क्या कार्रवाई करती है, ये तो आने वाला वक्त ही बतायेगा।

इधर, तेज रफ्तार कार ने ग्रामीण को मारी टक्कर, मौके पर मौत

रायगढ़ जिले में शनिवार की दोपहर तेज रफ्तार कार की टक्कर से एक ग्रामीण की मौत हो गई। घटना की जानकारी के बाद मौके पर पहुंची पुलिस मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। घटना भूपदेवपुर थाना क्षेत्र की है। मिली जानकारी के अनुसार, पूनीराम सिदार निवासी ग्राम हरदीझरिया ने भूपदेवपुर थाने में रिपोर्ट लिखाते हुए बताया है कि दोपहर 3:45 बजे उसके पिता कमल सिंह सिदार कुछ सामान लेने एनएच की तरफ गए थे। इसी बीच गांव के ही रहने वाले राजू सिदार ने उसे बताया कि उसके पिता का एक्सीडेंट हो गया है। इस सूचना के बाद जब वह मौके पर पहुंचा तो देखा कि सड़क में उसके पिता कमल सिंह सिदार का शव पड़ा हुआ था और लोगों की भीड़ लगी हुई थी। वहीं मौके पर कार क्षतिग्रस्त हालत में खड़ी थी। कार चालक ने तेज रफ्तार वाहन चलाते हुए इस घटना को अंजाम दिया है। जिसके बाद सड़क हादसे की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस मृतक के शव को पोस्टमार्टम के अस्पताल भेज दिया है। बहरहाल मृतक के पुत्र की रिपोर्ट के बाद भूपदेवपुर पुलिस आरोपी कार चालक के खिलाफ के तहत अपराध दर्ज करते हुए आगे की कार्रवाई की जा रही है।

चिंतन

दुनिया को भारी पड़ रही दबाव की राजनीति

विश्लेषण
राज कुमार सिंह

अमेरिका-ईरान वार्ता में अब दोनों देश दबाव की राजनीति पर उतर आए हैं। अमेरिका जहां होर्मुज जलडमरूमध्य की नाकाबंदी कर दबाव बनाना चाहता है, वहीं ईरान होर्मुज को रोककर दुनिया पर दबाव बना रहा है। इससे तेल और गैस के दाम बढ़ रहे हैं। यही बढ़ोतरी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को दबाव में लाती है। यह बात ईरान भी समझ गया है कि इससे खाड़ी में अमेरिका के सहयोगी देशों पर भी दबाव पड़ता है, जिसका असर ट्रंप पर भी दिखाई देता है। दोनों देश यह खेल अपनी-अपनी मांगों को पूरा करवाने के लिए खेल रहे हैं। इसलिए यहां कूटनीति के बजाय दबाव की राजनीति हावी होती दिख रही है। संवाद की जगह रणनीतिक दबाव ने ले ली है। नतीजा यह है कि तनाव केवल दो देशों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि पूरी दुनिया इसकी कीमत चुका रही है। ईरान अमेरिका की शर्तों को पहले ही नकार चुका है। उसने शनिवार को पाकिस्तान में उसके प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ को अपनी नई मांगों का लंबा- चौड़ा पर्चा थमा दिया। इसके बाद अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल का पाक दौरा रद्द हो गया और वार्ता का यह दौर शुरू होने से पहले ही खत्म हो गया। ईरान यह बात पूरी तरह से समझ गया है कि ट्रंप अब खाड़ी युद्ध से निकलने का बहाना ढूंढ रहे हैं। इसमें ईरान से ऐसा आश्वासन चाहते हैं कि वह कह सकें कि वे जीत गए हैं। ईरान भी कुछ इस तरह का ही आश्वासन चाहता कि वह भी कह सके कि हम भी जीत गए हैं। अमेरिका की रणनीति भी कम आक्रामक नहीं है। वह दबाव बनाकर 'अनुकूल समझौता' चाहता है, ऐसा समझौता जिसे घरेलू राजनीति में जीत के तौर पर पेश किया जा सके, लेकिन यही वह बिंदु है, जहां कूटनीति कमजोर पड़ जाती है। जब वार्ता का उद्देश्य समाधान के बजाय 'जीत का नैरेटिव' बन जाता है तो समझौते की संभावनाएं स्वतः सीमित हो जाती हैं। असल समस्या यह है कि दोनों पक्ष "झुकने" को कमजोरी मान रहे हैं, जबकि कूटनीति में यही झुकाव समाधान का रास्ता खोलता है। इतिहास गवाह है कि बड़े से बड़े संकट भी तब सुलझे हैं, जब पक्षों ने अपने अहंकार को पीछे छोड़कर व्यावहारिकता को अपनाया है। मौजूदा हालात में न तो अमेरिका पीछे हटने को तैयार दिखता है और न ही ईरान। यह गतिरोध केवल क्षेत्रीय संकट नहीं है। इसका प्रभाव वैश्विक स्तर पर महसूस किया जा रहा है। अगर यह टकराव और बढ़ता है तो इसके परिणाम और गंभीर हो सकते हैं। एक क्षेत्रीय विवाद वैश्विक संकट में तब्दील हो सकता है, जिसकी कीमत पूरी दुनिया को चुकानी पड़ेगी। सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि संवाद के रास्ते बंद होते जा रहे हैं। जब वार्ता शुरू होने से पहले ही रद्द हो जाए, तो यह संकेत है कि विश्वास का संकट गहरा चुका है। ऐसे माहौल में छोटी-सी चिंगारी भी बड़े टकराव का रूप ले सकती है। ऐसे में यह गतिरोध कब टूटेगा, यह कहना बेहद मुश्किल है, लेकिन यह स्पष्ट है कि अमेरिका समेत दुनिया के लोग इस अहम के टकराव का नतीजा भुगत रहे हैं। दबाव की राजनीति अल्पकालिक जीत तो दिला सकती है, लेकिन स्थायी शांति नहीं। अमेरिका और ईरान दोनों को यह समझना होगा कि शक्ति प्रदर्शन से ज्यादा प्रभावी है संतुलित और सम्मानजनक संवाद। दुनिया आज जिस अस्थिरता से गुजर रही है, उसमें टकराव नहीं, बल्कि समाधान की जरूरत है। अगर समय रहते यह समझ नहीं आई, तो यह 'दबाव का खेल' पूरी दुनिया पर भारी पड़ता रहेगा।

ज्यादा मतदान होने के किंतु-परंतु

बेशक पश्चिम बंगाल में मतदान का दूसरा चरण शेष है, जिसमें 142 विधानसभा सीटों पर वोट डाले जाएंगे, लेकिन उसमें भी उच्च मतदान प्रतिशत को लेकर संशय का कोई कारण नजर नहीं आता। हाई वोल्टेज चुनाव प्रचार और अभूतपूर्व सुरक्षा प्रबंधों वाले पश्चिम बंगाल में पहले चरण में 16 जिलों की 152 सीटों के लिए 92 प्रतिशत से भी ज्यादा मतदान हुआ है, जो चुनाव आयोग के मुताबिक राष्ट्रीय रिकॉर्ड है। दशकों बाद बंगाल में व्यापक हिंसा के बिना मतदान एक सुखद आश्चर्य भी है। वैसे जिन चार राज्यों– असम, केरल, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल और एक केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी में चुनाव प्रक्रिया जारी है, उन सभी में मतदान का उच्च प्रतिशत सामने आया है।

अक्सर कम मतदान प्रतिशत पर चिंता जतायी जाती है, लेकिन इस बार असम, केरल, पुडुचेरी, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में उच्च मतदान प्रतिशत ने राजनीतिक दलों- उम्मीदवारों की धुकधुकी और चुनावी पंडितों का काम बढ़ा दिया है। बेशक पश्चिम बंगाल में मतदान का दूसरा चरण शेष है, जिसमें 142 विधानसभा सीटों पर वोट डाले जाएंगे, लेकिन उसमें भी उच्च मतदान प्रतिशत को लेकर संशय का कोई कारण नजर नहीं आता। हाई वोल्टेज चुनाव प्रचार और अभूतपूर्व सुरक्षा प्रबंधों वाले पश्चिम बंगाल में पहले चरण में 16 जिलों की 152 सीटों के लिए 92 प्रतिशत से भी ज्यादा मतदान हुआ है, जो चुनाव आयोग के मुताबिक राष्ट्रीय रिकॉर्ड है। दशकों बाद बंगाल में व्यापक हिंसा के बिना मतदान एक सुखद आश्चर्य भी है। वैसे जिन चार राज्यों- असम, केरल, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल और एक केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी में चुनाव प्रक्रिया जारी है, उन सभी में मतदान का उच्च प्रतिशत सामने आया है।

मसलन, 23 अप्रैल को ही तमिलनाडु में सभी 234 सीटों के लिए हुए मतदान का प्रतिशत 85 से भी ज्यादा रहा। नौ अप्रैल को असम में हुए मतदान का प्रतिशत 85 से भी ज्यादा रहा तो पुडुचेरी में 89 प्रतिशत से भी ज्यादा ऐतिहासिक मतदान हुआ। केरल ने भी 78 प्रतिशत से ज्यादा मतदान से 39 साल का रिकॉर्ड तोड़ दिया। निश्चय ही उच्च मतदान प्रतिशत लोकतंत्र के लिए सकारात्मक है, लेकिन राजनीतिक दलों के लिए इसके परिणाम विरोधाभासी रहे हैं। चुनावी राजनीति में अंतिम क्षणों तक हार नहीं मानी जाती। सो, सत्ता के सभी दावेदार उच्च मतदान प्रतिशत की मन मुताबिक व्याख्या करते हुए उसे अपने अनुकूल बता रहे हैं।

केंद्रीय गृह मंत्री एवं भाजपा के मुख्य चुनावी रणनीतिकार अमित शाह ने तो परिवर्तन की लहर बताते हुए 152 में से ही 110 सीटें जीतने की भविष्यवाणी भी कर दी है। दरअसल मतदान प्रतिशत की परंपरागत सरल व्याख्या यही की जाती रही है कि कम मतदान का अर्थ है कि मतदाता उदासीन हैं। यह भी कि वे वर्तमान सरकार के कामकाज से संतुष्ट हैं या उन्हें किसी से बेहतरी की उम्मीद नहीं, इसलिए किसी बदलाव की व्याकुलता उनमें नहीं है। इसी सोच से ज्यादा मतदान प्रतिशत का अर्थ यह निकाल लिया जाता है कि सत्ता विरोधी भावना तीव्र है और वर्तमान सरकार से असंतुष्ट मतदाता बदलाव के लिए व्याकुल हैं। बेशक मतदान प्रतिशत की यह व्याख्या मानवीय स्वभाव का सहज-सरल विश्लेषण करती है, लेकिन तमाम चुनावों में मतदान प्रतिशत में कमी या वद्धि के बाद आये परिणाम इसकी पूर्णतः पुष्टि नहीं करते। आम तौर पर मान लिया जाता है कि मतदान में तीन से चार प्रतिशत की वृद्धि से सरकार बदल जाती है, लेकिन फिलहाल देश-दुनिया की निगाहों का केंद्र बने पश्चिम बंगाल में भी कम-ज्यादा मतदान के मिश्रित परिणाम सामने आते रहे हैं। मसलन, आपातकाल के विरुद्ध राष्ट्रव्यापी आक्रोश के बावजूद 1977 में पश्चिम बंगाल में मतदान का प्रतिशत 52 ही रहा, पर कांग्रेस सत्ता से विदा हो गई।

वाम मोर्चा ने लगभग साढ़े तीन दशक तक बंगाल पर निष्कंटक राज किया, पर 2011 के विधानसभा चुनाव में जब ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस ने उससे सत्ता

छीनी, तब मतदान का प्रतिशत 84 के पार चला गया। ममता के दो मुख्यमंत्रित्व काल के बाद जब 2021 के चुनाव में मतदान प्रतिशत 82 रहा तो चुनावी पंडितों ने उसे सत्ता विरोधी भावना का संकेत माना, लेकिन 200 सीटें जीतने का दावा करने वाली भाजपा 77 पर ही अटक गई। नीतीश कुमार के जद यू ने भाजपा का साथ छोड़ कर 2015 का बिहार विधानसभा चुनाव लालू यादव के राजद और कांग्रेस के साथ महागठबंधन में लड़ा था, लेकिन मात्र 57 प्रतिशत मतदान के बावजूद जबर्दस्त जीत हासिल की।

एसआईआर विवाद के बीच हुए 2025 के बिहार विधानसभा चुनाव में मतदान का प्रतिशत 67 तक पहुंच गया, लेकिन पाला बदल कर फिर राजग में आ चुके नीतीश की सत्ता बरकरार रही। हां, पिछली बार सबसे बड़ा दल बना राजद आश्चर्यजनक रूप से 25 सीटों पर सिमट गया। पड़ोसी राज्य उत्तर प्रदेश में 2017 के विधानसभा चुनाव में 61 प्रतिशत रिकॉर्ड मतदान हुआ तो सपा को सत्ता से बेदखल कर अरसे बाद प्रचंड बहुमत से भाजपा ने सत्ता में वापसी की। इसी तरह 2018 के विधानसभा चुनाव में जब त्रिपुरा में मतदान का प्रतिशत 89 पार पहुंचा तो वाम सत्ता को उखाड़ कर भाजपा सत्तासीन हो गई। कम-ज्यादा मतदान प्रतिशत के चुनावी परिणामों के मामले में अन्य राज्यों के अनुभव भी मिले-जुले रहे हैं। इसलिए मतदान प्रतिशत के आधार पर कोई एक धारण बना लेना तर्कसम्मत नजर नहीं आता, क्योंकि उसमें कई कारक प्रभावी रहते हैं। इसीलिए चुनाव आयोग से अपेक्षा रहती है कि वह मतदाताओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए मतदान की तारीखें तय करे और सुरक्षा के पर्याप्त प्रबंध भी करे। बेशक पश्चिम बंगाल में उच्च मतदान प्रतिशत में अभूतपूर्व सुरक्षा प्रबंधों की भी भूमिका रही होगी।

लगातार तीन कार्यकाल के बाद सत्ता विरोधी भावना को भी पूरी तरह नकारा नहीं जा सकता, लेकिन अन्य कारणों को नजरअंदाज करना भी समझदारी नहीं होगी। बिहार से शुरू एसआईआर विवाद से बड़ी संख्या में लोगों को मताधिकार ही नहीं, अपनी नागरिकता पर भी तलवार लटकी नजर आ रही है। रोजी-रोटी की तलाश में पलायन को मजबूर प्रवासी इसीलिए बड़ी संख्या में जैसे-तैसे इस बार मतदान के लिए अपनी घर वापसी की कवायद करते दिखे। नागरिकता पर संकट तो जीवन के लिए ही महासंकट है। मताधिकार से वंचित और मतदान में अनुपस्थित होने पर, तमाम राज्य सरकारों द्वारा जन कल्याण के नाम पर शुरू नकदी तथा मुफ्त योजनाओं के लाभार्थियों की सूची से भी नाम कट जाने का खतरा है। इनमें भी महिला केंद्रित योजनाएं ज्यादा हैं, जिनका परिणाम महिलाओं की मतदान में लगातार बढ़ती हिस्सेदारी के रूप में सामने आ रहा है।

जब प्रवासी महिलाएं मतदान के लिए अपने घर लौटती हैं तो परिवार के पुरुष सदस्य भी लौटेंगे ही और जब लौटेंगे तो मतदान भी करेंगे। वैसे मतदान के प्रतिशत में उछाल का एक और तार्किक कारण एसआईआर में बड़ी संख्या में मतदाताओं के नाम कट जाना भी हो सकता है। काटे गये नामों की संख्या और कारणों पर विवाद सर्वोच्च न्यायालय तक पहुंचे हैं। प्रभावित वर्गों में एसआईआर प्रक्रिया के विरुद्ध गोलबंदी भी उच्च मतदान प्रतिशत का कारण हो सकती है। बेशक नाम कटने से मतदाताओं की संख्या घटी है, पर अगर नाम काटे गए मतदाताओं में से बहुत सारे वास्तव में हैं ही नहीं, तो पिछली बार जितने ही मतदाताओं द्वारा मतदान करने पर भी मतदान का प्रतिशत अपने आप बढ़ जाएगा।

(लेखक राजनीतिक विश्लेषक हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)
लेख पर अपनी प्रतिक्रिया haribhoomi@gmail.com पर दे सकते हैं।

आर्थिकी
डॉ. जयंतीलाल भंडारी

भारत से खाद्यान्न निर्यात होने का नया परिदृश्य

हाल ही में केंद्र सरकार ने गेहूं निर्यात को 25 लाख टन से बढ़ाकर 50 लाख टन किए जाने का निर्णय लिया है। साथ ही 10 लाख टन गेहूं उत्पादों के निर्यात की भी अनुमति दी है। इससे जहां वैश्विक खाद्य संकट के बीच गेहूं की वैश्विक आपूर्ति में मदद मिलेगी, वहीं घरेलू बाजार में स्थिरता बनाए रखने और किसानों को लाभकारी मूल्य मिलना भी सुनिश्चित हो सकेगा। इस परिप्रेक्ष्य में यह बात भी महत्वपूर्ण है कि 24 अप्रैल को केंद्र सरकार ने न्यूनतम समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीद के लिए वर्ष 2026-27 का लक्ष्य 15 प्रतिशत बढ़ाकर 3.45 करोड़ टन कर दिया है, जो अब तक का गेहूं खरीद का रिकॉर्ड स्तर है। इससे गेहूं उत्पादक किसान अत्यधिक लाभांवित होंगे। गौरतलब है कि अमेरिका और ईरान के बीच पश्चिम एशिया में संघर्ष से दुनियाभर में खाद्य संकट बढ़ गया है। चूंकि इस युद्ध के कारण उर्वरकों की भारी कमी और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला को नुकसान पहुंचा है, उसे ठीक होने में महीनों लग सकते हैं, अतएव दुनिया में खाद्यान्न के दाम ऊंचे बने रहने के साथ खाद्य सुरक्षा के लिए संकट बना रहने का खतरा है। हाल ही में प्रकाशित वर्ल्ड फूड प्रोग्राम (डब्ल्यूएफपी) की रिपोर्ट के मुताबिक इस समय दुनिया में 31.9 करोड़ लोग भूख से पीड़ित है। अब पश्चिम एशिया दुनिया के लाखों अतिरिक्त लोग भूखमरी का शिकार होते हुए दिखाई दे रहे हैं। ऐसी भयावह वैश्विक भूख की चुनौती के बीच भारत खाद्यान्न सुरक्षा के मामले में अनुकूल स्थिति में है और दुनिया को भूख की चुनौती से राहत दिलाने के मद्देनजर खाद्यान्न निर्यात के लिए तत्पर है। यह कोई छोटी बात नही है कि इस समय भारत की मुठ्ठी में 31 मार्च 2026 तक 6.02 करोड़ टन गेहूं और चावल का रिकार्ड सुरक्षित भंडार (बफर स्टॉक) भारत की आर्थिक ताकत बन गया है। इस रिकॉर्ड खाद्यान्न भंडार से भारत एक साल तक की अपनी खाद्यान्न की जरूरत को सरलतापूर्वक पूरा कर सकता है। इस समय देश के 80 करोड़ से अधिक कमजोर वर्ग के लोगों को निःशुल्क खाद्यान्न वितरित किया जा रहा है। वर्ष 2025-26 के लिए मुख्य फसलों के उत्पादन के दूसरे अग्रिम अनुमान के मुताबिक इस बार खाद्यान्न उत्पादन का परिदृश्य ऐतिहासिक स्तर पर है। वर्ष 2025-26 के लिए खरीफ खाद्यान्न उत्पादन 17.41 करोड़ टन और रबी खाद्यान्न उत्पादन 17.45 करोड़ टन रहने का अनुमान है। यह पिछले वर्ष 2024-25 की तुलना में एक बड़ी छलांग है। पिछले वर्ष खरीफ उत्पादन 16.94 करोड़ टन था, जिसमें इस बार लगभग 2.8 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। वहीं, रबी उत्पादन पिछले वर्ष 16.91 करोड़ टन था, जिसमें इस बार 3.2 प्रतिशत की शानदार वृद्धि देखी गई है। देश की थाली के सबसे अहम हिस्से यानी चावल और गेहूं के मोर्चे पर भी भारत ने अपनी जोरदार बढ़त कायम रखी है। दालों के उत्पादन में भी पिछले वर्ष की तुलना में बढ़त इस बार उभरकर दिखाई दे रही है। स्पष्ट दिखाई दे रहा है कि ईरान-अमेरिका युद्ध विराम के पहले खाद्यान्न की बढ़ती वैश्विक कीमतों के बीच भारत में अनाज का रिकॉर्ड उत्पादन एक 'सुरक्षा कवच' की तरह रहा है। छह साल पहले कोरोना से जंग में देश के खाद्यान्न भंडार देश के लिए हथियार बन गए थे। हाल ही में दुनिया के कृषि विशेषज्ञ और ब्राजील पोटाश के सीईओ मेट सिंपसन ने कहा कि दुनिया में लगातार खाद्य संकट बढ़ता जा रहा है। उर्वरक की कमी के कारण यूरोप और उत्तरी अमेरिका में कृषि उत्पादों की बुआई पर गंभीर प्रभाव पड़ रहा है। ऐसे में कई देशों के लिए खाद्यान्न का बड़े पैमाने पर आयात जरूरी होता जा रहा है। कोरोनाकाल में भारत ने जरूरतमंद देशों को खाद्यान्न का निर्यात भी किया था। अब एक बार फिर जब दुनिया में खाद्यान्न आपूर्ति में व्यवधान है, तब भारत नए खाद्यान्न निर्यात आदेशों की पूर्ति के लिए तत्पर दिखाई दे रहा है। निःसंदेह कृषि भारतीय अर्थव्यवस्था का मुख्य आधार और देश के दीर्घकालिक विकास का एक महत्वपूर्ण स्तंभ है। खासतौर से विगत कुछ वर्षों में कृषि क्षेत्र व छोटे किसानों की मजबूती के लिए कई प्रभावी कदम उठाए गए हैं। 'पीएम किसान सम्मान निधि' और न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) जैसे कई कार्यक्रमों से देश का कृषि क्षेत्र लगातार मजबूत हुआ है। इस बात पर भी ध्यान देना होगा कि अनाज बर्बाद होने से बचाने के लिए देश में 2028 तक सहकारी क्षेत्र में 700 लाख टन अनाज भंडारण की नई क्षमता विकसित करने की महत्वाकांक्षी योजना को तेजी से कारगर क्रियान्वयन की डगर पर आगे बढ़ाया जाए। उम्मीद करें कि खाद्यान्न संकट की वैश्विक चिंताओं के बीच भारत रिकॉर्ड खाद्यान्न भंडार से देश के आम आदमी की खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करते हुए दुनिया में खाद्यान्न निर्यात में अहम योगदान देने वाले प्रमुख कृषि निर्यातक देश के रूप में भी रेखांकित होते हुए दिखाई देगा।

(लेखक ख्यात अर्थशास्त्री हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

जीवन प्रक्रिया की छानबीन

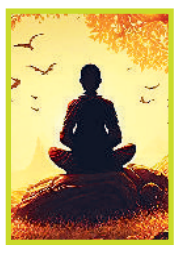

संकलित
दर्शन

योग किसी धर्म-संप्रदाय से नहीं जुड़ा है। योग प्रेम, अहिंसा, करुणा और सबको साथ लेकर चलने की बात करता है। योग धर्म, जाति, वर्ण, क्षेत्र या भाषा के आधार पर जन्मे भेदभाव से परे है, इसलिए इसमें पूरी दुनिया को एक परिवार के तौर पर बांधने की क्षमता है। योग, जीवन-प्रक्रिया की छानबीन है। यह सभी धर्मों से पहले अस्तित्व में आया और इसने मानव के सामने संभावनाओं को खोलने का काम किया, जिससे इंसान प्रकृति द्वारा तय की गई सीमाओं से परे जा सके। आंतरिक व आत्मिक विकास, मानव कल्याण व मुक्ति से जुड़ा यह विज्ञान भावी पीढ़ी के लिए एक महानतम उपहार है। आज योग विज्ञान जितना महत्वपूर्ण है, इससे पहले यह कभी इतना महत्वपूर्ण नहीं रहा। क्योंकि आज हमारे पास विज्ञान और तकनीक के तमाम साधन मौजूद हैं, जो इस दुनिया को बना और मिटा सकते हैं। ऐसे में यह बेहद महत्वपूर्ण हो जाता है कि हमारे भीतर जीवन के प्रति जागरूकता और ऐसा भाव बना रहे कि हम हर दूसरे प्राणी को अपना ही अंश महसूस कर सकें, वरना अपने सुख और भलाई के पीछे की हमारी दौड़ सब कुछ बर्बाद कर देगी। अगर दुनिया की कुछ आबादी भी योग और ध्यान के मार्ग पर चलने लगे तो निश्चित तौर पर दुनिया की गुणवत्ता और स्तर में सुधार आएगा। जीवन के प्रति अपने दृष्टिकोण में विस्तार व व्यापकता लाने में ही मानव-जाति की सभी समस्याओं का समाधान है। उसे निजता से सार्वभौमिकता या समग्रता की ओर चलना होगा।

तुलसीदास जी द्वारा ब्राह्मण को जीवन दान

संकलित
प्रेरणा

भक्तमाल में वर्णन है कि एक ब्राह्मण था, परंतु कुछ विद्वान बताते है कि वह ब्राह्मण नहीं, एक भुलई नाम का कलवार था जो भक्ति पथ और गोस्वामी जी की निन्दा किया करता था। उसकी मृत्यु हो गई, उसकी पत्नी उसके साथ सती होने के लिए जा रही थी। गोस्वामी तुलसीदास जी अपनी कुटी के द्वार पर बैठे हुए भजन कर रहे थे। उस ब्राह्मण की स्त्री ने उन्हें दूर से ही देखा तो फिर श्री चरणों में आकर इन्हें प्रणाम किया। तुलसीदास जी ने उसे आशीर्वाद देते हुए कहा कि सौभाग्यवती होओ। उस स्त्री ने कहा कि मेरे पति का देहांत हो गया है और मैं सती होने के लिए श्मशान घाट पर जा रही हूँ। तब इस आशीर्वाद का क्या अर्थ होगा? गोस्वामीजी ने कहा कि अब तो मेरे मुख से आशीर्वाद निकल चूका है, यदि तुम और तुम्हारे परिवार के लोग भगवान श्रीराम का भजन करें तो मै तुम्हारे मृत पति को जीवित कर दूँगा। यदि काल सत्य है, तो मेरे प्रभु काल के भी काल है, यह बात भी तो सत्य है। उस स्त्री ने अपने सभी कुटुम्बियों को बुलाकर कहा कि यदि आप लोग सच्चे हृदय से श्रीराम भक्ति करने की दृढ़ प्रतिज्ञा करे तो मेरे यह मृत पति जीवित हो जायेंगे। सभी ने गोस्वामीजी की बात को स्वीकार करते हुए श्रीराम नाम का संकीर्तन प्रारंभ किया। तब गोस्वामी जी ने उसे सुंदर भक्तिमय जीवन दान दिया। श्री राम की कृपा से उस ब्राह्मण को जीवन दान मिल गया और इससे प्रभावित होकर उसके परिवार के लोग भगवद्भक्त हो गए ।

अंतर्मन

आज की पाती

मतदान प्रतिशत बढ़ने के मायने

लोकतंत्र को मजबूत करने में सबसे बड़ा योगदान होता है मतदाता का। जितना ज्यादा मतदान होगा लोकतंत्र उतना मजबूत होगा और लोकतंत्र की व्याधियां दूर होंगी, लेकिन यह तभी संभव है जब मतदाता राजनीतिक तौर पर जागरूक होकर मतदान करें। हाल ही में बंगाल-तमिलनाडु में बंपर मतदान इस बार के विधानसभा चुनाव में हुआ, और बताया जा रहा है कि वहां आजादी के बाद यह सबसे ज्यादा मतदान का आंकड़ा है। बंगाल में लगभग 92 और तमिलनाडु में लगभग 84 प्रतिशत से ऊपर का मतदान हुआ है। इस भारी मतदान से सभी राजनीतिक दल यह अंदाजा लगा रहे हैं कि यह मतदान हमारे पक्ष में हुआ है, लेकिन लोकतंत्र में हर चुनाव में ऊंट किस करवट बैठ जाए, कोई पता नहीं। परिणाम आना अभी शेष है। –राजेश पटवा, बिलासपुर

ट्रेंड

टीएमसी की हार तय

बनगाँव में हुई विशाल रैली से यह स्पष्ट और निर्णायक संकेत मिलता है कि टीएमसी की हार निश्चित है। पश्चिम बंगाल भर में भ्रष्टाचार, कुशासन और टूटे वादों को लेकर लोगों का गुस्सा चरम पर है।
- नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

रघु राय को श्रद्धांजलि

रघु राय के लेंस ने छह दशकों से अधिक समय तक भारत की आत्मा को अपने कैमरे में कैद किया। उन्होंने सिर्फ तस्वीरें नहीं खींचीं, बल्कि हमारे राष्ट्र की स्मृति को संजोकर रखा। उनके परिवार, सहयोगियों और उनकी कला से प्रभावित अनगिनत प्रशंसकों के प्रति मेरी हार्दिक संवेदनाएं।
- राहुल गांधी, सांसद, कांग्रेस

सामूहिक जिम्मेदारी

भीषण गर्मी का सबसे भयावह असर हमारे श्रमिक भाइयों और बहनों पर पड़ रहा है। यदि आपके घर या आसपास कोई श्रमिक काम कर रहा है, तो उनके लिए पानी और ठंडक की उचित व्यवस्था करें। इनकी सुरक्षा और स्वास्थ्य हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है।
-अरविंद केजरीवाल, पूर्व सीएम, नई दिल्ली

हमारा वास्तविक भविष्य

हमारी फसलों का स्वास्थ्य ही हमारा वास्तविक भविष्य है। यदि फसल सुरक्षित और फलदायी होगी तो किसानों और राष्ट्र का भविष्य भी समृद्ध होगा। क्रिस्टल क्रॉप प्रोटेक्शन के साथ, बेहतर भविष्य की ओर एक कदम।
- अक्षय कुमार, बॉलीवुड एक्टर

करंट अफेयर

संरा महासचिव के उम्मीदवारों से कई मुद्दों पर सवाल-जवाब

संयुक्त राष्ट्र का अगला महासचिव बनने की दौड़ में शामिल चार उम्मीदवारों ने इस सप्ताह दुनिया में शांति बहाल करने, बढ़ती गरीबी रोकने और वैश्विक संकटों से निपटने जैसे मुद्दों पर कड़े सवालों का सामना किया। संयुक्त राष्ट्र महासभा की अध्यक्ष एनालेना बेयरबॉक ने इसे नौकरी के लिए दुनिया के सबसे कठिन साक्षात्कारों में से एक बताया। इन उम्मीदवारों में चिली की पूर्व राष्ट्रपति मिशेल बाचेलेत, अर्जेंटीना के राफेल ग्रोसी, कोस्टा रिका की रेबेका ग्रिन्सपैन और सेनेगल के पूर्व राष्ट्रपति मैकी साल शामिल हैं। इसके अलावा, अन्य उम्मीदवार भी बाद में इस दौड़ में शामिल हो सकते हैं। संयुक्त राष्ट्र के वर्तमान महासचिव एंतोनियो गुतारेस का कार्यकाल एक जनवरी को समाप्त होगा। चारों उम्मीदवारों ने कहा कि वे संयुक्त राष्ट्र के तीन मुख्य स्तंभों शांति, विकास और मानवाधिकार को प्राथमिकता देंगे। उन्होंने ईरान, गाजा, यूक्रेन और सूडान जैसे संकटग्रस्त क्षेत्रों में संयुक्त राष्ट्र की सीमित भूमिका पर चिंता जताई और संस्था में सुधार की जरूरत बताई। मिशेल बाचेलेत (74) ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र को संकट आने से पहले उन्हें रोकने की क्षमता विकसित करनी होगी। उन्होंने संवाद, एकजुटता और सक्रिय नेतृत्व पर जोर दिया।

ऑफ बीट

'इंटरवल रनिंग' भी सेहत के लिए बेहद उपयोगी

दौड़ना न केवल बीमारियों से बचाव करता है, मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाता है बल्कि उम्र बढ़ने की प्रक्रिया को भी धीमा करता है। इंटरवल रनिंग वास्तव में हाई-इंटेंसिटी इंटरवल ट्रेनिंग (एचआईआईटी) का एक हिस्सा है, जिसमें तीव्र गति से दौड़ने के छोटे सत्रों के बाद विश्राम या धीमी गति से दौड़ने का समय शामिल होता है। यह पद्धति पिछले कुछ वर्षों में टबाटा और क्रॉसफिट जैसे वर्कआउट्स के ज़रिये लोकप्रिय हुई है। कैसे काम करता है इंटरवल रनिंग : एचआईआईटी में, उदाहरण के तौर पर, 30 सेकंड तक तेज़ गति से दौड़ने के बाद 30 सेकंड का आराम किया जाता है। यह प्रक्रिया कई बार दोहराई जाती है। इसी सिद्धांत को दौड़ने में शामिल करते हुए, "10-20-30 विधि" अपनाई जा सकती है, जिसमें पहले 30 सेकंड तक चलना या हल्की दौड़, फिर 20 सेकंड तक मध्यम गति की दौड़ और फिर 10 सेकंड की तेज़ स्प्रिंटिंग यानी तेज गति से दौड़ शामिल होती है। "फार्टलेक" स्वीडिश शब्द है जिसका अर्थ 'स्पीड प्ले'' होता है। व्यायाम के लिए यह विधि भी एक आसान तरीका है जिसमें धीमी दौड़ के बीच-बीच में कुछ सेकंड की तेज़ दौड़ शामिल होती है। इंटरवल रनिंग हृदय संबंधी सेहत, मेटाबॉलिक स्वास्थ्य और शारीरिक संरचना (वसा की मात्रा और वितरण) में बेहतर सुधार लाती है।

अपने विचार

हरिभूमि कार्यालय

टिकरापारा, रायपुर में पत्र के माध्यम से या फैक्स : 0771-4242222, 23 पर या सीधे मेल से hbcgpati@gmail.com पर भेज सकते हैं।

दिल्ली विश्वविद्यालय की छात्राओं से मिले राहुल, बोले

राजनीति का मतलब नफरत नहीं, समानता और सम्मान होना चाहिए

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने दिल्ली विश्वविद्यालय और गार्गी कॉलेज की छात्राओं से मुलाकात कर महिला सशक्तिकरण, राजनीति, समानता और महिला आरक्षण जैसे अहम मुद्दों पर खुलकर चर्चा की। इस दौरान उन्होंने कहा कि आज की युवा छात्राएं स्पष्ट सोच, मजबूत अभिव्यक्ति और बेझिझक अपने विचार रखने की क्षमता के साथ नई राजनीति की पहचान बन रही हैं। राहुल गांधी ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में इस मुलाकात का जिक्र करते हुए कहा कि दिल्ली विश्वविद्यालय और गार्गी कॉलेज की छात्राओं से बातचीत बेहद रोचक, स्पष्ट और ऊर्जा से भरपूर रही। उन्होंने कहा कि इन छात्राओं की सबसे बड़ी पहचान, उनकी बिना झिझक अपने विचार रखने का आत्मविश्वास है।

महिला आरक्षण विधेयक पर छात्राओं की स्पष्ट राय

बातचीत के दौरान महिला आरक्षण विधेयक पर भी छात्राओं ने अपनी स्पष्ट राय रखी। छात्राओं का कहना था कि यह केवल महिला सशक्तिकरण का मुद्दा नहीं था, बल्कि परिसीमन के जरिए सत्ता संतुलन बदलने का एक माध्यम भी था। राहुल गांधी ने कहा कि छात्राओं ने बिना किसी हिचक के यह भी स्पष्ट किया कि वे हिंसा, नफरत और पितृसत्ता की राजनीति को पूरी तरह खारिज करती हैं। उनके लिए राजनीति का मतलब समाज को बांटना नहीं, बल्कि एकता, समानता और सम्मान स्थापित करना है।

महिलाओं की जरूरतों को लेकर छात्रों में स्पष्टता

छात्राओं ने कहा कि आज भारत की महिलाओं को केवल प्रतीकात्मक प्रतिनिधित्व नहीं, बल्कि वास्तविक समानता, सुरक्षा, अवसर और हर क्षेत्र में भागीदारी चाहिए। शिक्षा, रोजगार, निर्णय लेने की प्रक्रिया और सार्वजनिक जीवन में महिलाओं की मजबूत भागीदारी ही वास्तविक सशक्तिकरण का रास्ता है। राहुल गांधी ने कहा कि इन छात्राओं को पूरी स्पष्टता है कि आज देश की महिलाओं को क्या चाहिए और किस तरह की राजनीति देश को आगे ले जा सकती है।

बातचीत रही सहज, रोचक और खुली

उन्होंने बताया कि पूरी बातचीत में सभी ने अपने व्यक्तिगत अनुभव, सीख और विचार साझा किए। यह संवाद केवल राजनीतिक चर्चा नहीं था, बल्कि युवाओं की सोच और भारत के भविष्य को समझने का एक महत्वपूर्ण अवसर भी था। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि युवाओं, खासकर महिला छात्राओं के साथ इस तरह का सीधा संवाद विपक्ष की नई रणनीति का हिस्सा हो सकता है, जिसमें जमीनी मुद्दों और युवा भागीदारी पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। राहुल गांधी ने इस बातचीत का पूरा वीडियो भी साझा किया है, जिसे सोशल मीडिया पर व्यापक प्रतिक्रिया मिल रही है।

हुगली में जनसभा को संबोधित करते राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री और ममता पर साधा निशाना

राहुल गांधी : एक तीर दो निशाने, मोदी-ममता सिर्फ सत्ता चाहते हैं, उन्हें जनता से कोई लेना-देना नहीं

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव प्रचार के दौरान भाजपा और तृणमूल सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तो भ्रष्ट हैं ही, प्रदेश की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी भी उनसे कम नहीं हैं। उन्होंने कहा कि दोनों सिर्फ सत्ता चाहते हैं, उन्हें जनता से कोई लेना-देना नहीं है।

शनिवार को हुगली में विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए वरिष्ठ कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने पश्चिम बंगाल की तृणमूल सरकार को भ्रष्टाचार, बेरोजगारी समेत विभिन्न मुद्दों पर पुरजोर तरीके से घेरते हुए कहा कि शारदा चिट फंड, रोज़ वैली चिट फंड जैसे घोटालों में जनता से हजारों करोड़ रुपये चोरी किए गए। उन्होंने तृणमूल नेताओं को कोयला स्मगलिंग, गैरकानूनी खनन और गुंडा टैक्स वसूली में भी संलिप्त बताया। बेरोजगारी और उद्योगों के बंद होने का मुद्दा उठाते हुए राहुल गांधी ने कहा कि प्रदेश में कांग्रेस की सरकारों ने कई बड़े-बड़े उद्योग स्थापित किए। पश्चिम बंगाल कभी देश का 'औद्योगिक केंद्र' हुआ करता था, उसे पहले वामपंथी और फिर तृणमूल सरकार ने बर्बाद कर दिया। उन्होंने कहा कि पटसन मिलें बंद हो गईं और एंबेसडर कार बनाने वाली फैक्ट्रियां खत्म हो गईं। उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी ने नोटबंदी और गलत जीएसटी लागू कर देश में छोटे-मध्यम उद्योगों को खत्म कर दिया। इसी तरह, ममता बनर्जी ने पश्चिम बंगाल में उद्योग खत्म कर दिए। तृणमूल के 2021 के घोषणापत्र की याद दिलाते हुए उन्होंने कहा कि इसमें पांच लाख लोगों को रोजगार देने का वादा किया गया था, लेकिन कुछ नहीं मिला। आज 84 लाख युवा बेरोजगारी भत्ता मांग रहे हैं। रोजगार केवल तृणमूल नेताओं के रिश्तेदारों को ही मिलता है। वरिष्ठ कांग्रेस नेता ने महिलाओं पर हो रहे अत्याचार का मुद्दा उठाते हुए कहा कि तृणमूल सरकार ने आरजी कर मेडिकल कॉलेज में हुए दुष्कर्म और हत्या के आरोपियों की रक्षा की। उन्होंने यह भी कहा कि भाजपा के गुंडे देश में हिंसा करते हैं, उसी तरह तृणमूल के गुंडे बंगाल में कांग्रेस कार्यकर्ताओं पर हमले करते हैं। राहुल गांधी ने कहा कि प्रदेश में भाजपा के लिए रास्ता खोलने का काम तृणमूल कर रही है। अगर उसने सही काम किया होता तो आज पश्चिम बंगाल में भाजपा का कोई खतरा नहीं होता।

वरिष्ठ कांग्रेस नेता ने अपनी लोकसभा सदस्यता रद्द होने और ईडी द्वारा 55 घंटे की पूछताछ का हवाला देते हुए कहा, मुझ पर 36 केस हैं, मेरा घर छीना गया, लेकिन भाजपा द्वारा ममता बनर्जी पर कोई आक्रमण नहीं होता। न सीबीआई, न ईडी। क्योंकि वह भाजपा से सीधा नहीं लड़तीं। उन्होंने कहा कि सिर्फ चुनावों के समय ममता बनर्जी पर नरेंद्र मोदी आक्रमण करते हैं। उन्होंने जनता से कहा कि देश में केवल कांग्रेस ही भाजपा को हरा सकती है।

भारत-अमेरिका व्यापार समझौते का जिक्र करते हुए राहुल गांधी ने दोहराया कि मोदी बड़ी-बड़ी बातें करते हैं, लेकिन उन्हें अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप नियंत्रित करते हैं। उन्होंने कहा कि 'एपस्टीन फाइल्स और 'अडानी के वित्तीय रिकॉर्ड' ट्रंप के पास हैं, जिसके डर से मोदी सरकार ने भारत का कृषि क्षेत्र, छोटे-मध्यम उद्योग, डेटा और ऊर्जा सुरक्षा अमेरिका के हवाले कर दी है। वरिष्ठ कांग्रेस नेता ने यह भी कहा कि एपस्टीन फाइल्स में मोदी के पूरे चरित्र का जवाब है। डोनाल्ड ट्रंप जानते हैं कि जिस दिन उन्होंने यह फाइल खोल दीं, उस दिन मोदी का राजनीतिक करियर खत्म हो जाएगा। उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी खुद को देशभक्त बताते हैं, लेकिन इनका काम देश बेचने का है।

अंत में राहुल गांधी ने जनता से कांग्रेस के उम्मीदवारों को भारी मतों से जिताने की अपील की। उन्होंने पश्चिम बंगाल के लिए कांग्रेस की गारंटियां भी गिनाईं। इस दौरान जनसभा में गुलाम अहमद मीर, सुभंकर सरकार, प्रदीप भट्टाचार्य, अजय राय, किशोरी लाल शर्मा और प्रकाश जोशी सहित अन्य नेता मौजूद थे। पश्चिम बंगाल चुनाव में पिछली बार कांग्रेस के खाते में एक भी सीट नहीं आई थी। इस बार मुर्शिदाबाद से खाता खुलने की उम्मीद है।

22 अप्रैल को केदारनाथ धाम का खोला गया है कपाट

बाबा केदार के दरबार में उमड़ पड़े श्रद्धालु

आस्था का सैलाब, चार दिन में 1.24 लाख ने किए दर्शन

एजेंसी ▶▶ देहरादून

उत्तराखंड के केदारनाथ धाम के कपाट खुलने के बाद शुरुआती चार दिन में 1.24 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने दर्शन किए हैं, जो 2026 की यात्रा के लिए अच्छी शुरुआत मानी जा रही है, जिसकी जानकारी अधिकारियों ने शनिवार को दी। जिला सूचना कार्यालय के अनुसार 22 अप्रैल को कपाट खुलने के बाद से अब तक कुल 1,24,782 श्रद्धालुओं ने पूजा-अर्चना की। शनिवार को शाम पांच बजे तक 31,160 श्रद्धालु मंदिर पहुंचे, जिनमें 21,035 पुरुष और 9,993 महिलाएं थीं। रुद्रप्रयाग के जिलाधिकारी विशाल मिश्रा ने बताया कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देशों के तहत यात्रा सुचारु रूप से जारी है। विशाल मिश्रा ने बताया कि हेलीपैड और पैदल मार्ग पर प्रशासन व पुलिस के जवान तैनात हैं, ताकि यातायात और भीड़ को नियंत्रित किया जा सके। उन्होंने कहा, 'श्रद्धालुओं को किसी तरह की परेशानी न हो, इसके लिए सभी टीम पूरी मेहनत से काम कर रही हैं।'

सायंकालीन आरती का शुभारंभ

रुद्रप्रयाग जिलाधिकारी विशाल मिश्रा ने बताया कि पिछले 4 दिनों से यात्रा सफलतापूर्वक संचालित की जा रही है और सभी व्यवस्थाएं पूरी तरह व्यवस्थित हैं। उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए सभी टीमें मुस्तैदी से कार्य कर रही हैं। साथ ही भैरवनाथ जी के कपाट खुलने के साथ ही केदारनाथ धाम में सांयकालीन आरती का शुभारंभ हो गया है।

'भ्रामक और झूठी खबरों' पर ध्यान न देने की अपील

केदार सभा के अध्यक्ष राजकुमार तिवारी ने अव्यवस्था की खबरों को खारिज करते हुए कहा कि मंदिर की छवि खराब करने की कोशिश 'निंदनीय' है। उन्होंने कहा कि वर्तमान व्यवस्था में हर श्रद्धालु को दर्शन करने का अवसर मिल रहा है। केदार सभा के वरिष्ठ सदस्य उमेश चंद्र पोस्ती ने तीर्थयात्रियों से सोशल मीडिया पर फैल रही 'भ्रामक और झूठी खबरों' पर ध्यान न देने की अपील की।

खबर संक्षेप

गिरफ्तारी से बचने सुप्रीम कोर्ट पहुंचे खेड़ा

नई दिल्ली। गुवाहाटी हाई कोर्ट द्वारा एंटीसिपेटरी बेल की याचिका खारिज होने के बाद कांग्रेस नेता

पवन खेड़ा ने अब सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है। वह असम के सीएम हिमंता की पत्नी द्वारा एफआईआर मामले में एंटीसिपेटरी बेल के लिए शीर्ष अदालत पहुंचे हैं। हाईकोर्ट ने अर्जी रद्द कर दी है।

नीट यूजी एडमिट कार्ड आज किया जाएगा जारी

नई दिल्ली। नीट यूजी 2026 के एडमिट कार्ड का इंतजार कर रहे कैंडिडेट्स के लिए एक बड़ा

अपडेट है।नेशनल टेस्टिंग एजेंसी ने आज जारी होने वाले एडमिट कार्ड को स्थगित कर दिया है। एनटीए ने बताया अब नीट यूजी एडमिट कार्ड 27 अप्रैल को जारी किया जाएगा।

हिमाचल में 9 साल बाद फिर अपार्टमेंट एक्ट

सोलन। यहां चेस्टर हिल प्रोजेक्ट में कायदे कानूनों को ताक पर रखकर हुए निर्माण से सबक लेकर

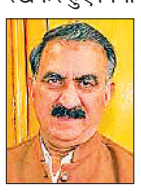

सरकार ने 9 साल बाद प्रदेश में अपार्टमेंट एक्ट को दोबारा लागू करने का फैसला किया है। प्रदेश में आवासीय परियोजनाओं के मनमाने निर्माण पर अंकुश लगेगा और बाह्य विकास शुल्क की वसूली शुरू होगी। प्रदेश की आय होगी।

कार नदी में गिरी 1 मौत, 4 लापता

बारां। यहां के कोयला क्षेत्र में रविवार कोसुंडा कोठड़ी के पास अनियंत्रित होकर एक कार

अचानक नदी में जा गिरी। कार में करीब 4 लोग सवार थे। चालक का वाहन पर नियंत्रण बिगड़ने से कार सीधे पार्वती नदी में समा गई। कड़ी मशक्कत के बाद टीम ने एक शव बरामद किया है, जबकि अन्य लापता लोगों की तलाश लगातार जारी है।

'मन की बात' के 133वें एपिसोड में प्रधानमंत्री ने देशवासियों को किया संबोधित

कच्छ की 'फ्लेमिंगो सिटी' के मुरीद हुए पीएम मोदी, पक्षियों को बताया 'लाखा जी के बाराती'

इसके साथ ही देश की उपलब्धियों को भी जनता के सामने रखा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

पीएम नरेंद्र मोदी ने रविवार को अपने 'मन की बात' कार्यक्रम के 133वें एपिसोड में फ्लेमिंगो (राजहंस) पक्षियों के संरक्षण और उनके प्राकृतिक आवास के बारे में चर्चा की। प्रधानमंत्री ने कहा कि बरसात खत्म होते ही कच्छ के रण की धरती जीवंत हो जाती है। हर साल लाखों फ्लैमिंगो यहां आते हैं। पूरा इलाका गुलाबी रंग से रंग जाता है, इसलिए इसे फ्लैमिंगो सिटी कहा जाता है। ये पक्षी यहीं घोंसले बनाते हैं और अपने बच्चों को बड़ा करते हैं। कच्छ के लोग इन्हें 'लाखा जी के बाराती' कहते हैं। अब लाखा जी के ये बाराती कच्छ में पर्यावरण संरक्षण के बड़े सुंदर प्रतीक बन गए हैं। पीएम ने कहा कि जैसे ही मॉनसून खत्म होता है, यहां की जमीन जीवंत हो उठती है। हर साल, लाखों फ्लेमिंगो यहां आते हैं। पूरा इलाका गुलाबी रंग का हो जाता है, इसीलिए इसे 'फ्लेमिंगो सिटी' कहा जाता है। ये पक्षी यहीं अपने घोंसले बनाते हैं और अपने बच्चों को पालते हैं।

पवन ऊर्जा के मामले में भारत अब विश्व में चौथे स्थान पर आ पहुंचा

प्रधानमंत्री ने ताजा संस्करण में रिन्यूएबल एनर्जी सेक्टर में देश की उपलब्धि का जिक्र किया और कहा कि यह राष्ट्र की सामूहिक इच्छाशक्ति और एक स्थायी भविष्य के प्रति प्रतिबद्धता का एक शक्तिशाली प्रतीक है। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत ने एक वर्ष 6 गीगावाट की नई पवन ऊर्जा स्थापित करने का मील का पत्थर हासिल किया है और इस उपलब्धि ने अंतरराष्ट्रीय जगत का भी ध्यान भारत की ओर खींचा है। पवन ऊर्जा की कुल क्षमता के मामले में भारत अब वैश्विक स्तर पर चौथे स्थान पर है। उन्होंने इस उपलब्धि को केवल एक तकनीकी सफलता नहीं, बल्कि राष्ट्र की सामूहिक इच्छाशक्ति और सतत भविष्य के प्रति प्रतिबद्धता का एक सशक्त प्रतीक बताया।

'वायुर्वा इति व्यष्टिः, वायुरवै समष्टिः

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को 'मन की बात' कार्यक्रम में सौर और पवन ऊर्जा के महत्व पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि आज मैं एक ऐसी शक्ति की बात करना चाहता हूं, जो अदृश्य है, लेकिन जिसके बिना हमारा जीवन एक पल भी ना चले। यही ताकत भारत को आगे बढ़ा रही है। यह हमारी पवन-शक्ति है। हमारे प्राचीन ग्रंथों में कहा गया है- 'वायुर्वा इति व्यष्टिः, वायुरवै समष्टिः।' अर्थात वायु सिर्फ एक तत्व नहीं है, यह जीवन की ऊर्जा है, यह समष्टि की शक्ति है।

बांस उद्योग से बदल रही नॉर्थ ईस्ट की तस्वीर, महिलाएं हो रहीं लाभान्वित

प्रधानमंत्री ने देशवासियों को संबोधित करते हुए उत्तर-पूर्व भारत की उपलब्धियों और उसकी संभावनाओं पर विशेष चर्चा की। उन्होंने कहा कि नॉर्थ ईस्ट में बांस उद्योग तेजी से बदल रहा है। यह क्षेत्र अब रोजगार और नवाचार का बड़ा केंद्र बन गया है। इससे महिलाओं को भी आत्मनिर्भर बनने और आय के नए अवसर मिल रहे हैं। पीएम मोदी ने उत्तर-पूर्व को भारत की 'अष्टलक्ष्मी' बताते हुए कहा कि यह क्षेत्र न सिर्फ प्राकृतिक सुंदरता से भरपूर है, बल्कि यहां अपार प्रतिभा और अवसर भी मौजूद हैं।

देशवासियों से जनगणना 2027 को सफल बनाने को कहा

प्रधानमंत्री ने देशवासियों से जनगणना 2027 को मिलकर सफल बनाने की अपील की है। उन्होंने कहा कि यह दुनिया की सबसे बड़ी जनगणना है। देश की जनगणना सिर्फ सरकारी काम नहीं है। यह हम सब की जिम्मेदारी है।प्रधानमंत्री ने कहा कि देश में इस समय एक बहुत अहम अभियान चल रहा है, जिसके बारे में हर भारतीय को जानकारी होनी जरूरी है।

यह भी बोले-दुनिया की थाली तक पहुंचा भारत का स्वाद

पीएम मोदी ने मासिक रेडियो कार्यक्रम में भारत के डेयरी सेक्टर की बढ़ती ताकत और वैश्विक स्तर पर भारतीय चीज की पहचान का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि भारत का स्वाद, परंपरा और गुणवत्ता अब दुनिया भर में नई पहचान बना रहे हैं।हमारे देश में खान-पान की परंपराएं सिर्फ स्वाद तक सीमित नहीं रही हैं। भारतीय चीज भी इसी परंपरा का अहम हिस्सा है। उन्होंने बताया कि ब्राजील में आयोजित एक अंतरराष्ट्रीय चीज प्रतियोगिता में भारत के दो ब्रांड्स को प्रतिष्ठित पुरस्कार मिले, जिसकी चर्चा सोशल मीडिया पर भी खूब हुई।

विशेष अनुमति याचिका पर सुनवाई

अग्रिम जमानत भले न दें, लेकिन सरेंडर का आदेश नहीं दे सकतीं कोर्ट

सर्वोच्च अदालत ने क्षेत्राधिकार पर कहा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

देश की सर्वोच्च अदालत ने अग्रिम जमानत और अदालती क्षेत्राधिकार को लेकर अहम टिप्पणी की है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि किसी भी आरोपी की अग्रिम जमानत याचिका को खारिज करना अदालत का अधिकार है। याचिका खारिज करते समय अदालत के पास यह शक्ति नहीं है कि वह आरोपी को संबंधित ट्रायल कोर्ट के सामने आत्मसमर्पण करने का निर्देश दे।

जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस उज्ज्वल भुइयां की खंडपीठ ने एक मामले की सुनवाई के दौरान यह टिप्पणी की। यह मामला धोखाधड़ी और जालसाजी के आरोपी एक व्यक्ति की ओर से दायर की गई विशेष अनुमति याचिका से जुड़ा था। पीठ ने सुनवाई के दौरान न्यायिक सीमाओं के बारे में बात की। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यदि अदालत अग्रिम जमानत खारिज करना चाहती है, तो वह ऐसा कर सकती है। लेकिन अदालत के पास यह कहने का कोई कानूनी अधिकार नहीं है कि याचिकाकर्ता अनिवार्य रूप से सरेंडर करे।

धोखाधड़ी और जालसाजी के मामले की सुनवाई

जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस उज्ज्वल भुइयां की खंडपीठ ने एक मामले की सुनवाई के दौरान यह टिप्पणी की। यह मामला धोखाधड़ी और जालसाजी के आरोपी एक व्यक्ति की ओर से दायर की गई विशेष अनुमति याचिका से जुड़ा था। पीठ ने सुनवाई के दौरान न्यायिक सीमाओं के बारे में बात की। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यदि अदालत अग्रिम जमानत खारिज करना चाहती है, तो वह ऐसा कर सकती है। लेकिन अदालत के पास यह कहने का कोई कानूनी अधिकार नहीं है कि याचिकाकर्ता अनिवार्य रूप से सरेंडर करे।

झारखंड से जुड़ा है यह मामला

यह पूरा मामला झारखंड हाईकोर्ट के एक पुराने आदेश से उपजा था। हाई कोर्ट ने भूमि विवाद से संबंधित एक मामले में आरोपी की अग्रिम जमानत याचिका को खारिज कर दिया था। याचिका खारिज करने के साथ ही हाई कोर्ट ने आरोपी को निर्देश दिया था कि वह निचली अदालत के सामने आत्मसमर्पण करे और नियमित जमानत के लिए आवेदन करे। मजिस्ट्रेट के समक्ष शिकायत दर्ज कराई गई थी। इसमें आरोपी पर भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की विभिन्न गंभीर धाराओं के तहत आरोप लगाए गए थे। इनमें धारा 323 यानी स्वेच्छा से चोट पहुंचाना, 420-धोखाधड़ी, 468 यानी धोखाधड़ी के उद्देश्य से जालसाजी और 471-जाली दस्तावेज का उपयोग शामिल हैं।

रेलमंत्री वैष्णव ने दी जानकारी

बेंगलुरु में बनेगी नई बुलेट ट्रेन आईसीएफ-बीईएमएल को जिम्मा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

स्वदेशी बुलेट ट्रेन बी-28 का उत्पादन बंगलुरु में किया जाएगा। इन ट्रेनों का निर्माण सवारी डिब्बा कारखाना (आईसीएफ), चेन्नई और भारत अर्थ मूवर्स लिमिटेड (बीईएमएल) मिलकर करेंगे। इके लिए 'आदित्य' विशेष परिसर तैयार किया गया है। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने उच्च गति रेल के निर्माण के लिए समर्पित इस विशेष परिसर का उद्घाटन किया। मंत्री ने कहा कि उच्च गति रेल तकनीक बेहद जटिल और पेचीदा होती है। देश के भीतर इसका विकास स्वदेशी अभियांत्रिकी के क्षेत्र में मील का पत्थर है। यहां आईसीएफ और बीइएमएल द्वारा ट्रेनों को तैयार किया जाएगा। इस परिसर में विशेष रूप से रोबोटिक लेजर वेल्डिंग सिस्टम समेत कई आधुनिक और हाई-प्रिसिजन मशीनों की सुविधा दी गई है। इन ट्रेनों का निर्माण 250 किमी या इससे अधिक गति से चलने के लिए किया जाएगा।

दल बदल से लुधियाना में दूसरे दिन भी 'आप' ने किया हंगामा

गुप्ता के खिलाफ प्रदर्शन, नारेबाजी कर पुतला जलाया

राज्यसभा सदस्यों के खिलाफ कार्यकर्ताओं में गहरी नाराजगी दिखी

एजेंसी ▶▶ लुधियाना

लुधियाना में आप से जुड़े कार्यकर्ताओं का विरोध प्रदर्शन रविवार को लगातार दूसरे दिन भी जारी रहा। पार्टी छोड़ने वाले राज्यसभा सदस्यों के खिलाफ कार्यकर्ताओं में गहरी नाराजगी देखने को मिली। कार्यकर्ताओं ने किचलू नगर स्थित सांसद रजिंदर गुप्ता के दफ्तर के बाहर धरना देकर विरोध जताया। प्रदर्शन की अगुवाई शहरी प्रधान जतिंदर खंगूड़ा ने की, जबकि विधायक राजिंदर कौर छीन भी मौजूद रहीं। बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं ने दफ्तर के बाहर जमकर नारेबाजी की और पार्टी छोड़ने वाले नेताओं के खिलाफ रोष प्रकट किया। प्रदर्शन के दौरान माहौल पूरी तरह गरम रहा।

बागी सांसदों को संजय की दो टूक

पहले इस्तीफा दीजिए फिर जहां जाना हो जाइए

नई दिल्ली। आप के राज्यसभा सांसद नेता संजय सिंह ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में पार्टी से बगावत करने वाले 7 राज्यसभा सांसदों को साफ संदेश दिया कि आप जिस दल से चुने गए है अगर आपको उससे मतभेद है तो आप इस्तीफा दीजिए और जहां जाना जाइए।

राघव समेत सभी 7 की जाएगी सांसदी

सिंह ने आप के दो-तिहाई राज्यसभा सांसदों के भाजपा में शामिल होने पर एक बड़ा दावा किया है। उनका कहना है कि इन सभी बागियों की राज्यसभा सदस्यता जाएगी। सिंह ने यह भी बताया कि किन आधार पर बागियों की सदस्यता जाएगी। सिंह का यह बयान ऐसे वक्त में सामने आया है जब आप ने साफ कर दिया है कि वह बागी सांसदों को राज्यसभा की सदस्यता से अयोग्य घोषित करने की मांग करेगी। सिंह ने रविवार को राज्यसभा सभापति सीपी राधाकृष्णन को पत्र भेजकर राघव चड्ढा समेत राज्य सभा के उन 7 सांसदों को अयोग्य घोषित करने की गुजारिश की है। जिन्होंने भाजपा में विलय की घोषणा की है।

बागियों की सदस्यता जानी तय

संजयने दावा किया कि राज्यसभा के इन 7 बागी सदस्यों की सदस्यता तो जानी तय है। इनकी ओर से उठाया गया कदम दल-बदल के समान है। सदस्यों का कदम संबंधित कानूनी प्रावधानों के खिलाफ है।

खबर संक्षेप

चंद्रबाबू को 'बिजनेस रिफॉर्मर ऑफ द ईयर' पुरस्कार

अमरावती। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू को एक मीडिया घराने ने 'बिजनेस रिफॉर्मर ऑफ द ईयर' पुरस्कार दिया है। पुरस्कार स्वीकार करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यह सम्मान दर्शाता है कि आंध्र प्रदेश में शासन सुधारों और नीतिगत पहलों के चलते राज्य निवेश और नवाचार के प्रमुख केंद्र के रूप में उभर रहा है। नायडू ने शनिवार देर रात 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''मैं 'बिजनेस रिफॉर्मर ऑफ द ईयर' पुरस्कार को विनम्रतापूर्वक स्वीकार करता हूं। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से इसे प्राप्त करना सम्मान और सौभाग्य की बात है।

मांग निकलने से बीते सप्ताह अधिकांश तेलों में रहा सुधार

नई दिल्ली। मंडियों में उपलब्धता कम रहने और उपभोक्ताओं की मांग निकलने के कारण देश के तेल-तिलहन बाजारों में बीते सप्ताह सरसों एवं सोयाबीन तेल-तिलहन, कच्चा पामतेल (सीपीओ) एवं पामोलीन तथा बिनौला तेल जैसे अधिकांश तेल-तिलहनों के दाम लाभ के साथ बंद हुए। ऊंचे दाम पर मांग कमजोर रहने की वजह से मूंगफली तेल-तिलहन कीमतों में गिरावट रही।

बाजार पूंजीकरण में टीसीएस और रिलायंस को नुकसान

नई दिल्ली। शेयर बाजार में गिरावट के रुख के बीच देश की शीर्ष-10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से सात के कुल बाजार पूंजीकरण में पिछले सप्ताह दो लाख करोड़ रुपये से अधिक की गिरावट आई। इस दौरान टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) और रिलायंस इंडस्ट्रीज को सबसे ज्यादा नुकसान हुआ।
समीक्षाधीन सप्ताह में बीएसई सेंसेक्स 1,829.33 अंक यानी 2.33 प्रतिशत गिरा।

अमेरिका ने सोलर कंपनियों को दिया झटका, लगाई 123 प्रतिशत की ड्यूटी

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

वारी एनर्जीज समेत कई सोलर कंपनियों के शेयर शुक्रवार को 5 प्रतिशत से ज्यादा तक लुढ़क गए। अमेरिकी कॉमर्स डिपार्टमेंट ने भारत, इंडोनेशिया और लाओस से आयात किए जाने वाले सोलर सेल्स और पैनल्स पर प्रीलिमनेरी एंटी-डंपिंग ड्यूटीज की घोषणा की है। अमेरिका में कई घरेलू फैक्ट्री मालिकों ने आरोप लगाया था कि इन 3 देशों की कंपनियां अमेरिकी मार्केट में सस्ते सामान की डंपिंग कर रही हैं, इसके बाद यूएस कॉमर्स डिपार्टमेंट ने यह घोषणा की है। यह बात की एक रिपोर्ट में कही गई है।

- सोलर कंपनियों के शेयर हुए धड़ाम, पांच फीसदी से अधिक लुढ़के
- भारत, इंडोनेशिया और लाओस से आयातित सोलर सेल्स व पैनल पर लगाया

भारत से होने वाले आयात पर 123.04 फीसदी ड्यूटी

रॉयटर्स कैलकुलेशंस के मुताबिक, हालिया बदलावों के बाद भारत से होने वाले आयात के लिए प्रीलिमनेरी ड्यूटी रेट्स, जिन्हें डंपिंग मार्जिन्स के नाम से जाना जाता है, बढ़कर 123.04 प्रतिशत पहुंच गए हैं। वहीं, इंडोनेशिया से होने वाले इंपोर्ट के लिए ड्यूटी रेट्स 35.17 प्रतिशत और लाओस से होने वाले आयात के लिए ड्यूटी रेट्स 22.46 प्रतिशत पहुंच गए हैं।

इन देशों की बड़ी हिस्सेदारी

अमेरिका से होने वाले टोटल सोलर इंपोर्ट्स में भारत, इंडोनेशिया और लाओस की संयुक्त हिस्सेदारी करीब दो तिहाई है, जो कि करीब 4.5 बिलियन डॉलर के करीब है। पिटीशन दाखिल करने वाले अलायंस फॉर अमेरिकन सोलर मैन्युफैक्चरिंग एंड ट्रेड में टेम्पे, एरिजोना बेस्ड फर्स्ट सोलर, क्यूसेल्स, कोरिया की हैनवा की सोलर डिवीजन और प्राइवेट कंपनियां टैलॉन पीवी और मिशन सोलर शामिल हैं।

अंतिम फैसले की घोषणा 13 जुलाई को

कॉमर्स डिपार्टमेंट ने कहा है कि वह भारत और इंडोनेशिया से आयात होने वाली सोलर सेल्स के लिए 13 जुलाई को या इसके करीब अंतिम फैसले की घोषणा करेगा। वहीं, लाओस से होने वाले इंपोर्ट पर फैसला 9 सितंबर को या उसके करीब आएगा।

वारी एनर्जीज के शेयर हुए धड़ाम

सोलर कंपनी वारी एनर्जीज के शेयर शुक्रवार को धड़ाम हो गए। वारी एनर्जीज के शेयर बीएसई में इंट्राडे के दौरान 5 प्रतिशत से अधिक की गिरावट के साथ 3240 रुपए पर जा पहुंचे। वारी एनर्जीज के रेवेन्यू में अमेरिकी मार्केट की बड़ी हिस्सेदारी है। एक्मे सोलर होल्डिंग, विक्रम सोलर लिमिटेड और इंडोसोलर लिमिटेड के शेयर शुक्रवार को गिरावट के साथ बंद हुए। वा सोलर लिमिटेड के शेयर शुक्रवार को 6 प्रतिशत से अधिक की गिरावट के साथ 68.25 रुपए पर बंद हुए हैं। प्रीमियर एनर्जीज के शेयर भी शुक्रवार को कारोबार के दौरान 4 प्रतिशत तक लुढ़क गए थे। हालांकि, कारोबार के आखिर में कंपनी के शेयर हरे निशान पर बंद हुए हैं।

वित्त वर्ष 2025-26 का समापन महत्वपूर्ण मोड़ पर किया, कंपनियां वैश्विक दबाव व एआई के बढ़ते प्रभाव से गुजर रही

एआई बदलाव के दौर में भारतीय आईटी क्षेत्र शीर्ष पांच कंपनियों के रहे मिले-जुले नतीजे

एजेंसी : नई दिल्ली

भारत की सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र की शीर्ष पांच कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), इन्फोसिस, एचसीएलटेक, विप्रो और टेक महिंद्रा ने वित्त वर्ष 2025-26 का समापन एक महत्वपूर्ण मोड़ पर किया है। ये कंपनियां वैश्विक आर्थिक दबाव, पश्चिम एशिया की भू-राजनीतिक स्थिति और कृत्रिम मेधा (एआई) के बढ़ते प्रभाव के बीच बदलाव के दौर से गुजर रही हैं। आंकड़ों के विश्लेषण से पता चलता है कि आईटी क्षेत्र तेजी से पारंपरिक कार्य-प्रणाली से आगे बढ़ रहा है। एआई के कारण पुरानी आईटी सेवाओं से होने वाली आय पर दबाव पड़ रहा है, लेकिन इसकी भरपाई नई एआई-आधारित सेवाओं के बढ़ते अवसरों से हो रही है। अब कंपनियां बड़ी परियोजनाओं के बजाय परिणाम-आधारित और छोटे-छोटे हिस्सों में बंटे अनुबंधों पर अधिक ध्यान दे रही हैं। यह बदलाव कंपनियों के भविष्य के अनुमान और कर्मचारियों से जुड़े रुझानों में भी साफ दिख रहा है। जहां टीसीएस और इन्फोसिस को लगता है कि मुश्किल दौर अब कम हो रहा है, वहीं एचसीएलटेक और विप्रो ने आगे भी अनिश्चितता और कमजोर मांग की आशंका जताई है।

एचसीएल का कुछ क्षेत्रों में रहा कमजोर प्रदर्शन

एचसीएलटेक के मुख्य कार्यपालक अधिकारी सी. विजयकुमार ने कहा, /''तिमाही के दौरान कुछ क्षेत्रों में कमजोरी, कम खर्च और फैसलों में देरी के कारण प्रदर्शन उम्मीद से कम रहा। हमारी नई एआई सेवाओं को बाजार में अच्छा प्रतिसाद मिल रहा है और हमारा मुख्य लक्ष्य भविष्य में एआई से मिलने वाले अवसरों का लाभ उठाना है।

एआई के इस्तेमाल से राजस्व में गिरावट नहीं

कंपनी के शीर्ष अधिकारियों ने इस आशंका को खारिज किया कि एआई के तेज इस्तेमाल से राजस्व में गिरावट आ रही है। उनका कहना है कि वे एआई को मध्यम और दीर्घकाल में ग्राहकों के कामकाज को आधुनिक बनाने और नए अवसर पैदा करने वाले एक बड़े साधन के रूप में देखते हैं।

विप्रो वैश्विक व नीतिगत बदलावों से प्रभावित

विप्रो का वित्त वर्ष 2025-26 की चौथी तिमाही में शुद्ध लाभ 1.89 प्रतिशत घटकर 3,501.8 करोड़ रुपये रह गया, जबकि आय 7.6 प्रतिशत बढ़कर 24,236.3 करोड़ रुपये रही। कंपनी ने वर्तमान आर्थिक स्थिति को एक नई सामान्य स्थिति बताया है, जो वैश्विक और नीतिगत बदलावों से प्रभावित है।

टेक महिंद्रा का लाभ 16 फीसदी बढ़ा

टेक महिंद्रा का समीक्षाधीन तिमाही में शुद्ध लाभ 16 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 1,353.8 करोड़ रुपये रहा, जबकि आय 12.6 प्रतिशत बढ़कर 15,076.1 करोड़ रुपये हो गई। पूरे वित्त वर्ष में कंपनी का लाभ 13.15 प्रतिशत बढ़कर 4,810.9 करोड़ रुपये और आय 7.2 प्रतिशत बढ़कर 56,815.4 करोड़ रुपये रही।

टीसीएस को एआई से 2.3 अरब डॉलर की आय

टीसीएस ने वित्त वर्ष 2025-26 की जनवरी-मार्च तिमाही में 12.22 प्रतिशत बढ़ोतरी के साथ 13,718 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया था। कंपनी का कहना है कि वह नए वित्त वर्ष में सकारात्मक स्थिति के साथ प्रवेश कर रही है और हाल की अधिकांश चुनौतियां अब पीछे छूट चुकी हैं। एआई सेवाओं से उसकी सालाना आय 2.3 अरब डॉलर से अधिक हो चुकी है, जो कुल आय का छह प्रतिशत से ज्यादा है।

एआई पारंपरिक सेवाओं का प्रभावित कर रहा

इन्फोसिस का वित्त वर्ष 2025-26 की जनवरी-मार्च तिमाही में शुद्ध लाभ 20.8 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 8,501 करोड़ रुपये रहा, जबकि आय 13.4 प्रतिशत बढ़कर 46,402 करोड़ रुपये रही। कंपनी प्रबंधन ने माना कि एआई पारंपरिक सेवाओं को प्रभावित कर रहा है, लेकिन नई एआई सेवाओं की मांग से इसकी भरपाई हो रही है।

सीआईसी ने पीपीएसी के फैसले को सही ठहराया

रूस से तेल आयात की जानकारी गोपनीय

नई दिल्ली। पेट्रोलियम मंत्रालय के तहत काम करने वाली पेट्रोलियम योजना एवं विश्लेषण प्रकोष्ठ (पीपीएसी) ने कहा कि रूस से भारत में आयात किए जाने वाले कच्चे तेल से जुड़ी जानकारी सार्वजनिक नहीं की जा सकती, क्योंकि यह व्यावसायिक और गोपनीय प्रकृति की है। केंद्रीय सूचना आयोग (सीआईसी) ने भी इस रुख का समर्थन करते हुए कहा कि इससे देश के रणनीतिक और आर्थिक हित प्रभावित हो सकते हैं। यह मामला सूचना का अधिकार के तहत दायर एक आवेदन से जुड़ा है, जिसमें जून 2022 से जून 2025 के बीच रूस से भारत में आयातित कच्चे तेल का विवरण मांगा गया था। इसमें इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन लिमिटेड, भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड, हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड, ओएनजीसी विदेश, रिलायंस इंडस्ट्रीज और नायरा एनर्जी जैसी कंपनियों द्वारा आयात की जानकारी भी मांगी गई थी। इस पर केंद्रीय लोक सूचना अधिकारी (सीपीआईओ) ने जानकारी देने से इनकार करते हुए कहा कि देश के आधार पर और कंपनी के आधार पर कच्चे तेल के आयात का विवरण व्यावसायिक और गोपनीय है।

अपीलकर्ता बोला-जानकारी नहीं दी

हालांकि कुल आयात की मात्रा और उसका मूल्य पीपीएसी की वेबसाइट से प्राप्त किया जा सकता है।
प्रथम अपीलीय प्राधिकारी ने भी इस फैसले को सही ठहराया। हाल ही में हुई सुनवाई के दौरान अपीलकर्ता ने कहा कि उसे जानकारी नहीं दी गई और वह यह समझना चाहता है कि इस क्षेत्र में देश किस तरह काम कर रहा है।

सूचना

सभी पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार-पत्र में प्रकाशित विज्ञापनों (डिस्पले/क्लासीफाईड) में दिए गए तथ्यों/दावों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें और विज्ञापन के दावों की विश्वसनीयता को परखें। हरिभूमि समूह के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की विज्ञापनों के तथ्यों से सम्बन्धित कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

भारत-न्यूजीलैंड एफटीए पर आज होंगे हस्ताक्षर

नई दिल्ली। भारत और न्यूजीलैंड 27 अप्रैल को मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर हस्ताक्षर करेंगे। वाणिज्य मंत्रालय के अनुसार इस समझौते पर केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और न्यूजीलैंड के व्यापार एवं निवेश मंत्री टॉड मैक्ले की उपस्थिति में यहां भारत मंडपम में हस्ताक्षर किए जाएंगे। यह समझौता भारतीय कंपनियों को न्यूजीलैंड के बाजारों

में शुल्क मुक्त पहुंच प्रदान करेगा और अगले 15 वर्षों में 20 अरब डॉलर का निवेश लाएगा।
दोनों देशों ने पिछले साल 22 दिसंबर को व्यापार समझौते के लिए बातचीत पूरी होने की घोषणा की थी। इसका लक्ष्य अगले पांच साल में द्विपक्षीय व्यापार को दोगुना कर पांच अरब डॉलर तक पहुंचाना है। इस समझौते से भारत को अपने 100 प्रतिशत निर्यात पर शून्य शुल्क बाजार पहुंच मिलेगी, वहीं न्यूजीलैंड से भारत को निर्यात होने वाले 95 प्रतिशत सामान पर शुल्क समाप्त या कम हो जाएगा। इसमें ऊन, कोयला, लकड़ी, शराब से लेकर एवोकाडो और ब्लूबेरी शामिल हैं।

अदाणी ग्रीन बैटरी भंडारण पर 15,000 करोड़ करेगी निवेश

नई दिल्ली। अदाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड (एजीईएल) चालू वित्त वर्ष में 10 गीगावाट-घंटा (जीडब्ल्यूएच) से अधिक की बैटरी ऊर्जा भंडारण क्षमता जोड़ने के लिए लगभग 15,000 करोड़ रुपये निवेश करने की योजना बना रही है।
कंपनी का यह कदम भारत के तेजी से बदलते ऊर्जा परिदृश्य के बीच भरोसेमंद और वितरण योग्य स्वच्छ बिजली की दिशा में एक बड़ा बदलाव है। कंपनी ने अपने वित्तीय नतीजों पर चर्चा के दौरान कहा कि यह प्रस्तावित विस्तार लगभग तीन गीगावाट-घंटा की उस स्थापित

भंडारण क्षमता के अतिरिक्त होगा, जिसे कंपनी जल्द ही हासिल करने की उम्मीद कर रही है। इससे पहले वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान 1.4 गीगावाट-घंटा क्षमता चालू की गई थी। ये बैटरियां गुजरात के खावड़ा में नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन के साथ विकसित की जा रही हैं, जहां एजीईएल दुनिया का सबसे बड़ा नवीकरणीय ऊर्जा पार्क बना रही है। इन भंडारण प्रणालियों का उद्देश्य शाम के समय मांग के चरम पर होने पर बिजली की आपूर्ति करना है, जब सौर उत्पादन कम हो जाता है। कंपनी के कार्यकारी निदेशक सागर अदाणी ने कहा, ''हम बैटरियों के लिए अपनी क्षमता वृद्धि को बहुत महत्वपूर्ण रूप से बढ़ाने की प्रक्रिया में हैं। वित्त वर्ष 2026-27 में 10 गीगावाट-घंटा से अधिक क्षमता चालू करने की उम्मीद है।''

राशिफल

मेष कुटुम्ब-परिवार में धार्मिक कार्य हो सकते हैं। मानसिक शान्ति रहेगी। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। कारोबार की स्थिति सन्तोषजनक रहेगी।

वृष कार्यक्षेत्र में कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। माता के स्वास्थ्य में सुधार होगा। धन आगमन की स्थितियां बनी रहेंगी।

मिथुन आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। अति उत्साही होने से बचें। सुस्वादु खानपान में रुचि बढ़ेगी, लेकिन स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहें। वाणी के प्रभाव में वृद्धि होगी।

कर्क अनियोजित खर्चों में वृद्धि होगी। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। लेखनादि-बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता बढ़ेगी।

सिंह कार्यक्षेत्र में परिश्रम अधिक रहेगा। व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद की स्थिति बन सकती है। सन्तान की ओर से सुखद समाचार मिल सकता है।

कन्या कुटुम्ब-परिवार में धार्मिक कार्य होंगे। आय की स्थिति में सुधार होगा। संयत रहें। क्रोध के क्रोध से परेशान रहेंगे। भागदौड़ अधिक रहेगी।

तुला दाम्पत्य सुख में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहें। वस्त्रों के प्रति रुझान बढ़ेगा। आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। नौकरी में तरक्की मिल सकती है।

वृश्चिक आय में वृद्धि होगी। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। मन में नकारात्मकता के प्रभाव से बचें। संतान की ओर से सुखद समाचार मिल सकते हैं।

धनु कारोबार पर ध्यान दें। कठिनाइयां आ सकती हैं। भागदौड़ अधिक रहेगी। रहन-सहन कष्टमय हो सकता है। पठन-पाठन में रुचि रहेगी।

मकर वाणी में सौम्यता रहेगी। नकारात्मक विचारों के प्रभाव से बचें। कारोबार में वृद्धि होगी। लाभ के अवसर मिलेंगे। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा।

कुंभ स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। नौकरी में अफसरों से मतभेद हो सकते हैं। मन प्रसन्न रहेगा। संयत रहें। बातचीत में सन्तुलित रहें। कारोबार में सुधार होगा।

मीन शैक्षिक कार्यों के लिए विदेश यात्रा पर जाना हो सकता है। मानसिक शान्ति बनाये रखने के प्रयास करें। कारोबार की स्थिति में सुधार होगा।

कोल इंडिया कोयला आयात में 24.3 करोड़ टन करेगी कटौती

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) कोयला आयात में 24.3 करोड़ टन कटौती करने के लि एक व्यापक 10 वर्षीय योजना बना रही है। इसके लिए घरेलू उत्पादन में वृद्धि, कोयले की गुणवत्ता में सुधार और लॉजिस्टिक लागत की समानता पर जोर दिया जाएगा। एक सूत्र ने बताया कि कोयला आयात में कटौती के लक्ष्य वाले इस प्रस्तावित मसौदे में आयात का विस्तृत 'फोरेंसिक ऑडिट' शामिल होगा, जिसे क्षेत्र-विशिष्ट नीतियों और स्थानीय आपूर्ति को बढ़ावा देने वाली चरणबद्ध बदलाव रणनीतियों का समर्थन मिलेगा। इसमें कोयले की धुलाई और परिवहन को सुव्यवस्थित करने के लिए 'नेशनल वॉशरी एंड लॉजिस्टिक्स ग्रिड' भी शामिल होगा, जो आपूर्ति श्रृंखला की प्रमुख बाधाओं को दूर करेगा। कोल इंडिया लिमिटेड घरेलू कोयला उत्पादन में 80 प्रतिशत से अधिक का योगदान देती है। कंपनी इस मसौदे को तैयार करने और गैर-शुल्क बाधाओं से संबंधित उपायों का सुझाव देने के लिए एक सलाहकार की नियुक्ति करने की भी योजना बना रही है।

वर्ष 2025-26 के लिए कृषि मंत्रालय ने जारी किया अनुमान

भारत में गेहूं की पैदावार चुनौतियों के बावजूद मजबूत

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

फसल वर्ष 2025-26 में देश का गेहूं उत्पादन स्थानीय स्तर पर बेमौसम बारिश और ओलावृष्टि से हुए नुकसान के बावजूद स्थिर और मजबूत बना हुआ है। कृषि मंत्रालय ने रविवार को यह बात कही। हालांकि एक उद्योग संगठन ने सरकार के पहले के अनुमान से कम उत्पादन का आकलन किया था। रोलर फ्लोर मिलर्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (आरएफएफआई) ने 24 अप्रैल को अनुमान लगाया था कि 2025-26 (जुलाई-जून) फसल वर्ष में

बेमौसम बारिश व ओलावृष्टि का उत्पादन पर असर कम

गेहूं उत्पादन 11.06 करोड़ टन रहेगा। यह 2024-25 के 10.96 करोड़ टन से थोड़ा अधिक है। इस अनुमान में हालिया मौसमी नुकसान को भी शामिल किया गया है।

11 करोड़ टन उत्पादन का अनुमान

यह अनुमान सरकार के पहले के 12.02 करोड़ टन के अनुमान से काफी कम है। खाद्य सचिव संजीव चोपड़ा ने दोनों अनुमानों के बीच संतुलन की बात कही। उन्होंने कहा, /''जहां संगठन ने 11 करोड़ टन गेहूं उत्पादन का अनुमान लगाया है, वहीं कृषि मंत्रालय का पूर्व अनुमान 12 करोड़ टन था। वास्तविक उत्पादन इन दोनों के बीच कहीं होगा। मंत्रालय ने अपने बयान में कहा कि वर्तमान गेहूं मौसम मिश्रित लेकिन मजबूत रहा है, जो जलवायु चुनौतियों और किसानों द्वारा अपनाए गए बेहतर उपायों का परिणाम है।

छह लाख हेक्टेयर अतिरिक्त क्षेत्र में बुवाई

मंत्रालय ने कहा कि कुछ कारक इन नुकसान की भरपाई कर सकते हैं। इस साल छह लाख हेक्टेयर अतिरिक्त क्षेत्र में बुवाई हुई है, जिससे नुकसान की आंशिक भरपाई होने की संभावना है। समय पर बुवाई से फसल को गर्मी के दबाव से बचाने में मदद मिली है।

शब्द पहेली - 6208

1			2	■	■	3			4
	■	■	5	6		7		■	■
8	9	■	10		■	11		■	12
13		14	■	15	16		■	17	
■	18		19	■		■	20		■
■		■	21		■	22		■	23
■	■	24		■	25	■	26	27	
28	29		■	30		31	■	32	
34		■	35		■	36	37	■	38
	■	■	39					■	
40				■	■	■	41		

बाएँ से दाए-
1. पक्षियों का शोर-4
3. मुठभेड़, भिड़ंत-4
5. क्रोधित होवा-5
8. लाश, पार्थिव देह-2
10. नवीन-2
11. सरिता-2
12. संजय दत्त, मंदाकिनी अभिनीत फिल्म-2
13. दोजख, नर्क-3
15. नमकीन लवण-3
17. बेकार-3
18. आंचल-3
20. फायदा, लाभ-2
21. चिट्ठी, पत्र-2
22. जी, चित-2
24. संपूर्ण-2
26. कुचलना, दबाना-3
28. दाड़म, एक फल-3
30. सांभर जैसा खाद्य पदार्थ-3
32. खिचड़ी, पुलाव-3
34. मां, आई-2
35. भाग्य (अंग्रेजी-2)
36. सौतन-2
38. लीन-2
39. चमकीला-5
40. नसीब, किस्मत-4
41. चुनौती-4

ऊपर से नीचे
1. दलाली-4
2. स्वदेश, जन्मभूमि-3
3. दौंडी पीटना-3
4. बेमिसाल-4
6. इसमें तलवार रखते हैं-3
7. मापदंड, आदर्श-3
9. इच्छित वस्तु-4
12. जीरक, कणिका-2
14. थोड़ा, जरा-2
16. आनंद-2
17. क्रोधित, रुष्ट-2
19. अदा-3
20. पति की बहन-3
23. मन को हरने वाला-4
24. निष्कर्ष-2
25. उम्मीद-2
27. वोट, अभिमत-2
28. धरोहर, थाती-4
29. रिश्ता-2
30. नकद राशि, रोकड़-3
31. संधिपत्र, मसविदा-3
33. रीति अनुसार-4
35. अदृढ, तर्कहीन-3
37. द्रव पदार्थ-3

शब्द पहेली -6207 का हल

■	स	ला	म	त	■	म	हा	व	र
का	म	■	ही	र	■	म	सि	■	थ	ल
फी	■	शा	न	■	वं	■	ल	ब	■	क्ष्य
■	■	य	■	म	हा	न	■	र	■	■
■	फ	र	मा	न	■	र	स	खा	न	■
का	की	■	ल	■	■	■	न	■	र	ति
■	र	नि	वा	स	■	ह	म	द	म	■
■	■	य	■	र	ज	क	■	स्त	■	■
जा	■	म	जा	■	हां	■	श	क	■	का
न	शा	■	य	म	■	पा	प	■	सा	या
■	म	हा	का	ल	■	ल	थ	प	थ	■

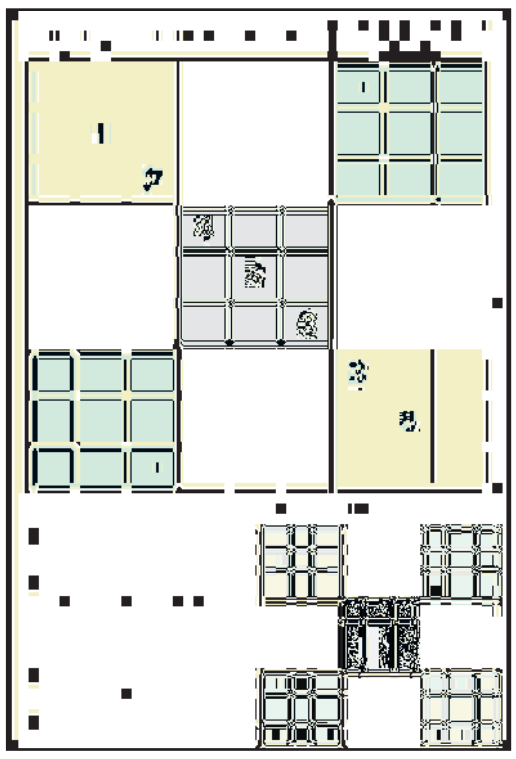

हार से आहत दिल्ली की आरसीबी से टक्कर, होगी असली परीक्षा

आईपीएल पाइंट टेबल

टीम	मैच	जीते	हारे	अंक
पंजाब	7	6	0	13
बेंगलुरु	7	5	2	10
हैदराबाद	8	5	3	10
राजस्थान	8	5	3	10
गुजरात	8	4	4	8
चेन्नई	8	3	5	6
दिल्ली	7	3	4	6
कोलकाता	8	2	5	5
मुंबई	7	2	5	4
लखनऊ	8	2	6	4

ऑरेंज कैप

अभिषेक शर्मा
380 रन
हैदराबाद

पर्पल कैप

अंशुल कंबोज
14 विकेट
चेन्नई

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

पंजाब किंग्स के खिलाफ 264 रन बनाने के बावजूद हार से आहत दिल्ली कैपिटल्स की टीम को अगर सोमवार को आईपीएल के मैच में मौजूदा चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की संतुलित टीम के खिलाफ वापसी करनी है तो उसे अपने पिछले प्रदर्शन को भुलाकर नए सिरे से शुरुआत करनी होगी। पंजाब किंग्स ने रिकार्ड लक्ष्य हासिल करके 6 विकेट से जीत दर्ज की, जिससे दिल्ली कैपिटल्स की टीम बुरी तरह से हिल गई है। इस मैच में उसके गेंदबाजों की जमकर धुनाई हुई। दिल्ली की टीम अंक तालिका में छठे स्थान पर है और अब उसका मुकाबला आरसीबी जैसी एक और मजबूत टीम से है, जो 7 मैच में 10 अंक लेकर दूसरे स्थान पर है।

आज शाम 7.30 से कोहली और राहुल आमने-समाने

अपेक्षाओं पर खरे नहीं उतरे डीसी के गेंदबाज

दिल्ली ने अभी तक बल्लेबाजी में अच्छा प्रदर्शन किया है लेकिन उसके गेंदबाज अपेक्षाओं पर खरे नहीं उतरे हैं। केएल राहुल की अगुवाई वाले उनके शीर्ष क्रम ने लगातार तेज शुरुआत दी है, जबकि नीतीश राणा और डेविड मिलर जैसे खिलाड़ियों ने बीच ओवरों में लय बनाए रखने में मदद की है। उसके गेंदबाज हालांकि अपने स्कोर का बचाव नहीं कर पा रहे हैं। विशेषकर डेथ ओवरों में उसकी गेंदबाजी अच्छी नहीं रही है। ऐसे में अगर उसको अपना अभियान पटरी पर लाना है तो उसके गेंदबाजों को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। तेज गेंदबाज आकिब नबी, कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव और कप्तान अक्षर पटेल को विशेष रूप से महत्वपूर्ण अवसरों पर अच्छा प्रदर्शन करना होगा।

कोहली की अगुवाई में बल्लेबाजी इकाई मजबूत

दूसरी तरफ आरसीबी की टीम काफी संतुलित नजर आ रही है। विराट कोहली की अगुवाई में उनकी बल्लेबाजी इकाई मजबूत नजर आती है। देवदत्त पडिक्कल की शानदार फॉर्म ने उसे और मजबूती प्रदान की है। उसके मध्य क्रम के बल्लेबाजों ने भी मैच का सकारात्मक अंत करने में अधिक स्पष्ट भूमिका निभाई है। लेकिन आरसीबी केवल बल्लेबाजी में ही खतरनाक नहीं है। उसके गेंदबाजों ने भी महत्वपूर्ण अवसरों पर विशेष कर अंतिम ओवरों में अच्छा प्रदर्शन किया है। दिल्ली के बल्लेबाजों को उनसे सतर्क रहने की जरूरत होगी।

दिल्ली के गेंदबाजों पर निगाहें

आरसीबी के गेंदबाजों के खिलाफ दिल्ली के शीर्ष क्रम का प्रदर्शन अहम साबित होगा। इसके अलावा बीच के ओवरों में उसके बल्लेबाजों और आरसीबी के स्पिन गेंदबाजों के बीच मुकाबला मैच के परिणाम का फैसला कर सकता है। आखिरी ओवरों में सारी निगाहें दिल्ली के गेंदबाजों पर टिकी होंगी, जिन पर पंजाब के खिलाफ मिली करारी हार के बाद खुद को साबित करने का दबाव होगा।

आरसीबी करेगी मैच का रुख मोड़ने की कोशिश

वहीं आरसीबी के अनुभवी गेंदबाज मैच का रुख मोड़ने की कोशिश करेंगे। अब टूर्नामेंट निर्णायक दौर में प्रवेश कर चुका है। ऐसे में यह मुकाबला दो अंकों से भी अधिक महत्वपूर्ण हो गया है। यह दिल्ली के धैर्य की परीक्षा है और बेंगलुरु के लिए अपनी श्रेष्ठता साबित करने का अवसर है।

मैच का समय : रात 7:30 बजे

जीटी ने सीएसके को 8 विकेट से हराया, सुदर्शन ने खेली 87 रन की शानदार पारी

158 रन पर चेन्नई अपने घर में ढेर सुदर्शन ने गुजरात को दिलाई चौथी जीत

एजेंसी ▶▶| चेन्नई

गुजरात टाइटन्स ने गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के बाद सलामी बल्लेबाज साई सुदर्शन (87 रन) के अपने घरेलू मैदान पर लगाए गए अर्धशतक की मदद से रविवार को आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) को 8 विकेट से शिकस्त दी। गुजरात टाइटन्स के गेंदबाजों के दबदबे के बावजूद सीएसके के कप्तान रुतुराज गायकवाड़ के नाबाद 74 रन बनाकर फॉर्म में वापसी की, जिससे बल्लेबाजी का न्योता मिलने के बाद टीम 7 विकेट पर 158 रन ही बना सकी। गुजरात टाइटन्स के लिए कागिसो रबाडा ने 25 रन देकर 3 विकेट चटकाए जबकि अरशद खान को 43 रन देकर 2 विकेट मिले। मोहम्मद सिराज और मानव सुथार को एक-एक विकेट मिला। सलामी बल्लेबाज सुदर्शन (46 गेंद, चार चौके, सात छक्के) और जोस बटलर (नाबाद 39 रन) की पारियों से गुजरात टाइटन्स ने 16.4 ओवर में दो विकेट पर 162 रन बनाकर जीत हासिल की। सुदर्शन 17वें ओवर की दूसरी गेंद पर आउट हुए और चौथी गेंद पर बटलर ने छक्का जड़कर टीम को आसान जीत दिलाई।

सैमसन के सबसे तेज 5 हजार रन पूरे रैना, राहुल, धोनी को पीछे छोड़ा

संजू सैमसन अब आईपीएल में सबसे तेज 5 हजार रन बनाने वाले भारतीय बल्लेबाज बन गए हैं। उन्हें इस आंकड़े तक पहुंचने के लिए 3555 गेंदें लगीं। जबकि सुरेश रैना को इसके लिए 3620 गेंद लगी थी, वहीं केएल राहुल को 3688 और महेंद्र सिंह धोनी को 3691 गेंद लगीं। संजू के नाम अब 185 आईपीएल मैचों की 180 पारियों में 5008 रन है। इस दौरान उनका औसत 31.69 का है, जबकि स्ट्राइक रेट 140.59 का। आईपीएल में सबसे तेज 5 हजार रन बनाने वाले बल्लेबाज एबी डिविलियर्स हैं। उन्होंने 3288 गेंदों में यह कारनामा किया था, जबकि डेविड वॉर्नर ने 3554 गेंदों में ऐसा किया था। अगर संजू दो गेंद पहले इस आंकड़े को हासिल करते तो वह आईपीएल में सबसे तेज 5 हजार रनों के आंकड़े तक पहुंचने के मामले में दूसरे स्थान पर आ जाते।

गायकवाड़ के नाम दर्ज हुआ 'अनचाहा रिकॉर्ड'

सीएसके के सलामी बल्लेबाज ऋतुराज गायकवाड़ ने जीटी के विरुद्ध 60 गेंदों में 74 रन की नाबाद पारी खेली। हालांकि, यह आईपीएल के इतिहास में सीएसके की तरफ से किसी बल्लेबाज की चौथी सबसे धीमी फिफ्टी रही। इस अनचाही फेहरिस्त में पार्थिव पटेल शीर्ष पर हैं, जिन्होंने साल 2010 में पंजाब किंग्स के विरुद्ध 53 गेंदों में पचासा पूरा किया था। साल 2009 में मैथ्यू हेडन ने मुंबई इंडियंस के खिलाफ 51 गेंदों में यह कारनामा किया था। इस लिस्ट में तीसरे पायदान पर मौजूद मुरली विजय ने साल 2013 में पंजाब किंग्स के खिलाफ 50 गेंदों में अर्धशतक लगाया था। इस सूची में ऋतुराज गायकवाड़ संयुक्त रूप से चौथे स्थान पर पहुंच गए हैं, जिन्होंने 49 गेंदों में यह कारनामा किया। साल 2013 में मुरली विजय ने राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ 49 गेंदों में अर्धशतक पूरा किया था।

जीटी की अच्छी शुरुआत

सुदर्शन और कप्तान शुभमन गिल (33 रन, 23 गेंद, एक चौका, तीन छक्के) ने अच्छी शुरूआत की। गिल के आउट होने के बाद सुदर्शन और बटलर (30 गेंद, चार चौके, एक छक्का) ने मिलकर टीम को जीत तक पहुंचाया। पिछले मैच में सुदर्शन के शतक जड़ने के बावजूद गुजरात टाइटन्स को हार का सामना करना पड़ा था। लेकिन अब स्कोर इतना बड़ा नहीं था, जिससे गुजरात टाइटन्स ने लगातार दो हार के बाद जीत दर्ज की। इस जीत से उसके आठ मैच में आठ अंक हो गए हैं, जिससे वह पांचवें स्थान पर पहुंच गई।

स्कोर बोर्ड

चेन्नई सुपर किंग्स	रन	गेंद	4	6
सैमसन का बटलर बो रबाडा	11	15	2	0
गायकवाड़ नाबाद	74	60	6	4
उर्विल का होल्डर बो रबाडा	04	3	1	0
सरफराज का बटलर बो सिराज	00	1	0	0
डेवाल्ड ब्रेविस का गिल बो सुथार	02	9	0	0
शिवम दुबे बो अरशद	22	17	3	1
कार्तिक का होल्डर बो रबाडा	15	9	3	0
ओवरटन का शाहरुख बो अरशद	18	6	3	1
अकील हुसैन नाबाद	00	0	0	0

अतिरिक्त : 12, कुल : 20 ओवर में 7 विकेट पर 158 रन
गेंदबाजी : सिराज 4-0-23-1, रबाडा 4-0-25-3, सुथार 3-0-22-1, होल्डर 4-0-22-0, अरशद 4-0-43-2, राशिद 1-0-21-0,

गुजरात टाइटन्स	रन	गेंद	4	6
सुदर्शन का ब्रेविस बो हुसैन	87	46	4	7
गिल स्टं सैमसन बो नूर	33	1	3	
जोस बटलर नाबाद	39	30	4	1
वाशिंगटन सुंदर नाबाद	01	1	0	0

अतिरिक्त : 02, कुल : 16.4 ओवर में 2 विकेट पर 162 रन
गेंदबाजी : अकील हुसैन 3.4-0-46-1 , अंशुल कंबोज 3-0-16-0, जेमी ओवरटन 2-0-28-0, गुरजपनीत 3-0-36-0, नूर अहमद 4-0-29-1, शिवम दुबे 1-0-7-0

रिंकू ने 83 रन बनाने के साथ 5 कैच लपके

नाइट राइडर्स ने सुपर ओवर में सुपर जाइंट्स को हराया

लखनऊ। कोलकाता नाइट राइडर्स ने रिंकू सिंह के तूफानी अर्धशतक और वैभव अरोड़ा की अगुआई में गेंदबाजों के उम्दा प्रदर्शन के बावजूद सुपर ओवर में खिंचे इंडियन प्रीमियर लीग मैच में रविवार को यहां लखनऊ सुपर जाइंट्स को हरा दिया। सुपर ओवर में नाइट राइडर्स के सुनील नारायण ने पहली ही गेंद पर निकोलस पूरन को बोल्ड किया। अगली गेंद पर कप्तान ऋषभ पंत ने एक रन बनाया लेकिन तीसरी गेंद पर एडेन मारक्रम को रिंकू ने लपक लिया। नाइट राइडर्स को दो रन का लक्ष्य मिला और रिंकू ने प्रिंस यादव की पहली गेंद पर चौके के साथ टीम को जीत दिला दी। लगातार दूसरी जीत के साथ नाइट राइडर्स की टीम पांच अंक के साथ आठवें स्थान पर पहुंच गई जबकि सुपर जाइंट्स की टीम चार अंक के साथ 10वें और अंतिम स्थान पर खिसक गई। लखनऊ सुपर जाइंट्स की टीम ने 156 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए कप्तान ऋषभ पंत (42) और सलामी बल्लेबाज एडेन मारक्रम (31) की उम्दा पारियों से आठ विकेट पर 155 रन बनाए जिससे मैच सुपर ओवर में खिंचा। नाइट राइडर्स की ओर से अरोड़ा (24 रन पर दो विकेट) और वरुण चक्रवर्ती (33 रन पर दो विकेट) ने दो-दो विकेट चटकाए। रिंकू (नाबाद 83, 51 गेंद, पांच छक्कों और सात चौके) के करियर की सर्वश्रेष्ठ पारी और उनकी कैमरन ग्रीन (34) के साथ पांचवें विकेट के लिए 42 तथा सुनील नारायण (नाबाद 04) के साथ आठवें विकेट के लिए 30 गेंद में 62 रन की अटूट साझेदारी से नाइट राइडर्स ने सात विकेट पर 155 बनाए।

- आखिरी गेंद पर मोहम्मद शमी ने छक्का लगाकर मुकाबले को बराबरी पर ला दिया
- लखनऊ आईपीएल सीजन में छठी हार के साथ अंक तालिका में अंतिम स्थान पर

खबर संक्षेप

अल-अहली ने रखा एलीट का खिताब बरकरार

जेद्दा। सऊदी अरब के क्लब अल-अहली ने पहली बार फाइनल में खेल रहे जापान के क्लब माचिदा ज़ेलविया को 1-0 से हराकर एएफसी चैंपियंस लीग एलीट फुटबॉल टूर्नामेंट में अपने खिताब सफलतापूर्वक बचाव किया। जेद्दा में 60,000 दर्शकों की मौजूदगी में सऊदी अरब के अंतरराष्ट्रीय स्ट्राइकर फिरास अल बुरिकन के अतिरिक्त समय में किए गए गोल से मैच का फैसला हुआ। अल-अहली की टीम लगभग एक घंटे तक 10 खिलाड़ियों के साथ खेली, लेकिन माचिदा इसका फायदा नही उठा पाया। खेल के 68वें मिनट में ही अल-अहली की टीम 10 खिलाड़ियों तक सिमट गई। तब रेफरी ने जकारिया हवसावी को लाल कार्ड दिखाकर बाहर भेज दिया था।

सूर्यवंशी मेरे पसंदीदा बल्लेबाज : कमिंस

जयपुर। वैभव सूर्यवंशी को अपनी शानदार बल्लेबाजी के कारण एक नया प्रशंसक मिल गया है और यह कोई और नहीं बल्कि ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस हैं, जो इस 15 वर्षीय खिलाड़ी के बल्लेबाजी के तरीके से बेहद प्रभावित हैं। राजस्थान रॉयल्स की तरफ से खेलने वाले युवा बल्लेबाज सूर्यवंशी ने अपने प्रदर्शन से क्रिकेट जगत में तहलका मचा दिया है। ऑस्ट्रेलियाई कप्तान कमिंस ने कहा, ' हां, मुझे लगता है कि वह मेरा नया पसंदीदा खिलाड़ी है। वह गेंद पर जोर से प्रहार करता है। उसे खेलते हुए देखने में मजा आता है।'

उबर कप

उन्नति की रोमांचक जीत तन्वी ने की बढ़त दोगुनी

एजेंसी ▶▶| होर्सेंस

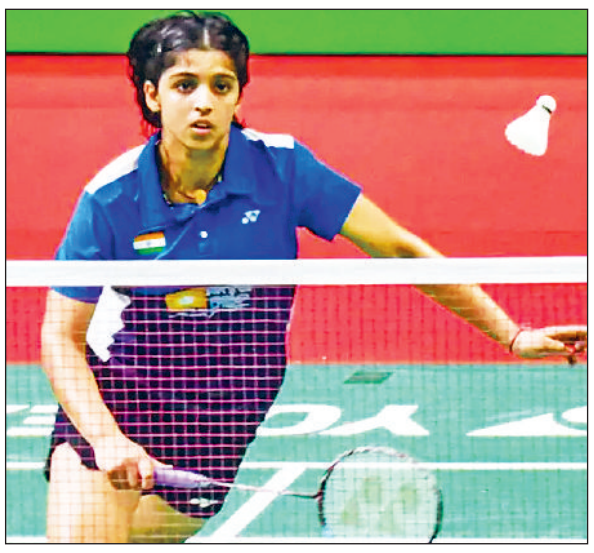

भारतीय महिला टीम ने उबर कप बैडमिंटन टूर्नामेंट के ग्रुप ए के अपने दूसरे मुकाबले में यूरोपीय चैंपियनशिप की कांस्य पदक विजेता यूक्रेन पर 4-1 की शानदार जीत दर्ज करके क्वार्टर फाइनल में पहुंचने की अपनी उम्मीदों को जीवंत रखा। भारतीय टीम अपने पहले मुकाबले में मेजबान डेनमार्क से 2-3 से हार गई थी। यूक्रेन के खिलाफ भारत की युवा खिलाड़ियों ने अच्छा प्रदर्शन किया। उन्नति हुडा ने पोलिना बुहरोवा पर 21-19, 22-20 की रोमांचक जीत के साथ शुरुआत की, जिसके बाद तन्वी शर्मा ने येवहेनिया कांटेमिर को 21-12, 17-21, 21-10 से हराकर भारत की बढ़त दोगुनी कर दी। पीवी सिंधु को एकल में आराम दिया था, जिससे देविका सिहाग को तीसरे एकल में मौका मिला और इस युवा खिलाड़ी ने मारिया स्टोलियारेन्को को 23-21, 21-13 से हराकर शानदार प्रदर्शन किया।

- यूक्रेन से जीता भारत, क्वार्टर फाइनल में पहुंचने की उम्मीद

सिंधु-तनीषा ने जीता डबल्स मुकाबला

भारत को एकमात्र हार महिला युगल के पहले मुकाबले में मिली। कविप्रिया सेल्वम और सिमरन सिंघी को बुहरोवा और कांटेमिर से 11-21, 17-21 से हार का सामना करना पड़ा। इसके बाद सिंधु और तनीशा क्रास्टो ने स्टोलियारेन्को और सोफिया लावरोवा पर 21-18, 21-15 से जीत हासिल की। भारत अब सोमवार को अपने अंतिम ग्रुप मैच में चीन से भिड़ेगा। क्वार्टर फाइनल में पहुंचने के लिए उसे इस मैच में जीत हासिल करनी होगी।

हजारों धावक सड़क पर उतरे क्विजेरा व फ्लोरेंस ने जीती रेस

बेंगलुरु। बुरुंडी के रोड्रिग क्विजेरा ने रविवार को टीसीएस विश्व 10के (10 किमी) बेंगलुरु में रिकॉर्ड तोड़ते हुए अंतरराष्ट्रीय एलीट पुरुषों की रेस जीती जबकि रवांडा की फ्लोरेंस नियोनकुरु ने महिलाओं की स्पर्धा में शीर्ष स्थान हासिल किया। विश्व एथलेटिक्स गोल्ड लेबल रेस के लिए हजारों धावक सड़कों पर उतरे। छब्बीस साल के क्विजेरा ने 27 मिनट 31 सेकंड का समय निकालकर पिछले कोर्स रिकॉर्ड 27:38 को बेहतर बनाया, जो कीनिया के निकोलस किपकोरिर ने 2022 में बनाया था। विश्व 10के बेंगलुरु में यह क्विजेरा का पहला खिताब था। तीन साल पहले वह 'फोटो फिनिश' में कीनिया के सेबेस्टियन सावे से मामूली अंतर से शीर्ष स्थान से चूक गए थे। क्विजेरा को 34,000 डॉलर की पुरस्कार राशि मिली, जिसमें रिकॉर्ड बनाने पर 8,000 डॉलर का बोनस भी शामिल है।

कोर्ट में बिगड़ी इगा की तबीयत अब नहीं खेलेंगी मैड्रिड ओपन

एजेंसी ▶▶| मैड्रिड

इगा स्वियातेक अमेरिकी खिलाड़ी एनली के खिलाफ एक अज्ञात बीमारी के कारण मैच के बीच से हटने से मैड्रिड ओपन टेनिस टूर्नामेंट से बाहर हो गई। विश्व की चौथे नंबर की खिलाड़ी स्वियातेक ने जब मैच से हटने का फैसला किया तब ली 7-6 (4), 2-6, 3-0 से आगे चल रही थी। मैड्रिड में 2024 की चैंपियन स्वियातेक ने निर्णायक सेट में 2-0 से पिछड़ने के बाद मेडिकल टाइमआउट लिया। वह कोर्ट पर लौटीं, लेकिन ली ने अपनी सर्विस बरकरार रखी, जिसके बाद उन्होंने आगे नहीं खेलने का फैसला किया। पोलैंड की स्टार खिलाड़ी ने गुरुवार को अपने दूसरे दौर के पहले मैच में डारिया स्निगुर को सीधे सेटों में हराया था। इस तरह से विश्व में 34वीं रैंकिंग की खिलाड़ी ली ने शीर्ष 10 खिलाड़ियों में शामिल किसी खिलाड़ी के खिलाफ अपने कॅरियर की दूसरी जीत दर्ज की। उनका अगला मुकाबला लेयला फर्नांडीज से होगा।

उपलब्धि — अब लक्ष्य एशियन गेम्स में देश के लिए स्वर्ण पदक जीतना

एशिया रोइंग कप में हरियाणा की सुमन ढांडा ने कांस्य पदक जीतकर प्रदेश का नाम रोशन किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

हरियाणा के खिलाड़ियों का नाम आते ही जेहन में कुश्ती, बॉक्सिंग और कबड्डी की छवि उभरती है, लेकिन अब प्रदेश की बेटियां उन खेलों में भी तिरंगा फहरा रही हैं जिन्हें उत्तर भारत में कम ही जाना जाता है। जींद की होनहार खिलाड़ी सुमन ढांडा ने वियतनाम में आयोजित सीनियर एशियन रोइंग कप में कांस्य पदक जीता। सुमन की यह जीत न केवल उनकी व्यक्तिगत उपलब्धि है, बल्कि हरियाणा में रोइंग के एक नए युग की शुरुआत भी है। सुमन ढांडा के इस सफर की कहानी बेहद प्रेरणादायक है। साल 2021 तक सुमन कुश्ती के अखाड़े में दांव-पेंच लड़ाती थीं, लेकिन किसी कारण कुश्ती छोड़नी पड़ी और रोइंग को चुना। जहां हरियाणा में युवाओं की पहली पसंद एथलेटिक्स या क्रिकेट होती है, वहीं सुमन ने दक्षिण भारत के दबदबे वाले खेल रोइंग में अपनी पहचान बनाने का संकल्प लिया। लगातार 5 वर्षों की कड़ी तपस्या और मेहनत के दम पर आज उन्होंने अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी श्रेष्ठता साबित कर दी है। हरियाणा की रोइंग टीम राष्ट्रीय स्तर पर लगातार शानदार प्रदर्शन कर रही है। हालांकि, खिलाड़ियों को अभ्यास के लिए पर्याप्त सुविधाओं की दरकार है।

भरोसे को मजबूत कर रहे खिलाड़ी : कोच

इस कामयाबी के पीछे भारतीय सेना से सेवानिवृत्त कोच चांद चहल का अटूट विश्वास है। उन्होंने रिटायरमेंट के बाद अपने जिले जींद को रोइंग का केंद्र बनाने का सपना देखा। सीमित संसाधनों के बावजूद उन्होंने युवाओं को इस खेल के प्रति प्रेरित किया। आज कोच चांद चहल के सिखाए हुए खिलाड़ी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदक जीतकर उनके भरोसे को मजबूत कर रहे हैं। सुमन के साथ-साथ किरण जैसी अन्य खिलाड़ी भी अब एशियन गेम्स की तैयारी में जुटी हुई हैं।

द्विपक्षीय रिश्तों पर हुई गहन चर्चा

अजित डोभाल की यूएई के राष्ट्रपति से मुलाकात

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल ने रविवार को संयुक्त अरब अमीरात के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान से मुलाकात की। दोनों नेताओं ने व्यापक रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करने के उपायों, इलाके के हालात और आपसी लाभ के दूसरे मुद्दों पर चर्चा की।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट में यूएई में भारतीय दूतावास ने कहा कि एनएसए अजीत डोभाल ने यूएई का आधिकारिक दौरा किया। उन्होंने राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान से मुलाकात की। पीएम नरेंद्र मोदी का अभिवादन दिया।

व्यापक रणनीतिक साझेदारी को गहरा करने के उपायों, क्षेत्रीय स्थिति और आपसी हित के दूसरे मुद्दों पर चर्चा की गई। इस महीने की शुरुआत में विदेश मंत्री एस जयशंकर के दो दिन के दौरे के बाद यह भारत की ओर से यूएई का दूसरा उच्च स्तरीय दौरा है। इस महीने की शुरुआत में, विदेश मंत्री डॉ. जयशंकर ने अबू धाबी में यूएई के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान से मुलाकात की और पीएम नरेंद्र मोदी का अभिवादन दिया।

खाड़ी में भारत तेज कर रहा पहुंच

एनएसए अजीत डोभाल का यह दौरा भारत की खाड़ी देशों तक पहुंच बनाने की कोशिश का हिस्सा है, जिसे अमेरिका और ईरान में बढ़ते तनाव के बीच तेज कर दिया गया है। इसके पहले 20 अप्रैल को डोभाल ने सऊदी अरब की यात्रा की थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निर्देश पर की गई इस यात्रा में सऊदी अरब के वरिष्ठ नेताओं के साथ बैठकें हुई थीं। इसमें ऊर्जा और विदेश मामलों के मंत्रियों के साथ ही सुरक्षा अधिकारियों के साथ मुलाकातें शामिल थीं। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने यात्रा के बारे में जानकारी देते हुए बताया था कि प्रधानमंत्री के निर्देश पर खाड़ी देशों में हमारा आउटरीच जारी है। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने 19 अप्रैल को सऊदी अरब का आधिकारिक दौरा किया। दौरे पर उन्होंने सऊदी अरब के ऊर्जा मंत्री और विदेश मंत्री के साथ ही यूएई के अपने समकक्ष से भी मुलाकात की।

दबाव, धमकियों और घेराबंदी के माहौल में आकर 'बातचीत' नहीं

ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन की अमेरिका को दो टूक, ईरान के विदेश मंत्री ने ओमान के सुल्तान से मस्कट में मुलाकात की

एजेंसी ▶▶ तेहरान

ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन ने स्पष्ट किया है कि उनका देश दबाव, धमकियों और घेराबंदी के माहौल में किसी भी तरह की बातचीत नहीं करेगा। उन्होंने यह बात पाकिस्तान के पीएम शहबाज शरीफ के साथ फोन पर हुई बातचीत के दौरान कही। इस बातचीत में उन्होंने अमेरिका पर आरोप लगाया कि वह बातचीत और युद्धविराम (सीजफायर) के दौरान लगातार समझौतों का उल्लंघन और दबाव की नीति अपना रहा है।

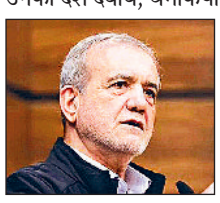

राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन

अराघची ने मिस्र और तुर्की से फोन पर चर्चा की

क्षेत्रीय तनाव के बीच ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने मिस्र और तुर्किये के अपने समकक्षों से बीत की। अराघची और मिस्र के विदेश मंत्री बदर अब्देलट्टी ने युद्धविराम और क्षेत्रीय घटनाक्रमों पर विचारों का आदान-प्रदान किया। वहीं, तुर्किये के विदेश मंत्री हाकान फिदान के साथ उनकी बातचीत मुख्य रूप से ईरान और अमेरिका के बीच चल रही वार्ता प्रक्रिया पर केंद्रित रही। इस सिलसिले में फिदान ने पाकिस्तान के विदेश मंत्री इशाक डार से भी फोन पर बात की। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ओमान की यात्रा के बाद फिर से पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद पहुंचे।

होर्मुज बंद होने से भुखमरी का खतराः यूएन

होर्मुज स्ट्रेट बंद रहने से वैश्विक उर्वरक आपूर्ति पर गंभीर असर पड़ रहा है। संयुक्त राष्ट्र ने चेतावनी दी है कि यदि समुद्री आपूर्ति बाधित रही तो दुनिया के करोड़ों लोग भूख और अकाल जैसी स्थिति का सामना कर सकते हैं। संयुक्त राष्ट्र प्रोजेक्ट सर्विसेज कार्यालय (यूएनओपीएस) ने कहा है कि उर्वरक सप्लाई में रुकावट वैश्विक मानवीय संकट को जन्म दे सकती है। एजेंसी के कार्यकारी निदेशक जॉर्ज मोरेइरा दा सिल्वा ने कहा कि मौजूदा हालात जारी रहे तो लाखों लोग खाद्य असुरक्षा के दायरे में आ जाएंगे। उन्होंने बताया कि उर्वरकों के लिए जरूरी कच्चे माल की कीमतें रिकॉर्ड स्तर तक पहुंच गई हैं।

ईरान ने 10 मिनट में दूसरा प्रस्ताव भेजाः ट्रंप

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक प्रस्ताव का जिक्र करते हुए बताया कि ईरान ने पहले जो कागज दिया था, वह अच्छा नहीं था। लेकिन जैसे ही उन्होंने पाकिस्तान जाने वाले दूत का दौरा रद्द किया, 10 मिनट के भीतर ईरान ने एक नया और बेहतर प्रस्ताव भेज दिया। ट्रंप ने साफ किया कि ईरान के पास परमाणु हथियार नहीं होंगे। उन्होंने कहा कि ईरान ने बहुत कुछ देने की पेशकश की है।

नीति आयोग के नए उपाध्यक्ष बने अशोक कुमार लाहिड़ीः अर्थव्यवस्था, प्रशासन, नीति निर्माण और राजनीति का लंबा अनुभव

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने वरिष्ठ अर्थशास्त्री, पूर्व मुख्य आर्थिक सलाहकार और 15वें वित्त आयोग के सदस्य अशोक कुमार लाहिड़ी को नीति आयोग का नया उपाध्यक्ष नियुक्त किया है। वह इस महीने कार्यकाल पूरा कर रहे सुमन बेरी की जगह यह जिम्मेदारी संभालेंगे। नियुक्ति के एक दिन बाद लाहिड़ी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात भी की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया पोस्ट के माध्यम से उनकी नियुक्ति की घोषणा करते हुए कहा कि नीति आयोग भारत की नीति निर्माण प्रणाली का एक महत्वपूर्ण स्तंभ बन चुका है। यह सहकारी संघवाद को मजबूत करने, सुधारों को आगे बढ़ाने और लोगों की जिंदगी आसान और बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि नीति आयोग नवाचार, दीर्घकालिक रणनीतिक सोच और विभिन्न क्षेत्रों में समन्वय का एक गतिशील मंच है। इसी के साथ उन्होंने नीति आयोग के पुनर्गठन की भी घोषणा की। इसके तहत अशोक कुमार लाहिड़ी को उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया, जबकि राजीव गौबा, केवी राजू, गोवर्धन दास, अभय करंदीकर और एम. श्रीनिवास को पूर्णकालिक सदस्य बनाया गया है।

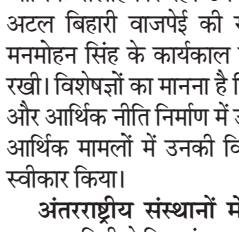

प्रशासन और राजनीति दोनों में अनुभवः अशोक कुमार लाहिड़ी अपने पूर्ववर्ती सुमन बेरी से अलग पृष्ठभूमि रखते हैं। जहां सुमन बेरी मुख्य रूप से करियर अर्थशास्त्री और शोध-प्रशासक रहे, वहीं लाहिड़ी के पास प्रशासन, चुनावी मामलों और सक्रिय राजनीति का भी व्यापक अनुभव है। वह वर्तमान में पश्चिम बंगाल विधानसभा में भारतीय जनता पार्टी के विधायक हैं। इससे पहले भी वे पश्चिम बंगाल की राजनीति और प्रशासनिक ढांचे में सक्रिय भूमिका निभा चुके हैं। उनकी नियुक्ति ऐसे समय में हुई है जब पश्चिम बंगाल में चुनावी माहौल है और नीति आयोग देश में बहु-क्षेत्रीय सुधारों को आगे बढ़ाने में बड़ी भूमिका निभा रहा है। पश्चिम बंगाल से गोवर्धन दास के बाद लाहिड़ी दूसरे ऐसे सदस्य हैं जिन्हें इस महत्वपूर्ण संस्था में बड़ी जिम्मेदारी मिली है।

केंद्र सरकार में महत्वपूर्ण जिम्मेदारियांः केंद्र सरकार में अशोक कुमार लाहिड़ी अक्टूबर 2002 से जून 2007 तक मुख्य आर्थिक सलाहकार रहे। उनकी नियुक्ति तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई की सरकार में हुई थी, और बाद में मनमोहन सिंह के कार्यकाल में भी उन्होंने यह जिम्मेदारी जारी रखी। विशेषज्ञों का मानना है कि यह तथ्य उनके पेशेवर संतुलन और आर्थिक नीति निर्माण में उनकी विश्वसनीयता को दर्शाता है। आर्थिक मामलों में उनकी विशेषज्ञता को विभिन्न सरकारों ने स्वीकार किया।

अंतरराष्ट्रीय संस्थानों में भी निभाई भूमिकाः अशोक कुमार लाहिड़ी ने वित्त मंत्रालय में आर्थिक सलाहकार के रूप में भी कार्य किया है। इसके अलावा उन्होंने में सीनियर इकोनॉमिस्ट और वर्ल्ड बैंक में कंसल्टेंट के रूप में सेवाएं दीं।

हरिभूमि कम्यूनिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक देवेन्द्र सिंह बाल्यान द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशंस, चुलियाना मोड़, दिल्ली रोड, रोहतक-124517 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसपोर्ट सैंटर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली-110035 से प्रकाशित। सम्पादक : डॉ.हिमांशु द्विवेदी। आरएनआई नं 69631/1998, फोन : 011-40451115/16, 40451109